आषाढ़ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:37 तक
उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 9 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 319, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क 12

आप में से कई बन सकते हैं अंतरिक्ष यात्री 14

एक नजर

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस इकाई जालंधर ने मंगलवार को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा पंजाब और मध्य प्रदेश में रची गई हत्या की साजिश को नाकाम करते हुए गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो पिस्तौल बरामद की हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी की पहचान कपूरथला के फगवाड़ा निवासी हिमांशु सूद के रूप में हुई है। उसके पास से दो पिस्तौल, एक .30 बोर की चीन निर्मित पीएक्स3 पिस्तौल और एक .32 बोर की पिस्तौल, के साथ दो मैगजीन और सात कारतूस बरामद हुए हैं। हिमांशु दुबई स्थित अपने हैंडलर नमित शर्मा के निर्देशों पर एक अंतर्राज्यीय गिरोह चला रहा था।

बीजापुर में बारूदी सुरंग में विस्फोट, दो जवान घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के अंतर्गत तिमापुर-मुरदण्डा मार्ग पर बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के दो जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के दल को आवापल्ली-बासागुड़ा मार्ग पर गश्त के लिए रवाना किया गया था। दल जब तिमापुर-मुरदण्डा गांव में था तभी नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया। इस घटना में दो जवान घायल हो गए।

सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री बोले-जमालुद्दीन को ऐसी सजा मिलेगी जो नजीर बनेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां राष्ट्र विरोधी हैं। योगी ने साफ कहा कि इस गिरोह के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने साथ उनकी संपत्तियां भी जब्त होंगी। योगी के मुताबिक राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक नजीर बने।

योगी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जमालुद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। राज्य सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर : धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर।

- कहा, आरोपी की गतिविधियां समाज और राष्ट्र की विरोधी
- आरोपी और गिरोह से जुड़े सभी लोगों की संपत्ति जब्त की जाएगी

छांगुर बाबा जैसे लोग और इस प्रकार की घटनाएं समाज के लिए चुनौती हैं। हमारी सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए संकल्पित है।
– भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष।

सरकारी जमीन पर बनीं छांगुर बाबा की कोठी पर चला बुलडोजर

उतरौला, बलरामपुर। स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को भारी पुलिस फोर्स के साथ सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने छांगुर बाबा की कोठी को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया। धर्मांतरण गैंग का मुख्य आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा बीते वर्ष एटीएस तथा एसटीएफ का शिकंजा कसने के बाद यह भूमिगत हो गया था। विदेश से करीब 100 करोड़ की फंडिंग लेकर छांगुर बाबा ने धर्मांतरण का कार्य शुरू किया था। साथियों की गिरफ्तारी के बाद बीती पांच जुलाई को एटीएस की टीम ने जमालुद्दीन को लखनऊ से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसके द्वारा अर्जित की गई संपत्तियों की छानबीन में पाया गया कि उतरौला कस्बे से सटा मधपुर में बना उसका आलीशान मकान (गाटा संख्या 337 व 370) मकान पूरी तरह से अवैध है। इस मकान को छांगुर बाबा ने अपनी करीबी नीतू रोहरा के नाम से बनवाया था। उतरौला तहसीलदार ने गत 16 व 27 मई को नोटिस जारी कर जमालुद्दीन को घर खाली करने का आदेश दिया था। घर न खाली होने पर सोमवार शाम प्रशासन ने बुलडोजर की कार्रवाई का नोटिस चस्पा किया था। मंगलवार सुबह तीन बुलडोजर चलाकर जमालुद्दीन की अवैध कोठी को पूरी तरह धराशाई कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि उसके द्वारा अर्जित की गई अन्य संपत्तियों की भी जांच की जा रही है।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली। वायुयान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अहमदाबाद में पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बारे में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट विमानन मंत्रालय को सौंप दी है।

सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि यह रिपोर्ट प्रारंभिक जांच में मिली जानकारी पर आधारित है और मंत्रालय के साथ-साथ यह अन्य हितधारकों के साथ भी साझा की गई है। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का यह विमान 12 जून को उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। दुर्घटना में 250 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इनमें विमान में सवार चालक दल के सदस्यों सहित 241 लोग भी शामिल थे।

- दुर्घटनाग्रस्त हुआ था एयर इंडिया का विमान

विमान में सवार एक व्यक्ति सौभाग्य से सुरक्षित बच गया था। यह विमान हवाई अड्डे के निकट के मेडिकल कॉलेज के छात्रावास के उपर पड़ा था जिससे कई मेडिकल छात्रों और अन्य लोगों की भी हादसे में मौत हुई थी। जांच प्रोटोकाल के अनुसार जांच एजेन्सी को एक महीने के अंदर प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपनी होती है। इस रिपोर्ट को तैयार करने में सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन किया जा रहा है।

भारत के साथ व्यापार समझौते के करीब : ट्रंप

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने उच्च शुल्क निलंबन को 1 अगस्त तक बढ़ाया
- राष्ट्रपति बोले-शुल्क का विवरण देते हुए देशों को भेज रहे पत्र

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार समझौता करीब है। राष्ट्रपति ने कहा कि उनके प्रशासन ने कई देशों को आयातित उत्पादों पर लगाए जाने वाले शुल्कों का विवरण देते हुए पत्र भेजना शुरू कर दिया है।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया है, हमने चीन के साथ एक समझौता किया है... हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान (अमेरिका) भेजना चाहते हैं, तो आपको इसका (शुल्क का) भुगतान करना होगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी प्रशासन ने दो जुलाई से लगाए गए उच्च शुल्क के निलंबन को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत कोई भी व्यापार समझौता तभी स्वीकार करेगा जब वह राष्ट्रीय हित में होगा। कृषि और डेयरी क्षेत्र भारत के लिए कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र हैं। भारत ने अब तक हस्ताक्षरित अपने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी क्षेत्र के दरवाजे नहीं खोले हैं।

अमेरिका को लूट रहे हैं कुछ देश

ट्रंप ने कहा कि हम विभिन्न देशों को पत्र भेजकर बता रहे हैं कि उन्हें कितना शुल्क देना होगा।' बांग्लादेश, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और ट्यूनीशिया को ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित पत्र भेजे गए हैं। ट्रंप ने कहा कि ये देश अमेरिका को लूट रहे हैं और हम पर ऐसे शुल्क लगा रहे हैं जो पहले नहीं लगाए।

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी सड़क हादसे में घायल

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। दुर्घटना हापुड़ जिले के पिलखुवा क्षेत्र में स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास हुआ, जब उनकी एक्सयूवी पुलिस एस्कॉर्ट वाहन से टकरा गई। गुलाब देवी को सिर व हाथ में चोट आई है। उन्हें तुरंत रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुलाब देवी (70) मंगलवार दोपहर दिल्ली से बिजनौर की ओर जा रही थीं। उनके काफिले में सबसे आगे चल रही एक निजी गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने पर पुलिस जीप को भी तेज ब्रेक लगानी पड़ी। जीप के पीछे चल रही गुलाब देवी की एक्सयूवी, पुलिस जीप से टकरा गई। गुलाब देवी पिछली सीट पर बैठी थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने फोन पर हालचाल लिया।

मालवाहक जहाज की जब्ती का आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने सोमवार को विड़िण्गम बंदरगाह पर खड़े एक मालवाहक जहाज को सशर्त जब्त करने का आदेश दिया। यह आदेश गंभीर जहाज दुर्घटना और पर्यावरणीय क्षति को लेकर केरल राज्य द्वारा दायर 9,531 करोड़ रुपये के मुआवजे के मामले में दिया गया है। एमएससी अकीटेटा 2 नामक जहाज को जब्त करने का आदेश तब दिया गया जब राज्य ने एक अन्य जहाज के मालिकों और प्रबंधकों पर आरोप लगाया कि वे केरल तट पर गंभीर प्रदूषण फैला रहे हैं। यह जहाज भी उसी कंपनी एमएससी ईएलएसए 3 का प्रतीत होता है।

#BharoseKa Specialist

REGENCY HEALTH
BHAROSE KA SPECIALIST

अब आपके भरोसे का स्पेशलिस्ट
कन्नौज में!

अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख में
विश्वसनीय इलाज और सुविधा आपके शहर में।

सुपरस्पेशलिस्ट ओ पी डी
डायग्नोस्टिक सेवाएं
फार्मेसी

रीजेंसी क्लिनिक काज़ी टोला, कन्नौज

www.regencyhealthcare.in info@regencyhealthcare.in 8381833324

उत्तराखण्ड शासन | देवभूमि रजत उत्सव

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद
अब दुनिया की पहली पसंद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरूआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

हाउस ऑफ हिमालयाज
बेहतर गुणवत्ता

हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

ODOP ONE DISTRICT TWO PRODUCTS UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ
दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%
स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

नारायना हॉस्पिटल (इकाई नारायना मेडिकल कॉलेज)
सुपर स्पेशियालिटी – 1050 बेड सुसज्जित अस्पताल
गंगागंज, पनकी कानपुर
SUNDAY OPEN
अत्याधुनिक मशीनों द्वारा सुसज्जित एवं अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा परामर्श की सुविधा उपलब्ध है।
यह योजना भर्ती मरीज़ो के लिए मान्य होगी।
आयुष्मान योजना / ECHS / CGHS की सुविधा उपलब्ध
जनरल मेडिसिन विभाग | चर्म रोग विभाग | नेत्र रोग विभाग
दाँत रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | जनरल सर्जरी विभाग
स्त्री रोग विभाग | हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग | टी. बी. चेस्ट विभाग
नाक, कान व गला विभाग | नवजात शिशु व बाल रोग विभाग
*T&C Apply
समस्त प्रकार की बीमारियों का सम्पूर्ण इलाज एवं निःशुल्क ऑपरेशन
सभी जांचें एवं दवाइयों पर 50% तक की छूट
3 जुलाई 2025 से 10 जुलाई 2025 तक के लिए मान्य
यह निःशुल्क सेवा सीमित समय तक के लिए है, इस योजना का लाभ उठायें
OPD - प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक
● आँखों का ऑपरेशन (सफेद और काला मोतियाबिंद)
● डिलीवरी (नॉर्मल एवं ऑपरेशन विधि द्वारा) निःशुल्क
● पित्त की थैली का ऑपरेशन (ओपेन एवं दूरबीन विधि द्वारा)
● नाक, कान एवं गला (कान के पर्दे का ऑपरेशन, टेढी नाक, टॉन्सिल्स)
● हड्डी का उपचार एवं सभी प्रकार के ऑपरेशन निःशुल्क
24 घंटे इमरजेन्सी एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
Mob.:7800007704, 7800007705, 9918601150
www.narainamedicalcollege.com
Email: nhrc@narainagroup.net

एक रात में चार घरों से 50 लाख का माल पार

जसोदा के तीन व समधन के एक घर को चोरों ने बनाया निशाना, खुली पुलिस गश्त की पोल

संवाददाता गुरसहायगंज/ जलालाबाद/ जसोदा, कन्नौज

पीड़ितों से पूछताछ करते सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय। अमृत विचार

घटना स्थल पर खड़ी डाग स्क्वायड की टीम। अमृत विचार

- जांच में जुटी, पुलिस, फारेंसिक व डाग स्क्वायड की टीम
- जसोदा के दो घरों में चोरी करने में अफसल हुए चोर

अमृत विचार। एक ही रात में चोरों ने अलग-अलग स्थानों पर चार घरों को निशाना बनाते हुए नकदी-जेवर समेत करीब 50 लाख का माल पार कर दिया। एक घर में तो चोरों ने सो रहे लोगों को कमरे में बंद कर दिया और चोरी कर फरार हो गए। दो घरों में लोगों के जाग जाने से चोरी की घटना बच गई।

कोतवाली क्षेत्र की चौकी जसोदा के ग्राम भुर्जानी में सोमवार की रात चोरों ने पांच घरों को निशाना बनाया। पहली घटना में अवधेश पुत्र सोने लाल के घर उनकी पत्नी मंजू देवी, बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे। अवधेश राजस्थान में प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते है। उनके यहां से चोर सोने की लर, कान के झाले, तीन अंगूठी, एक पायल, तीन तोड़िया, एक कमर पेटी और 90000 रुपये चोरी कर ले गए। परिजनों ने बताया कि करीब छह लाख का सामान चोरी हुआ है। दूसरी घटना संजीव कुमार उर्फ कल्लू यादव के यहां हुई। यहां से सोने के तीन हार, तीन कंगन, तीन सोने की चेन, तीन चांदी की पायल, सोने की 12 अगूंठी, डेढ़ किलो चांदी के सिक्के और चार लाख रुपये नकद चोरी गए।

लगभग 35 लाख रुपये की चोरी हुई। संजीव ने बताया कि तीन भाई दूध का व्यापार करते हैं। सभी लोग कमरे में सो रहे थे। चोरों ने बाहर से दरवाजे की कुंडी लगा दी। जिस कमरे में रुपये और जेवर रखे थे वहां से सबकुछ समेट ले गए गए। गंधर्व सिंह पुत्र महिपाल सिंह के मकान की छत पर सारे सामान निकालने के बाद खाली डिब्बे, पर्स, केस आदि छोड़ गए। उसके बाद चोर वीर प्रताप पुत्र राम चंद्र के मकान में पीछे से अंदर घुस गए। एक जोड़ी तोड़िया और पांच हजार रुपये ले गए। पीछे का गेट खोल कर चले गए।

इसके बाद चोर बादाम सिंह यादव और कोमल सिंह यादव के मकानों में घुस गए। तभी उनका पुत्र धीरेन्द्र आहट सुनकर जाग गया। इससे चोर भाग गए। इसी तरह कस्बा समधन के मोहल्ला सैयद बाड़ा निवासी अवधेश शर्मा पुत्र नाथूराम शर्मा ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में कहा है कि 08 जुलाई की रात लगभग 01.30 बजे चोरों ने घर की दूसरी मंजिल की कमरे में अलमारी का ताला तोड़ दिया और 90 हजार रुपये, सोने का हार, मंगलसूत्र, कान के झाले, टोप्स, तीन अंगूठी, एक जोड़ी पायल चोरी कर ली। चोरों को देख बहू रोशनी शर्मा ने विरोध किया तो उसे मारपीट कर घायल कर दिया और फरार हो गए।

चोरी की घटना की जानकारी देता पीड़ित।

सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी अभिषेक प्रताप अजेय, कोतवाली प्रभारी आलोक कुमार दुबे, चौकी प्रभारी मोहन लाल ने घटना स्थल पर पहुंच कर पीड़ितों से पूछताछ की और जांच शुरू कर दी।

जबकि डाग स्क्वायड व फारेंसिक टीम ने भी नमूने लेकर जांच शुरू कर दी है। सीओ ने बताया कि जल्द ही घटनाओं का खुलासा किया जाएगा।

आज का मौसम
बुधवार को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।
31.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05:20
सूर्यास्त 07:08

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

FUTURE UNIVERSITY
Learn · Assimilate · Transcend
India's 1st AI Enabled New Age Innovative University
BCA (Hons)
Bachelor of Computer Application
Data Science & Artificial Intelligence
in Collaboration with IBM
Cybersecurity Operations & Application Development
Powered by EC-Council
Artificial Intelligence & Machine Learning
Powered by IBM
ADMISSION CLOSING SOON
Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur, Bareilly (U.P.) India
Call : 9105057520, 9105057515
www.futureuniversity.in
Scan this QR Code for apply instantly.

एक नजर

युवक ने फंदा लगाकर किया आत्महत्या का प्रयास

छिबरामऊ। ग्राम मानपुर निवासी 20 बर्षीय गौरव पुत्र भारत सिंह यादव ने घरेलू विवाद के कारण फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के बाद परिजनों ने तुरंत उसे सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार गौरव के परिवार में कुछ समय से तनाव चल रहा था। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

सीढ़ी टूटने से नीचे गिर कर युवक घायल, हालत गंभीर

कन्नौज। मकान की छत पर सीढ़ी से मक्का चढाते समय सीडी टूट गई। इससे नीचे गिर कर युवक घायल हो गया। सदर कोतवाली क्षेत्रके गांव मेंहदीपुर निवासी मोहन (29) पुत्र बलराम मंगलवार को अपने मकान की छत पर मक्का चढ़ा रहा था। इसके लिये मक्का लादकर सीढ़ी पर चढ रहा था। तभी सीढ़ी टूट गई। इससे वह नीचे आ गिरा। उसकी कमर में गंभीर चोट आई। भाई शालू अन्य लोगों के साथ उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचा।

प्रैक्टिकल के लिए परीक्षक तैनात किए गए

कन्नौज। 2025 की इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल हुए परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 11 व 12 जुलाई को त केके इंटर कॉलेज में होगी। प्रभारी डीआईओएस पप्पू सरोज ने बताया कि भूगोल के परीक्षक हीरालाल वीएन इंटर कॉलेज छिबरामऊ के जितेंद्र सिंह यादव, जीवन विज्ञान के लिए अशोक गंगवार मेमोरियल इंटर कॉलेज ताहपुर के अतर सिंह और भौतिक विज्ञान के लिए हीरालाल वीएन इंटर कॉलेज के रामजीत को बतनाया गया है। प्रभारी डीआईओएस ने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं ने इन 3 विषयों का चयन किया है वह 11 व 12 जुलाई को सुबह 9 बजे केंद्र पर पहुंच जाएं।

पीड़ित के परिजनों से बात करते पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव। अमृत विचार

सपा नेता से अभद्रता में कार्रवाई की मांग

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। नगला दिलु स्थित सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में कैंसर पीड़ित सपा नेता मोहसिन खान के साथ हुई अभद्रता का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को सपा के पूर्व विधायक अरविंद सिंह यादव ने कड़ी कार्रवाई की मांग की।

रविवार की शाम मोहल्ला जेर किला निवासी सपा नेता इलाज को सौ शैय्या अस्पताल पहुंचे थे, यहां के वार्ड ब्वाय ने उनके सपा से जुड़े होने का उल्लेख कर अभद्रता की। उनके भाई अहसन खान के साथ गाली-गलौज करते हुए कथित तौर पर कहा यहां अब सपा की नहीं चलेगी, अखिलेश यादव भी नहीं घुस पाएंगे। मंगलवार को पूर्व विधायक ने के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डा. सुनील कुमार सिंह से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। बताया कि मामले को गंभीरता से लेकर जिलाधिकारी से फोन पर बात की, जिसके बाद मोहसिन खान को अस्पताल में निजी कमरा उपलब्ध कराया गया। सीएमएस ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मिलावटी पेट्रोल मिलने पर हंगामा

संवाददाता तिर्वा, कन्नौज

पंप पर लोगो को समझाती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। पेट्रोल डलाकर घर तक गए युवक की बाइक का इंजन सीज होने से आक्रोशित लोगो ने पंप पर पहुंच जमकर हंगामा किया।

थाना इंदरगढ़ के बघेलेपुर्वा गांव निवासी निखिल यादव पुत्र बृजेश यादव ने उमर्दा स्थिति एक पंप पर अपनी बाइक में पेट्रोल डला। घर तक गया और बाइक का इंजन सीज हो गया। इसकी जानकारी होते ही कई बाइक चालको में आक्रोश उत्पन्न हो गया। सभी ने पंप पर पहुंच कर मिलावटी पेट्रोल देने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू किया। लोगों ने बोतल में पेट्रोल लेकर उसकी जांच कराकर पंप संचालक पर कार्रवाई की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने का प्रयास किया पर आक्रोशित लोग कार्रवाई की मांग पर डटे रहे। वंही पंप संचालक का कहना था कि मिलावटी नहीं है।

पेट्रोल की जगह डीजल पड़ गया होगा। मौके पर पहुंची थानाध्यक्ष पारूल चौधरी ने हंगामा कर रहे लोगो को कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शांत किया।

बच्चों के लिए होगी पीआईसीयू सुविधा

तिर्वा, कन्नौज। गंभीर रूप से बीमार बच्चों को अब मेडिकल कालेज में पीआईसीयू की सुविधा मिलेगी। कालेज में पीजी सीटें और एनस्थीसिया विभाग में पांच सीट मिलने के बाद आईसीयू व पीआईसीयू की शुरुआत करा दी गई है। प्राचार्य डॉ. सीपी पाल ने बताया कि कालेज में अभी तक मरीजों को पूर्ण रूप से आईसीयू व पीआईसीयू बार्ड का लाभ नहीं मिल पा रहा था। पीजी कर रहे छात्रों की देखरेख में पीआईसीयू की शुरुआत करा दी है। साथ ही बाल रोग विभाग को गंभीर बच्चों के उपचार के लिए दो वेंटीलेटर भी दिए गए। बताया कि शासन से नर्सें भी मिल गई हैं पीआईसीयू में डाक्टर, कर्मचारियों की तैनाती कर पहले दिन एक गंभीर बच्चे को उपचार के लिए रखा गया।

सात विभागों के लिए 16 पीजी सीटे बढ़ाने का भेजा प्रस्ताव

तिर्वा, कन्नौज। भीमराव रामजी अंबेडकर मेडिकल कालेज प्रशासन ने सात विभागों के लिए 16 और पीजी सीटो की मान्यता देने का प्रस्ताव भेजा है। प्राचार्य डॉ. सीपी पाल ने बताया कि कालेज में 54 पीजी सीटें मिलने के बाद यह प्रस्ताव भेजा गया है। यह सीटें मिलने के बाद मरीजों को सहूलियत हो जाएगी।

सार-संक्षेप

सांसद अखिलेश को जानकारी देते सपा के पदाधिकारी। अमृत विचार

सांसद अखिलेश यादव को दी समस्याओं की जानकारी

छिबरामऊ, कन्नौज। समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव एवं नवीन मंडी के महामंत्री रोविन यादव ने सांसद, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से लखनऊ कार्यालय में मुलाक़ात कर क्षेत्रीय समस्याओं की जानकारी दी। उन्होंने नवीन मंडी में चल रही अनियमिताओं के बारे मे विस्तार से बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने ब सभी समस्याओं को हल करने का भरोसा दिया। इस दौरान खड़नी प्रधान सुधीर पाल, गाड़िया पाह प्रधान अवधेश यादव, रुर प्रधान विनेश पाल उपस्थित रहे।

फिर हादसे का कारण बनते बची टूटी पुलिया, कार फंसी

छिबरामऊ। नगर पालिका की लापरवाही के चलते हीरालाल वीएन इंटर कॉलेज के खेल मैदान के सामने टूटी पड़ी पुलिया एक बार फिर हादसे का कारण बनते बच गई। सोमवार की दोपहर बनवारी नगर मोहल्ले की तरफ से आ रही कार का पिछला टायर इसमें फंस गया। लोगों ने कार सवारों को निकालकर किसी तरह से बचा लिया। बता दें कि इस पुलिया की दक्षिणी दीवार मार्च में एक वाहन की टक्कर से टूट गई थी, जिसकी मरम्मत नगर पालिका ने अब तक नहीं। तब इस संबंध में अमृत विचार ने खबर भी प्रकाशित की थी लेकिन जिम्मेदार बेपरवाह रहे। पिछले वर्षों में इस पुलिया में गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भारी वाहनों का आवागमन होने से भी इस पर लोड पड़ता है। स्थानीय निवासियों और एसबीवीएस संस्था के प्रमुख गौरव अमर त्रिपाठी ने नगर पालिका चेयरमैन मनोज दुबे से शीघ्र मरम्मत की मांग की है। सुझाव दिया कि नगर पालिका को ओवरलोडेड वाहनों और उनके स्वामियों से हर्जाना वसूलना चाहिए।

पिता-भाई को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म

तिर्वा, कन्नौज। करीब एक साल से चल रहे प्रेम प्रसंग में युवती क़े साथ युवक ने कई बार दुष्कर्म किया। सीओ क़े आदेश पर पुलिस ने आरोपी क़े खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र क़े एक गांव निवासी युवती ने सीओ को दी तहरीर में बताया कि गांव क़े ही निवासी एक युवक से करीब एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस दौरान कई बार शारीरिक संबंध बनाए और अश्लील फोटो खींच ली। दो माह पूर्व बातचीत करने से मना कर दिया। सात दिन पहले रात में घर की छत पर मां क़े पास सो रही थी। रात दो बजे जीतू घर की छत पर चढ़ आया और जबरन पास में स्थित अपने घर ले गया। आरोपी बातचीत करने का दबाव बना कर दुष्कर्म करने लगा। विरोध करने पर अश्लील विडियो वायरल करने व परिवार समेत जान से मार देने की धमकी दी। इस डर का फायदा उठाकर दुष्कर्म किया। सीओ क़े आदेश पर पुलिस ने आरोपी क़े खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रूट डायवर्जन | गुरु पूर्णिमा को लेकर यातायात पुलिस ने किया रुट डायवर्जन

कल गंगा रोड पर प्रवेश नहीं कर सकेंगे भारी वाहन

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/मानीमऊ

गंगा के मेहंदीघाट पर निरीक्षण करते जिलाधिकारी, एसपी, सीओ सिटी व अन्य प्रशासनिक अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान को लेकर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने गंगा तट का निरीक्षण किया। गंगा मेला को लेकर रूट डायवर्जन किया गया है।

आगामी श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को संपन्न कराने के लिये जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, सीडीओ रामकृपाल चौधरी, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, क्षेत्राधिकारी सदर अभिषेक प्रताप सिंह अजेय व उप जिलाधिकारी सदर नवनीता राय, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर जितेंद्र प्रताप सिंह समेत अधिकारियों ने मेहंदी घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने गुरु पूर्णिमा पर्व पर गंगा स्नान करने के लिये आने वाले भक्तों को किसी तरह से स्नान करने में दिक्कत न हो इसके लिये उन्होंने मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा निर्देश दिये। एसडीएम ने गोताखोरों समेत लाइटिंग की भी व्यवस्था जांची। 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व मेहन्दीघाट पर श्रद्धालुओं की भीड को देखते हुए हरदोई व कन्नौज की ओर से गंगा रोड पर भारी वाहनों का प्रवेशपूरी तरह से बंद रखा गया है। यह प्रतिबंध 09 जुलाई को 12:00 बजे से 10 जुलाई को समाप्ति तक वाहनों का डायवर्जन रहेगा। एसपी विनोद कुमार की ओर से जारी आदेश में हरदोई से कन्नौज आने वाले वाहनों को बिलग्राम से मल्लावा बाया बिल्हौर होते हुए कन्नौज आएंगे। कन्नौज से हरदोई जाने वाले वाहनों को वाया बिल्हौर मल्लावा से बिलग्राम होते हुए हरदोई जायेगे। इसके अलावा औरैया से कन्नौज आने वाले वाहनों को बेला से रसूलाबाद वाया बिल्हौर होते हुए हरदोई जाएंगे। हेल्प लाइन नंबर भी जारी किये गये हैं। इन में यातायात हेल्पलाईन- 7839865383 व यातायात प्रभारी-8737070786 पर यातायात से संबंधित शिकायत कर सकते हैं।

आधी अधूरी तैयारी देख जिलाधिकारी नाराज

- **मानीमऊ।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने महादेवी गंगाघाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों पर गंदगी, बिजली-पानी की व्यवस्था आधी अधूरी देख नाराजगी जाहिर की। अधिकारियों को व्यवस्था ठीक करने के निर्देश दिए और गोताखोरो को किट वितरित की। 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के चलते अधिकारियों ने मंगलवार शाम छह बजे घाट का निरक्षण किया। पक्के घाटों पर गंदगी, शौचालय गन्दे व गंगा स्नान करने वाली महिलाओं के लिए कपड़े बदलने की व्यवस्था ठीक न देख नाराजगी जाहिर की। इस दौरान गोताखोर मनोज कुमार, सुभाष, काशी प्रसाद, ब्रजेश, फूल सिंह, अरुण कुमार, राम रतन, वीरेंद्र लाल सिंह, प्रह्लाद माधव को वर्दी, टार्च, सीटी आदि वितरित की।

आबकारी उपायुक्त के निरीक्षण में पहली बार वर्दी में दिखे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

निरीक्षण करते उप आबकारी आयुक्त कानपुर अतुल कुमार श्रीवास्तव व अन्य।

अमृत विचार। आबकारी उप आयुक्त कानपुर ने विभागीय कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारी पहलीवार वर्दी में दिखे।

आबकारी उप आयुक्त कानपुर मण्डल कानपुर अतुल कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार की दोपहर जिला आबकारी कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिले की स्थित के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षक का कार्यालय देखा। उन्होंने देशी शराब की गोदाम का निरीक्षण करते हुए ट्रक से उतर रही शराब की जानकारी ली। इसी बीच उनको सीएल टू की गोदाम के बने कार्यालय में एसी चलता देख जिला आबकारी अधिकारी बरुण लाल से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि यह गोदाम का कार्यालय है। इस पर उप आयुक्त ने कहा कि निरीक्षकों के कार्यालय में एसी लगवाये या फिर इसको हटवा दें। निरीक्षणके बाद उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी व निरीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। लक्ष्य के सापेक्ष शराब की उठान कराने व दुकानों का निरीक्षण करने को कहा। आगाह किया कि जिले में अवैध शराब की बिक्री नहीं होना चाहिये। इसके लिये छापेमारी करते रहें। कच्ची शराब के निर्माण व बिक्री पर भी अंकुश लगाया जाये।

नवाब सिंह, नीलू के परिवार की डेढ़ करोड़ की संपत्ति और कुर्क

कदरौली वांगर व गदनपुर बड्डू में थी नवाब की संपत्ति, लगाए गए बोर्ड

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

कुर्क की गई भूमि पर बोर्ड लगाते कर्मचारी व मौके पर मौजूद एसडीएम नवनीता राय, सीओ सदर अभिषेक प्रताप सिंह अजेय, तहसीलदार व अन्य।

अमृत विचार। गैंगस्टर मामले में जेल में बंद नवाब सिंह यादव व नीलू यादव के परिवार की डेढ़ करोड़ की दो और संपत्तियों को जिलाधिकारी के आदेश पर तहसील प्रशासन ने कुर्क कर दिया। संबंधित भूमि पर एसडीएम ने कुर्की का बोर्ड लगा कर तहसीलदार को सुपुर्द कर दिया। कार्रवाई कदरौली वांगर व गदनपुर बड्डू की जमीनों पर की गई। तहसील प्रशासन ने अब तक करीब दो करोड 38 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के आदेश पर मंगलवार को एसडीएम नवनीता राय, सीओ सदर अभिषेक प्रताप सिंह अजेय, तहसीलदार अवनीश कुमार क्षेत्रीय लेखपाल अमित राय के साथ सबसे पहले गदनपुर बड्डू क्षेत्र की 11 बीघा से अधिक भूमि पर पहुंचे। इससे पहले गुरसहायगंज कोतवाली प्रभारी ढोल के साथ माइक से घोषणा करते हुए मकरंदनगर से निकले। एसडीएम ने एफएफडीसी के पीछे स्थिति भूमि को कुर्क कर वहां पर दो बोर्ड लगा दिये। भूमि को तहसीलदार के सुपुर्द कर दी। यह भूमि नवाब की मां मूला देवी के नाम दर्ज थी। इसके बाद टीम कदरौली वांगर में नगरकोटि मंदिर के पास स्थिति भूमि पर पहुंची। यहां पर भी मुनादी कराते हुए 74 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की। यह भूमि नवाब की पत्नी सुशीला देवी के नाम थी। यहां पर भी अधिकारियों ने दो बोर्ड लगा दिये। कार्रवाई जिलाधिकारी की ओर से सरकार वनाम नवाब सिंह यादव आदि पर गिरोहबंद असामाजिक क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई है।

16 विभागों का बढ़ाया गया पौधरोपण का लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिले में पौधरोपण का लक्ष्य बढ़ा दिया गया है। पहले 38 लाख 35 हजार 520 पौधे रोपित करने थे लेकिन आज होने वाले बड़े स्तर पर अभियान के तहत 39 लाख 98 हजार 500 पौधे लगाए जाएंगे।

डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने जारी किए आदेश में कहा है कि पूर्व में आवंटित पौधरोपण के लक्ष्य को मुख्य वन संरक्षक सामाजिक वानिकी की ओर से संशोधित किया गया। वन विभाग को पहले 18 लाख 47 हजार पौधे रोपने थे लेकिन अब 18 लाख 45 हजार ही पौधे लगाने होंगे। अन्य विभागों को 19 लाख 88 हजार 520 पौधों के सापेक्ष 21 लाख 53 हजार 500 पौधे रोपने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिन विभागों का लक्ष्य बढ़ा है उसमें कृषि, ग्राम्य विकास, श्रम विभाग, उच्च शिक्षा, नगर विकास, पीडब्ल्यूडी, पशु पालन, उद्योग विभाग, प्रावधिक शिक्षा, सहकारिता विभाग, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, ऊर्जा विभाग, गृह विभाग, परिवहन विभाग, जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संसाधन, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) शामिल हैं।

जिले में 20 फीसदी फलदार पौधे रोपे जाएंगे:डीएम

डीएम ने जारी किए पत्र में कहा है कि पौधरोपण में कम से कम 20 फीसदी फलदार पौधे हर हाल में रोपे जाएंगे। पीपल, नीम, इमली, जामुन, अर्जुन, पाकड़, बरगद आदि प्रजातियों को प्रमुखता से शामिल किया जाए। नई प्रजातियों में चंदन, काला शीशम, महगौनी, खजूर, गम्हार को प्रोत्साहित करने को कहा गया है। इसके अलावा पशुओं के चारा के लिए शहतूत, सहजन, देशी बबूल, सिरस, जंगल जलेबी, अगसत, कचनार, बेर, शीशम व खेजड़ी आदि पौधे चारागाह व गोवंश आश्रय स्थलों पर लगाए जाएं। आज के महाभियान के लिए कंट्रोल रूम भी बना दिया गया है।

नाबालिग को भगाने और छेड़छाड़ में मामला दर्ज

संवाददाता,छिबरामऊ, कन्नौज।

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर निवासी पीड़ित पिता ने बताया कि 1 जुलाई की दोपहर गांव के ही निवासी गोलू यादव पुत्र अवधेश यादव और जोगेंद्र यादव पुत्र महेश यादव उसकी नाबालिग पुत्री को साथ ले गए। उन्होंने पत्नी की सोने की झुमकी और 8 हजार रुपये नकद भी ले लिए।

परिजनों के दबाव पर 2 जुलाई को सुबह 4 बजे आरोपियों ने उसे सफाखेड़ा, जीटी रोड पर छोड़ दिया। पुत्री ने किसी के फोन से उनको सूचना दी। लौटी किशोरी ने बताया कि जोगेंद्र ने उसे नशीला पदार्थ खिलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की गई। आरोपियों ने पुत्री को धमकी दी कि घटना बताने पर उसे और उसके परिवार को जान से मार देंगे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

महिला से छेड़छाड़ कर दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज। परिवार के ही युवक ने महिला के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। महिला के शोर मचाने पर आरोपी युवक ने उसके साथ अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी।

नगर निवासी पीड़ित महिला ने कोतवाली पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि मंगलवार की सुबह करीब 8:30 बजे उसके परिवार के ही एक युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया और शोर मचाया तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कहा है कि जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी से प्रताड़ित होकर पति ने घर में लगाई आग

सौरिख।। पत्नी से परेशान पति ने घर में आग लगा दी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

क्षेत्र के भावलपुर निवासी उदय प्रकाश ने बताया कि पत्नी आये दिन घर में क्लेश करती है। जब इसका विरोध किया तो अपने भाइयों को बुलाकर उससे लड़ाई झगड़ा करने लगी और आए दिन पैसों की मांग करती रहती है। मंगलवार को समय सुबह लगभग 9 बजे उसने परेशान होकर अपने ही घर में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को फोन किया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तब तक मकान में हजारों का सामान जलकर राख हो गया था। इस घटना में अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई।

दबाव बनाकर विद्यालय बंद करने को मांगे जा रहे प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

बीएसए कार्यालय परिसर में मौजूद शिक्षक।

अमृत विचार। परिषदीय स्कूलों के मर्जर (पेयर) के विरोध में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय परिसर में धरना दिया।

मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने धरना देकर कहा कि सूबे में हजारों स्कूलों को पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है। 150 से कम छात्र वाले प्राथमिक और 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक स्कूलों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया गया है। इससे पहले भी वर्ष 2018-19 में एक ही परिसर में संचालित यूपी के करीब 20 हजार विद्यालयों का संविलियन कर प्राथमिक स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त कर दिए गए हैं। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्री ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रामकेश को दिया। कहा कि 1 अप्रैल 2005 व उसके बाद बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन स्कूलों में शिक्षकों को पुरानी पेंशन दी जाए। पेयरिंग की प्रक्रिया रोकी जाए कोई भी स्कूल बंद न किया जाए। प्राथमिक व जूनियर स्कूलों में प्रधानाध्यापक की तैनाती व पदोन्नति की जाए। शिक्षकों ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा, 10 लाख रुपये का सामूहिक बीमा, बेसिक स्कूलों के शिक्षकों को भी माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यापकों की तरह चयन वेतन के तहत 12 साल की सेवा पूरी करने वाले सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान दिए जाने की मांग रखी। राज्य कर्मचारियों की तरह उपार्जित अवकाश, दूसरे शनिवार की छुट्टी, प्रतिकर अवकाश एवं अध्ययन अवकाश अनुमन्य किया जाए।

विद्यालय व अस्पताल के पास महिला पुलिस की हो तैनाती

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

कानून व्यवस्था की समीक्षा करतीं मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम।

अमृत विचार। मंगलवार को प्रदेश के ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई।

में मंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि थानों व अन्य जगहों पर प्रतिदिन जन सुनवाई की जाये, विद्यालयों,अस्पतालों के पास महिला पुलिस वीट की तैनाती की जाये, लेखपाल सही से कार्य करें जिससे गांवों में अनावश्यक विवाद न हो। जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि सफाई कर्मियों की उपस्थिति नियमित रूप से चेक की जाये, आरआरसी सेंटर विधिवत क्रियाशील रहे, गांवों में जन चौपालें लगाई जाएं। प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र व्यक्तियो को ही लाभ दिया जाये।

जिला विकास अधिकारी द्वारा मंत्री को अवगत कराया कि जनपद में 7354 स्वयं सहायता समूह गठित है जिनमे से 6207 क्रियाशील है। मंत्री द्वारा निर्देशित किया गया कि समूहों को जिला मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक परिसर व अन्य जगहों पर दुकाने उपलब्ध कराई जाएं जिससे वह अपने उत्पादों की बिक्री कर सके, गलत कार्य करने वाले अधिकारियों को दंडित किया जाये। जल जीवन मिशन के अंतर्गत खोदी गई सड़कों व गलियों को तत्काल सही कराएं। विद्यालयों में पठन पाठन ठीक रखा जाये। खराब ट्रांसफार्मर बदलने व जहां पर बार-बार ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं वहां क्षमता वृद्वि करने के लिये निर्देशित किया।

एसपी ने नवाबगंज और महिला थाना अध्यक्ष को बदला

फर्रुखाबाद। नवाबगंज व महिला थाना अध्यक्ष का स्थानांतरण कर दिया गया।

महिला थानाध्यक्ष प्रभारी निरीक्षक पूनम अवस्थी की महिला थाना प्रभारी मॉनीटरिंग सेल में तैनाती की गई है। फतेहगढ़ की सिविल लाइन चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रक्षा सिंह की महिला थानाध्यक्ष पद पर नियुक्ति की गई। आईजीआरएस प्रभारी निरीक्षक अवध नारायण पांडे की नवाबगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक पद पर तैनाती की गई। पुलिस लाइन के निरीक्षक भोलेंद्र चतुर्वेदी को आईजीआरएस का प्रभारी बनाया गया। निरीक्षक राजेश कुमार को प्रभारी यूपी 112 के कार्यों के साथ-साथ आरटीसी का भी पर्यवेक्षण अधिकारी बनाया।कमालगंज की उपनिरीक्षक नीरज त्यागी को महिला सहायता प्रकोष्ठ का प्रभारी नियुक्त किया गया।

तीन बच्चों को लगा करंट एक की हालत गंभीर

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कंम्पिल थाना क्षेत्र में तीन बच्चे 11 हजार की विद्युत लाइन की चपेट में आ गए। जिसमें एक की हालत गंभीर है।

थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर नगरिया निवासी मुनीश की 8 वर्षीय पुत्री मधु व दो पुत्र 9 वर्षीय विजय कान्त एवं 10 वर्षीय नीरज को परिजनों ने गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान परिजनों ने बताया कि मकान की छत का लेंटर पड़ रहा था। और बच्चे छत पर खड़े थे। वहीं छत के ऊपर से ग्यारह हजार की विद्युत लाइन निकली है। अचानक मधु का हाथ विद्युत लाइन में छू गया और वह चिपक गयी। यह देखकर पास में खड़े दोनों भाई विजयकांत व नीरज उसको बचाने लगे तभी वह भी दोनों चिपक गए। यह देख परिजनों ने दौड़कर विद्युत लाइन काट कर बच्चों को बिजली से छुटाया और गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने मधु की गंभीर हालत को देखते हुए उसे लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पत्थर मारकर मोबाइल छीना।: नवाबगंज। भारत नगर मंझना निवासी अंकित कुमार फर्रुखाबाद स्थिति एक मेडिकल कालेज के छात्र है। अंकित सोमवार शाम अपने घर आ रहा था। शाम लगभग सात बजे शमशाबाद मंझना स्टेशन पर ट्रेन से उतरकर पैदल घर जा रहा था। तभी रास्ते मे मंझना निवासी युवक ने अंकित को पत्थर मारकर उसका मोबाइल छीनकर भागने लगा। खेतो में काम कर रहे लोगों ने भाग रहे युवक को पकड़ लिया और डायल 112 पुलिस को फोन कर सुपुर्द कर दिया।

चिंताजनक | गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु 136 .60 को पार कर खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है

गंगा का पानी खेतों से होते हुए गांवों की ओर बढ़ा, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता अमृतपुर

गांव में पानी आते ही परिवार परेशान। अमृत विचार

गंगा का बढ़ रहा जल स्तर। अमृत विचार

अमृत विचार। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से गंगा नदी उफान पर है। जिससे तलहटी में बसे गांवों में खलबली मची हुई है। गंगा नदी का रुख अब खेतों से होते हुए गांवों की तरफ है जिससे ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई पड़ने लगी हैं।

आज सुबह गंगा नदी में नरौरा बांध से 57 हजार क्यूसेक, बिजनौर बैराज से 66 हजार क्यूसेक, हरिद्वार बैराज से 83 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु 136.60 को पार कर खतरे के निशान की तरफ बढ़ रहा है। गंगा का पानी तीसराम की मड़ैया, आशा की मड़ैया, नगरिया जवाहर, कुसुमापुर, हरसिंहपुर कायस्थ,ऊगरपुर, भाऊपुर चौरासी, लाइकपुर,सबलपुर,कछुआ गाढ़ा, सुंदरपुर कटरी आदि गांवों मे पहुंचने लगा है। ग्रामीणों ने बताया ग्राम तीसराम की मड़ैया व करनपुर घाट के खेतों मे कटान शुरू हो गया है वहीं खेतों में बाढ़ का पानी भर जाने से किसानों को मक्का, मूंगफली, घुइया की फसल सड़ने का डर सता रहा है। किसान लालाराम, रामनरेश, सियाराम, शिवम आदि ने बताया कि एक बार पानी निकलने के बाद खेतों की नमी सूख भी नहीं पाई थी कि दोबारा फसलों में पानी भर जाने से फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है। जिससे किसानों को फसलों मे नुकसान होने का डर सताने लगा है। एसडीएम अतुल कुमार सिंह ने बताया गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। लेखपालों को गांवों मे प्रवास करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में आज पुठरी ग्राम पंचायत से होगा पौधरोपण का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

समीक्षा करते जिला अधिकारी एवं संयुक्त विकास आयुक्त।

अमृत विचार। जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक जिलाधिकारी एवं संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभा सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बुधवार को ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण से शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान बैठक में डीएफओ द्वारा बताया गया कि जनपद में 26 विभागों द्वारा 38 लाख पौधों का रोपड़ किया जायेगा, जिसमे वन विभाग द्वारा 16 लाख पौधे व कृषि विभाग द्वारा 3.62 पौधे लगाये जायेंगे, पौधरोपण के लिये कंट्रोल रूम बनाया गया है जिसका नंबर 7376359874 है, सभी विभागों द्वारा गड्ढा खुदान व पौध का उठान हो गया है,लगाये गए पौधों का हरीतिमा एप द्वारा जिओ टैगिंग की जायेगी। मंत्री राकेश राठौर गुरु व आयुक्त कानपुर मंडल द्वारा पुठरी में वृक्षारोपण किया जायेगा, सभी जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगा दी गई है, सभी स्थलों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पौधरोपण होगा।

सार-संक्षेप

बाल पोषण माह के संबंध में बैठक लेते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी।

एक माह तक चलेगा बाल स्वास्थ्य पोषण माह

कन्नौज। बाल स्वास्थ्य पोषण माह को सफल बनाने व विटामिन ए की खुराक पांच वर्ष तक के बच्चों को देने के लिये स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सीएमओ कार्यालय में बैठक ली। संबंध में सीएमओ कार्यालय सभागार में सीएचसी अधीक्षकों, एआरओ, डीपीएम व सीसीटीएम की बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जितेंद्र नाग ने कहा कि पोषण माह के दौरान पांच वर्ष के प्रत्येक बच्चे को विटामिन ए की खुराक दी जाये। इस कार्य में आशा व आंगनबाड़ी को लगाया जाये। एमओआईसी इस की मानीटरिंग करते रहें। किसी तरह की लापरवाही न की जाये। इस कार्य में जो भी विभाग के कर्मचारी लगाये गये हैं उन से काम लें, काम कैसे लेंगे यह एमओआईसी पर निर्भर हैं। मानीटरिंग में देखा जाये कि कोई बच्चा विटामिन ए की खुराक से वंचित तो नहीं। नियमित बच्चों को दी जाने वाली विटामिन ए की खुराक की फीडिंग भी करें। इस मौके पर सीएमओ डॉ. स्वदेश गुप्ता, वाई के मंजुल, इरशाद वेग के अलावा यूनीसेफ के राजीव चौहान ने भी जानकारी दी।

टीम ने जांचा छात्राओं का स्वास्थ्य

जलालाबाद, कन्नौज। बदलते मौसम में संक्रामक रोगों से बचाव को लेकर स्वास्थ्य टीम ने छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की और ब्लड के सैंपल भी लिए। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी मनोज कुमार के निर्देशन में आरबीएसके टीम के डॉ. नीरज कुमार व नेत्र परीक्षण अधिकारी अजय भदौरिया ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 51 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। लैब टेक्नीशियन सुशील कुमार ने हीमोग्लोबिन की भी जांच की गई। इस दौरान बार्डेन अंबुज कुमारी दुबे, सीमा त्रिवेदी, सुनीता विश्वकर्मा, कमला सत्यार्थी, प्रतिमा, गिरिजेश मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

युवक से रास्ते में मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम भवानीपुर अनौगी निवासी रविंद्र प्रताप सिंह पुत्र महेंद्र सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 06 जुलाई की सुबह करीब 8.30 बजे गांव के ही ओमपाल सिंह ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट पर आमादा हो गया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित के तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पिता पुत्र को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। रिश्तेदारी में आए पिता-पुत्र से युवक ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। छिबरामऊ के ग्राम चन्दरपुर निवासी कैलाश चंद्र पुत्र रतन सिंह ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 28 जून को वह अपने पिता के साथ अपनी ससुराल लालपुर चियासर आया था। तभी बातचीत के दौरान उसके ससुर भूरेलाल शाक्य ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे व पिता को मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते उसको वहां से भगा दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादीशुदा महिला को भगा ले गया युवक

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम निवासी पीड़ित महिला ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि 07 जुलाई की दोपहर करीब 03 बजे उसकी 19 वर्षीय शादीशुदा पुत्री को गांव का ही एक युवक अपने भाई के सहयोग से कहीं भगा ले गया। जब पीड़िता युवक के घर शिकायत लेकर गईं तो आरोपी युवक के पिता ने उससे ढाई लाख रुपये की मांग करते हुए उससे गाली गलौज व मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

पूर्व मुख्यमंत्री से फरियाद को कार्यालय में दें शिकायत

कन्नौज। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद अखिलेश यादव ने विजय कुमार यादव को कार्यालय प्रभारी बनाया है। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन ने बताया, प्रभारी सोमवार व मंगलवार को कन्नौज कार्यालय में बैठेंगे। कार्यकर्ता प्रार्थना पत्र, सुझाव समस्याएं लिखकर कार्यालय प्रभारी को अवगत करा सकते हैं। जो कुछ समय के बाद यह प्रर्थना पत्र सपा मुखिया के पास पहुंच जायेंगे।

प्रेम प्रसंग में मारपीट कर युवक को नदी किनारे फेंका

जलालाबाद, कन्नौज। युवक को घर से बुला ले जाने के बाद शराब पिलाने और फिर पत्थर मार कर नदी किनारे अचेत अवस्था में फेंक देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित के परिजन की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले में जांच कर कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ब्लाक जलालाबाद ग्राम सफियापुर निवासी अरविंद कुमार पाल (45) को गांव का युवक सोमवार की शाम घर से बुला ले गया था। जिसे उसने अपने दो दोस्तों के साथ शराब पिलाई और बाइक से मल्लपुर्वा स्थित काली नदी किनारे बुला ले गया। जहां पत्थर से मारपीट कर उसे घायल कर दिया और अचेत अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने अचेत अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे मेडिकल कालेज व कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया। जहां कागजात की कमी के कारण उसे वापस भेज दिया गया। मंगलवार की शाम परिजन घायल युवक को कोतवाली लाए और विधिक कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल युवक को सीएचसी में भर्ती कराकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क पर पेड़ लगाने पर दो पक्षों में मारपीट

नवाबगंज। नगर पंचायत क्षेत्र में बीच सड़क पर पेड़ लगाने से दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक पक्ष के हाथ में हल्की चोट तो वहीं दूसरे पक्ष के सिर में गंभीर चोटें आईं। मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया। नवाबगंज नगर के मुहल्ला पुराना गनीपुर निवासी अभिषेक कुमार वर्मा का पड़ोसी गोविन्द ठाकुर से सड़क पर पेड़ लगाकर उसके चारो तरफ ईंटे लगाने को लेकर कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में गालीगलौज के साथ लाठी डंडे से मारपीट होने लगी। मारपीट में एक ओर से अभिषेक कुमार वर्मा व दूसरी ओर से गोविन्द सिंह चोटिल हो गए। थाना पुलिस को एक ओर से अभिषेक कुमार वर्मा व दूसरी ओर से पिंकी देवी पत्नी गोविन्द सिंह ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया।

भूमि विवाद में 2 भाइयों में मारपीट , एक की मौत

चार बीघा जमीन के बंटवारे का है विवाद , एसएसपी , एएसपी सहित सीओ ने घटनास्थल का किया निरीक्षक

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तोडा में सोमवार की देर शाम चार बीघा जमीन के बंटवारे के विवाद में दो सगे भाइयों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों ओर से लाठी डंडों के अलावा कुलहाड़ी चल गई। इस हादसे में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। वहां पर डॉक्टरों ने घायल बड़े भाई को मृत घोषित कर दिया।

उक्त गांव निवासी शिव सिंह लोधी के दो पुत्र कृपाल सिंह 52 वर्ष एवं राम किशोर हैं। शिव सिंह के पास 16 बीघा जमीन थी जिसमें उन्होने अपने दोनों पुत्रों को अपने जीते ही छह छह बीघा दे दी थी। उन्होंने अपने पास चार बीघा जमीन रख ली थी। जिसे पिता की मृत्यु के बाद दोनों भाइयों के बीच आपस में 2-2 बीघा जमीन बांट लेने की मौखिक सहमति बनी थी। करीब एक माह पूर्व शिव सिंह की मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद उक्त जमीन के बंटवारे को लेकर दोनों में विवाद हो गया था। बताया गया है कि सोमवार की देर शाम को कृपाल सिंह उक्त जमीन की जुताई के लिए ट्रैक्टर लेकर गया था। इसकी जानकारी मिलने पर राम किशोर भी मौके पर पहुंच गया ।

दोनों भाइयों में विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठी डंडे व कुल्हाड़ी चलने लगी। राम किशोर ने कुल्हाड़ी का वार कृपाल सिंह पर कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कृपाल को बचाने के प्रयास में कृपाल की पत्नी सीमा पुत्र बाबी व बेटी सविता भी घायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष से राम किशोर व उसकी पत्नी रेनू को भी चोटें आई। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाई। वहां डाक्टरों ने कृपाल सिंह को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के अलावा अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया ।एसएसपी ने बताया कि जमीन के बंटवारे के विवाद में दो सगे भाइयों के बीच विवाद हुआ है। मारपीट हुई जिसमें गंभीर चोट लगने से कृपाल सिंह की मौत हो गई , जबकि राम किशोर घायल हो गए ।

घटनास्थल का निरीक्षण करते एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव व अन्य।

दबंग ने प्रधान को दिया धक्का, प्रधान की मौत

बसरेहर । बसरेहर थाना क्षेत्र के गांव दुगावली में मंगलवार की सुबह ग्राम प्रधान से एक दबंग व्यक्ति की शौचालय बनवाने को लेकर कहा सुनी हो गई । इसके बाद दबंग व्यक्ति ने प्रधान को धक्का दे दिया जिससे 85 वर्षीय प्रधान मुंह के बल गिर पड़े और उनकी मौत हो गई । इस घटना से हड़कंप मच गया । मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। ग्राम पंचायत दुगावली के ग्राम प्रधान शंभू दयाल वाल्मीकि उम्र 85 वर्ष मंगलवार की सुबह अपने दरवाजे पर बैठे थे । तभी ग्राम पंचायत दुगावली के मजरा दुर्गापुरा पुठिया का दबंग व्यक्ति प्रधान शंभू दयाल वाल्मीकि के पास आया और उसने शौचालय बनवाए जाने को लेकर प्रधान से कहा तो ग्राम प्रधान ने कहा कि जैसे ही साइड खुलेगी तो आपके कागजात लेकर जमा करा देंगे और तुम्हारा शौचालय बनवा दिया जाएगा लेकिन दबंग अपनी दबंगई को दिखाते हुए उसने ग्राम प्रधान की एक न सुनी और उनको धक्का मार दिया । जिससे ग्राम प्रधान शंभू दयाल बाल्मीकि मुंह के बल जमीन पर गिर जाने से उनको काफी चोटें आई और उनकी मौत हो गई ।

सड़क हादसों में एक युवक की मौत दूसरा घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक की घायल अवस्था मे इलाज के दौरान मौत हो गई वहीं एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया।

थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बरहीपुरा निवासी सोनू रावत उर्फ चौपड़ा 35 वर्ष पुत्र जवाहर लाल कल साबितगंज में सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था और उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत कचौरा रोड से सीपुरा मोड़ पर बाइक और ट्रैक्टर के बीच हुई भिड़ंत में दीपू 28 वर्ष पुत्र मुगाराम निवासी पहाड़पुरा सिविल लाइन घायल हो गया उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अर्चना महिला जिलाध्यक्ष और वर्षा बनीं महामंत्री

कार्यालय संवाददाता इटावा

● अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल में हुआ मनोनयन

अमृत विचार । उद्योग व्यापार मंडल की इटावा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद अग्रवाल के निर्देश पर महिला जिला इकाई का गठन किया गया । जिसमें उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला महामंत्री एंव नगर अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारीयों ने व्यापार मंडल छोड़कर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बंसल गुट की सदस्यता ग्रहण की।

सुशीला राजावत महिला जिला संरक्षक, अर्चना कुशवाहा जिला अध्यक्ष, वर्षा दुबे जिला महामंत्री, रेनू शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष, पूजा श्रीवास्तव, प्रीति दुबे जिला उपाध्यक्ष, चंचल तिवारी, खुशी सक्सेना को नगर मंत्री बनाया गया। सभी महिला पदाधिकारीयों को व्यापार मंडल का प्रमाण पत्र एंव पट्टिका देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बृजेंद्र यादव, अखिलेश वर्मा, राजीव यादव को जिला संरक्षक, ऋषि पोरवाल, वरुण राज यादव, हाजी मुईनुद्दीन गुड्डू मंसूरी, मुख्तार अहमद बंटी मंसूरी, डॉ अनूप प्रजापति, मोहम्मद मुस्तकीम राईन को जिला उपाध्यक्ष, जैनुल आब्दीन, मोहम्मद वसीम राईन, यामीन, रिंकु चौधरी को जिला सचिव, संजय वर्मा को शहर प्रभारी, नदीम राईन, शाकिर अली को नगर मंत्री बनाया गया। हेमू शाक्य को जसवंतनगर का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया सभी नव मनोनीत पदाधिकारीयों को व्यापार मंडल का प्रमाण पत्र देकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ हरिशंकर पटेल, संतोष कुमार वर्मा जिला उपाध्यक्ष, विकास गुप्ता विकी लल्लू वारसी, युवा प्रदेश मंत्री पंकज आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में नई शिक्षा नीति को समझें

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। डॉयट में उप शिक्षा निदेशक, एवं प्राचार्य प्रेमपाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों हेतु एकीकृत प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम ने किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। बदलते समय, तकनीकी प्रगति और नई शैक्षिक नीतियों के अनुरूप शिक्षकों को भी निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है इस एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से हमें नई शिक्षा नीति की मूल भावना को समझने का अवसर मिलेगा। बाल केंद्रित और समावेशी शिक्षा की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी और सबसे महत्वपूर्ण, शिक्षण को आनंददायक एवं प्रभावी बनाने के लिए नए तरीकों को अपनाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन नोडल प्रवक्ता गायत्री, मनोज कुमार यादव, बृजलाल, डॉ. विनीता सिंह, योगेन्द्र अक्षय द्वारा किया गया। प्राचार्य प्रेमपाल सिंह ने कहा अधिगम एक जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने कहा शिक्षक समाज के निर्माता है। प्रशिक्षण के संयोजक डायट प्राचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक अतुल सिंह अन्य समस्त प्रवक्ता अगम मिश्रा, डॉ विनीता सिंह, बृजेश कुमार पाल, मनोज कुमार यादव, मोहर सिंह, डॉ अलका रस्तोगी, बृजलाल, आदर्श तिवारी आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी व शिक्षक। अमृत विचार

● प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

बिजली घरों का किया निरीक्षण

इटावा। बिजली विभाग में निश्चित दूरी से अधिक दूरी पर कनेक्शन देने के मामले में एक जूनियर इंजीनियर पर कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश चीफ इंजीनियर एएन गुप्ता ने दिए। यहां निरीक्षण के लिए आए चीफ इंजीनियर को शिकायत मिली थी कि निश्चित दूरी से अधिक दूरी पर कनेक्शन दिया गया है। इस पर उन्होंने संबंधित जूनियर इंजीनियर के विरुद्ध कार्यवाही करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व् वसूली बढ़ाने पर भी जोर दिया। चीफ इंजीनियर ने इससे पहले शहर के प्रमुख बिजली घर कुनेरा का निरीक्षण किया। वहां मशीनों का संचालन देखा तथा अन्य व्यवस्थाएं भी देखी। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि बिजली सप्लाई शासन के निर्देशों के मुताबिक की जाए और पूरा प्रयास किया जाए कि बिजली सप्लाई बाधित न होने पाए।

34 किलो गांजा के साथ तस्कर हुआ गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। फ्रेंड्स कालोनी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर रेलवे कालोनी स्थित ट्यूबवेल के पास से एक व्यक्ति को गांजा बेचते हुए गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए व्यक्ति के पास से साढ़े चौतीस किलो गांजा के साथ एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस पकड़े गये गांजा तस्कर के खिलाफ विधिक व आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का गलत काम नहीं होने दिया जायेगा।

पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने बताया कि वह आने जाने वाले लोगों को गांजा बेचकर धन अर्जित करता है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया। एसओ फ्रेंड्स कालोनी अपनी टीम के साथ गस्त पर थे तभी मुखबिर ने सूचना दी कि एक व्यक्ति रेलवे कालोनी में आने जाने वाले लोगों को गांजा बेच रहा है उसके पास मारी मात्रा में गांजा है। इस सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र रुस्तम सिंह निवासी निवासी कथगवां थाना इकदिल बताया। पकड़े गए जीतू के पास से साढ़े 34 किलो गांजा व एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने पकड़े गए जीतू को आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया।

सार-संक्षेप

अभिषेक को सीए परीक्षा में मिली सफलता

इटावा। शहर के मुहल्ला न्यू तुलसी नगर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज उपाध्यक्ष के पुत्र अभिषेक उपाध्याय ने अपने पहले ही प्रयास में देश की प्रतिष्ठित सीए परीक्षा में सफलता हासिल की है। अभिषेक ने अपनी जूनियर से लेकर इंटर तक की पढ़ाई इटावा के संत विवेकानंद सीनियर सेकेंड्री पब्लिक स्कूल से की। इंटरमीडिएट के बाद फाउंडेशन परीक्षा में सफलता हासिल करने के बाद सीए में एडमीशन लिया। रविवार को घोषित परीक्षा परिणाम में उन्हें सफलता मिली। उनकी मां पूनम उपाध्याय गृहणी हैं। उनकी इस सफलता पर तमाम शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 30 सितम्बर तक चलेगा

इटावा। अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रूपेन्द्र सिंह टोंगर ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्वावधान में पूरे देश में एक जुलाई से 30 सितम्बर तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से जनपद के समस्त न्यायालयों में लम्बित वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, चैक बाउन्स के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा विवाद के मामले, आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, ऋण वसूली के मामले, सम्पत्ति के बंटवारे से संबंधित मामले, बेदखली से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, अन्य उपयुक्त दीवानी मामले जैसे प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण कराना है। अधिक जानकारी के लिए जनपद की समस्त तहसीलों में स्थापित लीगल एड क्लीनिक से, समस्त तहसीलों में नियुक्त पराविधिक स्वंयसेवकों से, सुलह-समझौता एवं परामर्श केन्द्र से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इटावा प्रथम तल, एडीआर भवन, जनपद न्यायालय परिसर इटावा से सम्पर्क किया जा सकता है।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

सैफई। क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया है कि एक गांव निवासी 15 वर्षीय किशोरी जा रही थी तभी रास्ते में गांव के ही एक युवक ने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की व जबरन बात करने का दबाव बनाया गया। विरोध करने पर उसने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। पीडिता की मां ने ममाला दर्ज कराया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित उर्फ बनुआ 18 बर्षीय पुत्र संतोष बाल्मीकि निवासी हैवरा, थाना सैफई को हैवरा रेलवे अंडर ब्रिज के पास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रेड यूनियन की हड़ताल आज, किसान मोर्चा का समर्थन

इटावा। विभिन्न मांगों को लेकर ट्रेड यूनियनों ने 9 जुलाई को हड़ताल का आह्वान किया है। इसे लेकर हड़ताल के साथ प्रदर्शन भी किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा और किसान सभा ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है। इसके साथ ही मिड डे मील रसोइयों को भी हड़ताल से जोड़ा गया है। ट्रेड यूनियन संगठनों के नेता अमर सिंह शाक्य ने बताया है कि 9 जुलाई को विभिन्न संगठनों की ओर से प्रदर्शन किया जाएगा । यह प्रदर्शन डॉ भीमराव अंबेडकर चौराहे से शुरू होकर कचहरी तक जाएगा और कचहरी में ज्ञापन भी सोपा जाएगा। उन्होंने बताया कि किसान सभा के प्रांतीय महामंत्री मुकुट सिंह धरना प्रदर्शन को मुख्य रूप से संबोधित करेंगे।

महिला ने फांसी लगाकर जान देने का किया प्रयास

इटावा। थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत नगला सोलंकी में गृह कलह के चलते एक विवाहिता महिला ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। लेकिन जानकारी होने पर परिवार के लोगों ने उसे फंदे से उतार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार प्रीति पत्नी बलराम सिंह निवासी नगला सोलंकी इकदिल ने परिवार में किसी बात से नाराज होकर फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया। घटना से परिवार में हड़कम्प मच गया। परिजनों द्वारा महिला को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर के अनुसार महिला का इलाज जारी है और उसकी हालत में सुधार है।

सांप के डसने से किशोरी की गई जान

इटावा। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत आलमपुर हौज में एक किशोरी को सांप ने डस लिया ,जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से मृतका के परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत आलमपुर हौज निवासी सुप्रिया 15 वर्ष पुत्री भगवान दास को घर पर जहरीले सांप ने डस लिया जिससे किशोरी की मौत हो गई। थाना सिविल लाइन पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

अधीक्षण अभियंता ने सोलर एजेंसी का किया उद्घाटन

सोलर एजेंसी का उद्घाटन करते अधीक्षण अभियंता बिजली मनोज गौड़।

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। हर घर सोलर योजना के तहत इटावा में रामायणी सोलर एजेंसी अंशिका एंटरप्राइजेज का शुभारंभ विद्युत वितरण खंड इटावा के अधीक्षण अभियंता मनोज गौड़ और अधिशासी अभियंता हनुमान प्रसाद ने फीता काट कर किया।

इस मौके पर अधीक्षण अभियंता मनोज गौड़ ने कहा कि सरकार ऊर्जा के वैकल्पिक श्रोत बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है इसी कड़ी में सोलर पावर प्लांट लगाने पर सब्सिडी भी उपलब्ध करा रही है। इसके तहत सरकार प्रधानमंत्री हर घर सूर्य योजना संचालित कर रही है जिसमें सोलर प्लांट लगाने पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान कर रही है। इसमें सोलर प्लांट लगाने पर केंद्र सरकार 78 हजार रुपये और राज्य सरकार 30 हजार रुपये की सब्सिडी उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने बताया कि मंहगे बिजली के बिल से राहत पाने के लिए आज के समय में सभी को सोलर लगवाना चाहिए। इससे पर्यावरण को भी लाभ होता है। ऑन ग्रिड सोलर लगवाने पर आप बिजली के बिल से छुटकारा तो पा ही सकते है और बची हुई बिजली सरकार को बेच कर लाभ भी अर्जित कर सकते है।

जिले में लगाये जायेंगे 65 लाख पौधे

इटावा। प्रदेश सरकार के पौधारोपण अभियान मे 9 जुलाई को बृहद पौधा रोपण किया जाएगा। इसके लिए मुख्य कार्यक्रम कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में होगा। यहां सुबह 10 बजे से पौधारोपण का कार्य चलेगा । इसमें राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेगी।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी विकास नायक ने बताया है कि जिले के लिए लगभग 65 लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। 1 जुलाई से पौधारोपण का अभियान चलाया जा रहा है और 9 जुलाई को पूरे जिले में बड़े पैमाने पर पौधे लगाए जाएंगे। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित होने वाली कार्यक्रम की तैयारी वन विभाग के बढपुरा रेंज की ओर से की जा रही है । इसमें सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं भी भागीदारी करेंगे। बुधवार को होने वाले पौधारोपण की सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया गया है। गड्ढे खोदने का कार्य भी मंगलवार को पूरे दिन चलता रहा।

तीन प्रदेशों के 21 जिलों को मिलाकर चंबल प्रदेश बनाने की उठाई मांग

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। किसान नौजवान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक रविंद्र सिंह तोमर ने मिशन चंबल घाटी के बैनर तले तोमर व्हाइट हाउस में हुंकार भरते हुए यूपी, एमपी राजस्थान के समान भौगोलिक स्थिति के 21 जिलों को जोड़कर चंबल प्रदेश बनाने की मांग की। इस मौके पर जहां संगठन का विस्तार किया गया वहीं कलम के धनी कलमकारों को भी सम्मानित किया गया ।

मुरैना जिले की दिमनी विधान सभा से विधायक रहे रविन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि चंबल के किनारे बसे 21 जिलों की जनता सर्वाधिक उपेक्षा का दंश झेल रही है। सरकार किसी की हो लेकिन इनका विकास नहीं हुआ और चंबल के किनारे बसे लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है जब तक एक भौगोलिक स्थिति के इन जिलों को जोड़कर एक प्रदेश को मान्यता नहीं होती तब तक विकास की गंगा इस क्षेत्र के उपेक्षित कलंक को नहीं धो सकती।

बैठक में लोगों को संबोधित करते पूर्व विधायक रविद्र तोमर। अमृत विचार

● तोमर व्हाइट हाउस में हुआ आयोजन पत्रकारों का भी किया गया सम्मान

बैठक में एक स्वर से मांग की गई कि चंबल का अस्तित्व बचाने के लिए चंबल के रेत को खोलकर स्थानीय लोगों को काम दिया जाए। चंबल, यमुना ,क्वारी, सिंध, पाहुज, आसान, कुनो और चंबल के आसपास की नदियों के बीहड़ी क्षेत्र को समतल करके उद्योग धंधे,लगाए जाएं। गौ अभ्यारण खोलकर किसानों की फसल को बचाया जाए, गौ का संरक्षण किया जाए ताकि खाद्य ,दूध,दही घी से उद्योग बढ़े। कार्यक्रम में आए यूपी,एमपी, राजस्थान के पदाधिकारियों ने भी एक स्वर से मांग का समर्थन किया। संगठन का विस्तार भी किया गया। जिसमे जिला अध्यक्ष क्षेत्रपाल सिंह तोमर, उपाध्यक्ष शैलेंद्र पाल, नारायण सिंह, कृपाराम राजपूत, संगठन मंत्री सुशील कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, नगर उपाध्यक्ष प्रदीप भदोरिया, जिला महिला मोर्चा से जिला संगठन मंत्री चित्रा परिहार, जिला अध्यक्ष प्रीति सिंह, उपाध्यक्ष रश्मि सिंह, महामंत्री उर्मिला भदौरिया, अनिल सिंह गौर एडवोकेट, अक्षय राज सिंह भदौरिया, संभागीय अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, बढपुरा मंडल संगठन मंत्री सत्यवान सिंह आदि बनाए गए और संगठन को आगे बढ़ाने की रूपरेखा तैयार की गई। सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों ने कहा कि जो जिम्मेदारी मिली है उसे निभायेंगे।

विरोध प्रदर्शन विद्यालयों के मर्जर के साथ - साथ पुरानी पेंशन बहाली तथा प्रमोशन का मुद्दा भी उठाया

मर्जर के विरोध में शिक्षकों ने भरी हुंकार

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । विद्यालयों का मर्जर नही किए जाने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित दस मांगों को लेकर शिक्षकों ने धरना दिया ।प्राथमिक शिक्षक संघ के आहवान पर शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय पर धरना दिया और मुख्यमंत्री को सम्बोधित अपनी मांगों का ज्ञापन तहसीलदार सदर को सौंपा।

धरने को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विनोद यादव ने कहा कि विद्यालयों का मर्जर किया जाना नौनिहालों के भविष्य के साथ धोख़ा है। सरकार से मांग हैं कि इस आदेश को छात्रहित में तत्काल वापस ले। उन्होने शिक्षकों से कहा कि विद्यालयों के मर्जर से संबंधित विद्यालय प्रबंध समिति, ग्राम प्रधान व अभिभावकों से सहमति तथा असहमति से संबंधित कार्य न करें। अधिकारी स्वयं जाकर मर्जर की सहमति और असहमति प्राप्त करें। सरकार ने विद्यालयों के मर्जर के साथ ही साथ प्राथमिक विद्यालयों में 150 छात्र नामांकन व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 100 छात्र नामांकन से कम वाले विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों को सरप्लस कर दिया है। ये निर्णय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्राप्ति में बाधक होगा। शिक्षकों से कहा कि वे पूर्ण मनोयोग से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए छात्र नामांकन बढ़ाने का प्रयास करें। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दें। शिक्षकों के हकों के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ संघर्ष करेगा। ब्लॉक संयुक्त मंत्री भर्थना कवि सत्यदेव सिंह आजाद की पुस्तक शब्द रचना का विमोचन जिलाध्यक्ष विनोद यादव ने किया।

धरना को ब्रजेश यादव, उपेन्द्र कुमार वर्मा, राज़दा खातून, विपिन मिश्रा, संजू शंखवार, राकेश यादव,रामविलास यादव, प्रद्युम्न यादव, जितेन्द्र यादव, रविंद्र सिंह, संजीव कुमार, दीपक कनौजिया,यशवीर सिंह ने संबोधित किया। अजय तिवारी, आफताब हुसैन, देवेंद्र सोलंकी, रवि त्रिपाठी , मंजू भदौरिया , जौली शाक्य, राधा यादव, अमित त्रिपाठी, उपेन्द्र वर्मा मौजूद रहे। संचालन राजजीवन ने किया।

धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद यादव।

मोबाइल चुराकर भाग रहे युवक को लोगों ने पकड़ा

सैफई । उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई के ओपीडी परिसर में सोमवार को मोबाइल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को अस्पताल में मौजूद तीमारदारों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। भरथना थाना क्षेत्र के बहारपुर निवासी सहीम अपने बीमार पिता के इलाज के लिए अस्पताल की तीसरी मंजिल पर मौजूद था। तभी उसका मोबाइल एक युवक चोरी करके भागने लगा। सहीम के शोर मचाने पर वहां मौजूद अन्य लोगों ने भाग रहे युवक को चौथी मंजिल की लिफ्ट के पास पकड़ लिया और उसकी धुनाई कर दी। पकड़े गए युवक की पहचान बादल शाक्य जनपद मैनपुरी के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद गार्डों ने आरोपी को अपने कब्जे में लेकर तत्काल पुलिस को सौंप दिया।

सभी विभाग मजबूती के साथ ग्राम पंचायत को करें इंडिकेट : डीएम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत पंचायत विकास सूचकांक पीएआई स्कीम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन विकास भवन के प्रेरणा सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी शुभ्रांत शुक्ला ने कहा कि सभी विभाग मजबूती के साथ ग्राम पंचायत को इंडिकेट करें उन्होंने कहा कि जिस तरह लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करते हैं वैसे ही ग्राम पंचायत की सही जांच करें तथा शत प्रतिशत सही डाटा भरा जाना चाहिए तभी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आम जनता को मिल पाएगा। उपनिदेशक पंचायती राज कानपुर प्रवीना चौधरी ने बताया कि सैफई विकास खंड की ग्राम पंचायत लछवाई ने 71. 8 प्रतिशत अंक लेकर बी श्रेणी में होने के बाद भी जनपद में टॉप किया वहीं बढ़पुरा विकास खंड की चंद्रपुर खुर्द पंचायत में 71.4 प्रतिशत अंक पाकर भी बी श्रेणी में आकर टॉप किया था। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य 90 प्रतिशत पर लाना है ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी रोहित कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राजेश कुमार तथा सभी जिला स्तरीय अधिकारी व समस्त एडीओ पंचायत तथा पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में मौजूद सदर विधायक सरिता भदौरिया, डीएम व अन्य अधिकारी।

डंपर रोकने वाले भाजपा नेता पर रिपोर्ट

संवाददाता, बिधूना

- डंपर रोकने पर रंगदारी और शांतिभंग का मुकदमा दर्ज
- मिट्टी खनन में राज्यसभा सदस्य का नाम सामने आया

सांसद के प्रतिनिधि बोले, निष्पक्ष जांच की होगी मांग

- राज्यसभा सदस्य के प्रतिनिधि अनुराग त्रिपाठी ने एक बयान जारी कर कहा कि बेला क्षेत्र में खनन संबंधी विवाद में राज्यसभा सदस्य का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने और जांच में दोषी के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो लोग राज्यसभा सदस्य का नाम ले रहे हैं, उनके खिलाफ भी पुलिस प्रशासन को पत्र लिखा जाएगा।

अमृत विचार। अवैध खनन के विरोध में डंपर रोकने के मामले में भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष विमल दुबे के खिलाफ रंगदारी और शांतिभंग की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। सोमवार की सुबह बिना नंबरप्लेट का एक डंपर कन्नौज से बेला की तरफ मिट्टी ले जा रहा था, जिसे विमल दुबे ने नो-एंट्री के समय रोका था। उनका आरोप है कि डंपर ने उन्हें कट मारने की कोशिश की थी। इस दौरान शीलू कुशवाहा और विमल दुबे के बीच बहस भी हुई थी।

घटना के बाद सोशल मीडिया पर शीलू कुशवाहा को राज्यसभा सदस्य एवं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य का करीबी बताया जाने लगा। राज्यसभा सदस्य के प्रतिनिधि अनुराग त्रिपाठी ने वीडियो जारी कर इस मामले में सांसद का कोई संबंध होने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि खनन कार्य अनुमति के साथ हो रहा है। रात में कन्नौज जिले के कन्हई पुर्वा निवासी विकास कुमार की शिकायत पर विमल दुबे के खिलाफ धारा 308(3) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। इस घटना ने भाजपा में आंतरिक मतभेद को भी उजागर कर दिया है।

कन्नौज जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के कन्हईपुर्वा निवासी विकास कुमार ने तहरीर में आरोप लगाया कि वह गूरा ग्राम पंचायत में मिट्टी खनन कर रहा है। इसकी अनुमति जिलाधिकारी एवं खनन अनुज्ञा पत्र कन्नौज से जारी है। इसके सारे प्रपत्र उपलब्ध है। सोमवार को भाजपा नेता विमल दुबे ने मिट्टी लदे ट्रक को बेला में रोककर ड्राइवर से गाली गलौज व मारपीट की धमकी देते हुए मालिक को बुलाने को कहा। मिट्टी डलवाने के नाम पर पांच हजार रुपये मांगे, जब देने से मना कर दिया तो वैध कार्य को मीडिया में अवैध बताकर प्रसारित करवा दिया।

राज्यसभा सदस्य के दबाव में दर्ज की गई रिपोर्ट

भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने एक बयान जारी कर कहा कि उन्हें तेज रफ्तार डंपर ने कट मारा, जिसके बाद उन्होंने डंपर को रोका और मालिक को बुलाने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य के कथित भतीजे शीलू कुशवाहा और एक अन्य व्यक्ति आए और गालीगलौज करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य के दबाव में उनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है, जबकि उनकी तहरीर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

बाइक और कार दिलाने के नाम पर 8.25 लाख ठगे

संवाददाता, अजीतमल

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत दलेल नगर की एक महिला ने नामजद लोगों पर 8.25 लाख रुपए ठगी का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है नामजद लोगों ने उसे बाइक दिलाने का झांसा दिया और कंपनी में सदस्य जुड़वाए। जब उसे बाइक नहीं मिली तो उसने नामजद लोगों से कहा तो वह लोग जान से मारने की धमकी दे रहे है। पीड़िता ने कई बार अजीतमल कोतवाली जाकर शिकायती पत्र दिया लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

दलेलनगर निवासी शाहाना पत्नी मोहम्मद इमरान ने बताया कि दो लोग घर आए और बोले कि डुअल मार्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्य करते हैं। कंपनी का कार्यालय फफूंद रोड औरैया में है। इस कंपनी के एमडी और सीएमडी से अच्छी जान पहचान है। इस कंपनी में स्कीम है कि 5500 रुपये जमा करने और पांच लोगों को जोड़ने पर कंपनी अपने प्रोडक्ट देती है। एक लाख कीमत की बाइक देती है। 41 सदस्यों को जोड़ने पर कंपनी लगभग नौ लाख कीमत की एक कार देती है। पीड़िता उन लोगों की बातों में आ गई और कंपनी के एमडी व सीएमडी से मुलाकात की। इसके बाद पीड़िता ने अपने जेवर गिरवी रखकर 5500 रुपये जमा कर कंपनी से जुड़ गई। उसने अपने 15 रिश्तेदारों को जोड़ दिया। जब कंपनी के लोगों से बाइक मांगी तो जवाब मिला कि बाइक लखनऊ ऑफिस से सेंशन होकर आ जाएगी। उसने 150 लोगों को जोड़कर लगभग 8.25 लाख रुपये जमा कर दिए थे।

सड़क बनी खलिहान

फफूंद। इन दिनों किसान मक्का की कटाई व मढाई के बाद अपनी मक्का औरैया फोरलेन रोड पर देवरपुर से लेकर फफूंद मोड़ तक सुखा रहे हैं, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया है और हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बाइकें सड़क पर फैली मक्का में फिसल चुकी हैं। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अतिशीघ्र फोरलेन पर सूख रही मक्का को हटवाया जाए, जिससे आवागमन सुरक्षित हो सके। ● अमृत विचार

एक नजर

अयाना थाने के पुलिस कर्मियों ने लगाए पौधे

अयाना। वन महोत्सव के तहत अयाना थाना के पुलिस कर्मियों ने अपनी मां के नाम के पौधे लगाए। इनमें आम, नीम, पीपल, गूलर आदि के पौधे शामिल रहे। साथ ही पुलिस कर्मियों ने इन पौधों की देखभाल करने का भी संकल्प लिया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर की ओर से अयाना पुलिस को 400 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया था, जिसे पूरा कर लिया गया है।

युवक का शव गांव आते ही परिवार में मचा कोहराम

अछल्दा। सोमवार को सड़क हादसे में पुठिया निवासी मनमोहन सिंह (21) पुत्र महेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वह औरैया किसी काम से जा रहे थे कि मिहुली के पास उनकी बाइक अचानक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे मनमोहन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा साथी पूरी तरह सुरक्षित बच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव जब गांव पहुंचा, तो परिजनों में कोहराम मच गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल था, वहीं बड़े भाई सुमित कुमार सहित पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई।

टमाटर 'लाल' और धनिया के बढ़े नखरे

बरसात में फसलों का नुकसान होने की वजह से महंगाई की मार, परिवहन प्रभावित होने का भी असर

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। सब्जियों में टमाटर और धनिया के बगैर सब्जी का स्वाद अधूरा लगता है, मगर इन दिनों अधूरे स्वाद के साथ ही सब्जियां थाली में परोसी जा रही हैं। इसकी वजह है इन सब्जियों के दामों का आसमान छूना। टमाटर के दाम तीन गुणा तक बढ़े हैं तो धनिया पांच गुना महंगी हो गई है। कई अन्य सब्जियां भी है, जो 20 से 40 प्रतिशत तक की महंगी हुई हैं। हरी मिर्ची भी खरीदने में तीखी लग रही है। बरसात में ट्रांसपोर्ट प्रभावित होने और फसलों का नुकसान होने की वजह से महंगाई बढ़ रही है।

टमाटर केवल स्वाद की वजह से ही लोगों की पसंद नहीं है, बल्कि इसमें जो प्राकृतिक गुण हैं, वह इसके सेवन से सेहत के लिए भी काफी लाभदायक होते हैं। विटामिन, मिनरल और एंटीआक्सीडेंट से भरपूर टमाटर खाने से कई बीमारियां दूर होती हैं। हृदय, त्वचा और पाचन में यह सहायक माना जाता है। वजन घटाने और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी कारगर है।

इसी तरह धनिया की पत्तियां दाल और सब्जियों में जब ऊपर से न डाली जाए, रौनक नहीं आती है। धनिया की सुगंध सब्जी दलों के स्वाद को भी बढ़ा देती हैं। इसके साथ ही धनिया भी पाचन में बड़ी भूमिका निभाती और पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से इसके सेवन से स्वास्थ्य संबंधित कई लाभ पसंद नहीं करते। विटामिन सी और विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च भी गायब सी हो गई है। शहर में रामघाट रोड समेत कई क्षेत्रों में दुकानें हैं।

सब्जी की दुकान पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

डिमांड घटी तो नींबू के दाम गिरे

- बरसात से मौसम में परिवर्तन होने के साथ डिमांड घटी तो नींबू के दाम गिर गए हैं। जो नींबू एक माह पूर्व 200 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था, वह अब 80 रुपये प्रति किलो हो गया है। बारिश की वजह से मौसम में ठंडक आई है। इस वजह से घरों में शिकंजी की जरूरत घट जाती है, जिसकी वजह से नींबू की मांग में काफी कमी हो जाती है।

- 20 से 40 फीसदी तक बढ़ गए हरी सब्जियों के दाम

ये रहे सब्जियों के दाम

सब्जी	वर्तमान	एक माह पूर्व
टमाटर	60 से 80	20 से 30
धनिया	250 से 260	40 से 60
गोभी	150 से 170	40 से 60
खीरा	50 से 70	30 से 40
तोरई	40 से 50	20 से 30
भिंडी	40 से 50	20 से 30
करेला	80 से 90	50 से 60
बैंगन	50 से 60	40 से 50
प्याज	40 से 50	30 से 35
मिर्च	80 से 100	60 से 80

(नोट :-फुटकर में प्रति किलो दाम)

क्या कहते हैं दुकानदार

मंडी में भी सब्जियां कम आ रही हैं। बरसात की वजह से दूर से आने वाली सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं, इसलिए महंगी बेचनी पड़ रही है।

-रक्षपाल, विक्रेता

बारिश के दिनों में टमाटर महंगा हो जाता है। धनिया के दाम भी बहुत बढ़ जाते हैं। पहले थोड़ा धनिया यूं ही मिल जाता था, मगर अब नहीं।

-विनीत राजपूत, ग्राहक

नाली के विवाद में दो पक्ष भिड़े, महिला का हाथ टूटा

संवाददाता, बिधूना/कुदरकोट

- दोनों पक्षों के एक-दूसरे के खिलाफ लिखाई रिपोर्ट

अमृत विचार। कुदरकोट थाना क्षेत्र के रामपुर खास के मजर नगला विजयी में नाली के पानी को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। एक पक्ष के लोगों ने भाजपा बूथ अध्यक्ष ओमकार जाटव के परिवार पर हमला कर दिया। एक महिला का हाथ टूटने की बात सामने आई है।

बताते हैं कि एक पक्ष के लोग नाली का गंदा पानी दलित बस्ती की ओर डाल रहे थे। इसका विरोध करने पर उन्होंने ओमकार के घर पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया। फिर मकान की छत से ईंट-पत्थर फेंके। इस हमले में ओमकार की भाभी राधा देवी को गंभीर चोटें आईं. जबकि ओमकार भी इस हमले में घायल हुए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित ने मंजेष कुमार, तेज प्रताप, अंशुल, अरविंद कुमार, पंकज और सुधीर कुमार पर हमले का आरोप लगाया है। पुलिस ने घायलों को ऐरवाकटरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। थाना प्रभारी नीरज शर्मा ने कहा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध आरोप-प्रत्यारोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई करेगी।

20 गांवों में चला स्कूल चलो अभियान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। अपेक्षा महिला एवं बाल विकास समिति, औरैया द्वारा बच्चों के शिक्षा अधिकार को सुनिश्चित करने तथा समुदाय में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'स्कूल चलो अभियान' अब तक जनपद के 20 गांवों में सफलता के साथ संपन्न हो चुका है। इस क्रम में हाल ही में नशीराबाद, गढ़िया बक्सीराम, भाऊपुर, कादलपुर, कलापुर, पुर्वारहँट तथा फरीदपुर गांवों में भी पूर्व की भांति जागरूकता रैली, नारेबाजी एवं सामुदायिक संवाद के माध्यम से अभियान को सशक्त तरीके से सम्पन्न किया गया।

गांव-गांव में बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान उत्साहपूर्वक संचालित हुआ। रैली के दौरान बच्चों ने रंग-बिरंगे पोस्टर और स्लोगनों के माध्यम से शिक्षा की महत्ता को दर्शाया और गाँव में घर-घर जाकर नामांकन हेतु प्रेरणा दी। रैली के दौरान लगाए गए प्रेरणादायक नारेः रोज पढ़े, रोज बढ़े-चलो स्कूल चलें। बेटा-बेटी एक समान-शिक्षा का दो दोनों को मान। कोई बच्चा छूटे नहीं-हर बच्चा स्कूल जाए वहीं। शिक्षा का दीप जलाएं-अंधकार को दूर भगाएं। संस्था की सचिव श्रीमती रीना पांडेय ने बताया कि शिक्षा के बिना कोई समाज तरक्की नहीं कर सकता। हम ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को स्कूल से जोड़ने, बालिकाओं के नामांकन को बढ़ाने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस अभियान का उद्देश्य न केवल शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाएं, पढ़ाई करें और ड्रॉपआउट की समस्या को रोका जा सके। भविष्य की योजनाः संस्था आगामी दिनों में अन्य शेष गांवों में भी यह अभियान चलाएगी, ताकि जनपद औरैया में शत प्रतिशत परिवार शिक्षा के प्रति संवेदनशील बनें।

रैली निकालते बच्चे और शिक्षक। अमृत विचार

मुखालफत प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले एकत्र हुए शिक्षक, मुख्यमंत्री के नाम भेजा मांगपत्र

स्कूल विलय के विरोध में धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर विद्यालयों के पेयरिंग व मर्जर के नाम पर विद्यालयों को बंद करने के खिलाफ प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश चंद्र यादव व जिला मंत्री अरविंद राजपूत के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम 10 सूत्रीय ज्ञापन एडीएम महेंद्र कुमार को सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि हजारों विद्यालयों को मर्जर पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है। प्रदेश में 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों और 100से कम संख्या वाले संख्या उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापकविहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापक को सरप्लस घोषित कर दिया गया। इससे पूर्व में भी वर्ष 2018-19 में एक ही परिसर में स्थित 20000 विद्यालयों का संवलियन करके प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त कर दिए गए हैं। वर्तमान में चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालयों की दूरी अधिक होगी वहीं हजारों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जाएगी, इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियो द्वारा संबंधित प्रधानाध्यापकों, ग्राम प्रधान / विद्यालय प्रबंध समिति पर दबाव बनाकर विद्यालय बंद करने के समर्थन में प्रस्ताव मांगे जा रहे। लोकतंत्र में इस प्रकार की प्रक्रिया जन विरोधी हैं। ज्ञापन में लंबित समस्याओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। 1 अप्रैल व उसके बाद नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, परिषदीय विद्यालयों में मर्जर प्रक्रिया रोकी जाए, किसी स्कूल को बंद न किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक की पदोन्नति एवं तैनाती की जाए। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की तरह चयन वेतनमान के अंतर्गत 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान दिया जाए। शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की तरह उपार्जित अवकाश, प्रतिकर अवकाश एवं अध्ययन अवकाश अनुमन्य किया जाए। शिक्षकों को बीएलओ की ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। धरना-प्रदर्शन में अशोक भास्कर, सुनील यादव, नीरज चक, संजय सेंगर राजू उपाध्याय, वीरपाल यादव, केके यादव, अरविंद दुबे, पंकज कठेरिया, अनिल यादव, गिरीश नारायण यादव, पंकज तिवारी, राधा कृष्ण, राजीव गुप्ता, अनिल दोहरे, पीयूष गौतम, विपिन शर्मा, बुद्ध पाल यादव, दीपक दुबे, ऋतुराज दुबे, अरविंद कुशवाहा, ओम कुमार, आनंद दिक्षित, संजीव सविता, देवांशु श्रीवास्तव, सतीश गौतम, विश्वनाथ यादव, अरुण यादव, अनीता शर्मा, कंचन चक आदि लोग मौजूद रहे।

एडीएम को ज्ञापन सौंपते शिक्षक संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

आंगनबाड़ी केंद्रों को जल्द ही पूर्ण कराएं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- डीएम ने कार्यों को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए
- फॉर्मर रजिस्ट्री का सत्यापन समय से पूरा करने के निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जूम मीटिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री के सत्यापन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र की निगरानी के साथ निर्माण की प्रगति को देखें और शीघ्र पूर्ण कराएं। प्रतिदिन की प्रगति की फोटोग्राफ भी उपलब्ध कराएं।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने विभिन्न माध्यम से प्राप्त होने वाले संदर्भों के संतुष्ट पूर्ण निस्तारण में प्रगति न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए खंड विकास अधिकारियों व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत को निर्देश दिए कि संदर्भ के निस्तारण में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गतमाह में किए गए कार्यों संबंधी प्रकरणों के सापेक्ष और अधिक गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए संतुष्ट पूर्ण निस्तारण करते हुए प्रगति बढ़ाएं, जिससे जनपद की रैंकिंग में गतमाह की प्रगति से ऊपर उठा जा सके।

उन्होंने कहा कि कार्यालयों के माध्यम से आमजन हितार्थ किए जाने वाले कार्यों को भी पोर्टल पर अपलोड कराएं जिससे प्रगति दृष्टिगत हो और जनपद की रैंकिंग में बढ़ोतरी आए। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही दृष्टिगत होने पर जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

वार्ता के दौरान जानकारी देते आचार्य मनोज अवस्थी। अमृत विचार

सत्संग भवन में तीन दिनी गुरु पूर्णिमा महोत्सव शुरू

औरैया। शहर के फफूंद रोड स्थित उमा सत्संग प्रेम भवन में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय महोत्सव शुरू हो गया। महोत्सव में श्री रामचरित मानस अखंड पाठ के साथ सत्संग, प्रवचन और गुरु पूर्णिमा पर विशाल भंडारा होगा। सत्संग भवन के संस्थापक कथावाचक आचार्य मनोज अवस्थी की 1000 कथाएं पूर्ण होने पर सत्संग भवन में जश्न शुरू होगा। सत्संग भवन जरूरतमंद लोगों को शादी और धार्मिक कार्यक्रम के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा। उमा प्रेम सत्संग भवन में मंगलवार को प्रेसवार्ता में कथावाचक आचार्य मनोज अवस्थी ने बताया कि सत्संग भवन में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंगलवार को विधि विधान से पूजन के साथ श्री राम चरित मानस अखंड पाठ का शुभारंभ हो गया है। इसके साथ ही तीनों दिन शाम को प्रवचन एवं महानुभावों के साथ सत्संग होगा। 11 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आचार्य ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए से श्रद्धालु भक्तजनों से पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उनकी लगभग 1000 श्रीमद् भागवत कथाएं संपन्न होने को है, जिसको लेकर श्रद्धालुओं एवं समर्थकों में जश्न का माहौल है। आचार्य ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के लिए उमा सत्संग भवन शादी पार्टी अथवा किसी भी धार्मिक कार्यक्रम के लिए साफ-सफाई की व्यवस्था देने के साथ निःशुल्क उपलब्ध रहेगा।

कई महीनों से पुलिया टूटी, चोटहिल हो रहे बाइक सवार

फफूंद। नगर के दिबियापुर रोड से पार्क होकर गई सड़क की पुलिया कई महीने से टूटी पड़ी है। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और कोई दुर्घटना होने की संभावना बढ़ गई है। नागरिकों ने पुलिया बनवाने की मांग की है। नगर में दिबियापुर-फफूंद रोड से महावीर नगर तक जाने के लिए कई वर्ष पूर्व इंटरलॉकिंग सड़क बनाई गई थी। दोनों सड़कों को जोड़ने के लिए दिबियापुर सड़क पर एक पुलिया भी बनाई गई थी। लोड डंफर और ट्रकों की आवाजाही से पुलिया का काफी हिस्सा टूट गया और वहां का सरिया निकल आया। टूटी पुलिया के गिरकर कई दोपहिया सवार भी घायल हो चुके हैं। पुलिया सही करवाने की नगरवासियों की मांग के बाद भी पुलिया को सही नहीं कराया गया, जिससे लोग परेशान हैं। कस्बावासियों के पुलिया को बनवाए जाने की मांग नगर पंचायत से की है।

टूटी पड़ी पुलिया। अमृत विचार

पौधरोपण करते शिक्षक और बच्चे। अमृत विचार

स्कूल में पौधे लगाकर संरक्षण का लिया संकल्प

अछल्दा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के अंतर्गत मंगलवार को श्री लक्ष्मी नारायण स्कूल मुहम्मदाबाद रोड अछल्दा में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजवर्धन गौर और भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री गौरव श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वन विभाग के गौरव मिश्रा, विद्यालय के प्रबंधक विशाल गुप्ता, प्रधानाचार्या शिखा गुप्ता की उपस्थिति में कार्यक्रम हुआ। स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस अभियान का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश देना था। राजवर्धन गौर ने अपने संबोधन में कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं, इनकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। विद्यालय प्रबंधक ने इस आयोजन को प्रतिवर्ष करने की घोषणा कर जनसहभागिता को भी आमंत्रित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे लगाए गए पौधों की देखरेख स्वयं करेंगे।

नेविलगंज में समर्थकों के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव। अमृत विचार

इटावा जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव का स्वागत

अछल्दा। नेविलगंज में इटावा जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल यादव का विधायक प्रदीप यादव, स्थानीय पंप मालिक मनोज यादव, चेयरमैन अरुण दुबे ने स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विकास, किसानों की समस्याओं और युवाओं के भविष्य को लेकर चर्चा की गई। स्थानीय लोगों ने जिला पंचायत अध्यक्ष को अंग वस्त्र और पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर राकेश यादव, सर्वेश यादव, प्रमोद यादव, लालजी यादव, रणवीर यादव, हरिकिशोर सहित व्यापारी, समाजसेवी मौजूद रहे।

स्कूल जा रहे बच्चे को बंदर ने चबाया, लोगों में दहशत

अजीतमल। तहसील क्षेत्र में बंदरों के आतंक के चलते लोग परेशान है। बंदर आए दिन किसी न किसी पर हमला कर देते है। एक माह पहले बंदर के खदेड़ने से बुजुर्ग छत से गिर गया था। जिससे उसकी मौत हो गई थी। वही नगर पंचायत अटसू की उदासीनता के चलते अभी तक अभियान नहीं चलाया गया। मंगलवार को अटसू कस्बा निवासी सिद्धार्थ का छह वर्षीय पुत्र अभिषेक स्कूल में एडमिशन कराने पीएम श्री विद्यालय नवीन नगर अटसू गया था। तभी रास्ते में बंदरों ने उस पर बुरी तरह से हमला कर दिया और अभिषेक को काट लिया। शोर सुनकर आसपास लोग दौड़कर उसे बचाने पहुंचे और उसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले गए। जहां डाक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदरों के आतंक के चलते लोग दहशत में जी रहे है। लोगो अपने घरों की छत पर कपड़े नहीं सुखा पा रहे है और छोटे बच्चों से बाजार सामान लेने नहीं भेज सकते हैं।

एक नजर

विद्यार्थियों ने किया विधान भवन का शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के तत्वावधान में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मंगलवार को उप्र. विधानभवन का शैक्षिक भ्रमण किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनसे आत्मीय संवाद किया और लोकतांत्रिक संस्थाओं की महत्ता और उनकी पारदर्शी कार्यशैली पर प्रकाश डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे संविधान के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। छात्र-छात्राओं ने भी विधानसभा कार्यवाही के संचालन, प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधेयक निर्माण की प्रक्रिया तथा विभिन्न समितियों के दायित्वों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और कई प्रश्न पूछे।

बीएसए, बीईओ व प्रबंधक समेत 18 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

शिक्षक नियुक्ति में फर्जीवाड़ा : शासन के आदेश पर विजिलेंस वाराणसी शाखा की टीम ने की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2015-16 और 2016-17 सत्र में वाराणसी के विद्यालयों में हुई नियुक्तियों की जांच में सामने आया भ्रष्टाचार

अमृत विचार : पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुई नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया था। इसकी जानकारी होने पर शासन ने वाराणसी के चिह्नित सात पूर्व माध्यमिक विद्यालयों व जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्ति के जांच का आदेश जारी किये थे। विजिलेंस की वाराणसी शाखा की जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। जांच रिपोर्ट में इस धांधली में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रामटहल और विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व कई शिक्षकों की भूमिका पाई गई। इसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, साजिश रचने, धोखाधड़ी समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

विजिलेंस की वाराणसी शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनीता सिंह ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि वाराणसी के सात पूर्व माध्यमिक व जूनियर हाईस्कूल में 2015-16 और 2016-17 सत्र में हुए प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक, लिपिक पदों पर विधि विरुद्ध नियुक्ति की गई। इसमें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सात विद्यालयों के प्रबंधकों, प्रधानाध्यापकों, सहायक शिक्षकों व लिपिकों के खिलाफ जांच की गई। जांच में सामने आया कि बड़े पैमाने पर धांधली की गई है। इसमें चयनित अभ्यर्थियों के स्थान पर अपने करीबी व रिश्तेदारों की नियुक्तियां की गई है। इस फर्जीवाड़े में तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी रामटहल समेत 18 लोग दोषी पाये गये हैं। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई। शासन के आदेश मिलने के बाद वाराणसी विजिलेंस शाखा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

इन विद्यालयों में हुई थीं फर्जी नियुक्तियां

- श्री विश्वकर्मा पूर्व मा. विद्यालय, रौनाखुर्द बेला वाराणसी
- पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन, पाण्डेयपुर वाराणसी
- श्री जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज, बड़ागांव, वाराणसी
- ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाईस्कूल, नई बस्ती पाण्डेयपुर, वाराणसी
- श्री दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, असवारी कुआर बाजार, वाराणसी

इन्हें बनाया गया आरोपी

विजिलेंस की जांच में तत्कालीन बीएसए हरिकेश यादव, खंड शिक्षा अधिकारी चिरईगांव अरविंद कुमार यादव, दशाश्वमेध जोन बृजेश कुमार राय, रामटहल, सुबाष गुप्ता, जगनरायन तिवारी विद्यालय साधोगंज बड़ागांव के प्रधानाचार्य सत्य कुमार त्रिपाठी, प्रबंध समिति के नामित सदस्य ओम प्रकाश चौबे, ग्राम सेवा मंडल जूनियर हाई स्कूल नई बस्ती पांडेयपुर के प्रधानाध्यापक संजय कुमार जायसवाल, प्रबंधक गणेश यादव, प्रबंध समिति के नामित सदस्य संजय यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर के प्रबंध समिति के नामित सदस्य प्रेम शंकर लाल श्रीवास्तव, दुर्गेश्वरी पूर्व माध्यमिक विद्यालय असवारी कुआर बाजार के प्रबंधक सभाजीत सिंह, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रौना खुर्द, वाराणसी की सहायक अध्यापिका चित्रा बोस, मंजू कुमार यादव, मीला यादव, पुष्परंजन बालिका शिक्षा निकेतन पांडेयपुर वाराणसी की प्रधानाध्यापिका शीतला, सहायक अध्यापक राकेश, विश्वकर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय रौनाखुर्द बेला वाराणसी के प्रबंधक काशीनाथ विश्वकर्मा को मामले में आरोपी पाया गया। इन सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

निजीकरण के विरोध में 27 लाख बिजली कर्मचारी आज करेंगे सांकेतिक हड़ताल

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में देश भर में 27 लाख बिजली कर्मचारी 9 जुलाई को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इस दौरान बिजली कर्मी राजधानी समेत पूरे प्रदेश में पूरे दिन विरोध-प्रदर्शन करेंगे। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ प्रदेश के एक लाख से अधिक बिजली कर्मी व आउटसोर्स कर्मी शामिल होंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि हड़ताल में बिजली के साथ केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, सरकारी कर्मचारी, निजी कल कारखानों के कर्मचारी भी शामिल होंगे।

होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में भी महिलाओं को मिले वरीयता

महिला सशक्तिकरण में कई जिले फिसड्डी, योगी ने दी हिदायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के समक्ष पेश हुआ डब्ल्यूईई सूचकांक
- लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर
- श्रावस्ती व महोबा में विशेष अभियान चलाने के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती की तर्ज पर होमगार्ड व शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को वरीयता देने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री के समक्ष मंगलवार को डब्ल्यूईई सूचकांक पेश हुआ। इसमें कई जिलों ने जहां प्रगति की, वहीं कई जिले फिसड्डी भी रहे। जिसका संज्ञान लेते हुए योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती, महोबा जैसे जिलों में विशेष अभियान चलाने की हिदायत दी। वहीं, इस सूचकांक में लखनऊ, कानपुर और वाराणसी शीर्ष पर रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एक बैठक में महिला आर्थिक सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईई इंडेक्स) की प्रस्तुति की गई। यह सूचकांक योजना विभाग द्वारा उदयती फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि राज्य की योजनाओं और कार्यक्रमों से महिलाओं को कितना लाभ मिल रहा है, इसका सटीक मूल्यांकन किया जा सके और सुधार के लिए दिशा तय की जा सके।

इस सूचकांक में पांच प्रमुख विषयों, उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा और कौशल, आजीविका तथा सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी सुविधाओं के आधार पर प्रदेश के सभी 75 जिलों का मूल्यांकन किया गया है। यह सूचकांक यह बताता है कि किस जिले में महिलाओं को योजनाओं का लाभ मिला और कहां अभी और प्रयासों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सूचकांक मुख्यमंत्री नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाए और सभी संबंधित विभाग इसे नीति निर्माण और निगरानी के एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में अपनाएं। प्रत्येक विभाग को निर्देशित किया गया कि वे इस सूचकांक के आधार पर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए ठोस कार्य योजनाएं बनाएं। जिलों को भी सूचकांक के अनुसार अपनी रणनीति तय करनी होगी ताकि स्थानीय स्तर पर योजनाओं का प्रभाव अधिक हो सके।

प्रस्तुति में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं में कुछ जिलों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि कुछ जिलों में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। उदाहरण के लिए, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी जैसे जिलों में योजनाओं का लाभ महिलाओं तक बेहतर ढंग से पहुंचा है, जबकि श्रावस्ती, संभल, महोबा, बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों में विशेष प्रयासों की आवश्यकता महसूस की गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में अभी तक महिलाओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया है, वहां विशेष प्रयत्न किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि होमगार्ड एवं शिक्षकों की नई भर्तियों में पुलिस भर्ती की तर्ज पर महिलाओं को वरीयता दी जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सेवाक्षेत्र से जुड़ी शिक्षा में महिलाओं को आगे लाने के लिए पैरामेडिकल संस्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सूचकांक केवल रिपोर्ट नहीं, इसे कार्य का आधार बनाएं

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे इस सूचकांक को केवल रिपोर्ट मानकर न छोड़ें, बल्कि इसे कार्य का आधार बनाएं और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की महिलाएं यदि योजनाओं की मूल शक्ति बनेंगी, तभी समाज और राज्य की समग्र प्रगति सुनिश्चित हो सकेगी।

18 मंडलों में आज लगाए जाएंगे 37 करोड़ पौधे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक रचेंगे इतिहास
- अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे मुख्यमंत्री
- राज्यपाल आनंदी बेन बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में करेंगे पौधरोपण

अमृत विचार : राज्य के 18 मंडलों में 26 सरकारी विभाग, 25 करोड़ नागरिक बुधवार को 37 करोड़ पौधे लगाकर एक नया इतिहास रचेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर अयोध्या व आजमगढ़ में पौधरोपण कर महाभियान की शुरुआत करेंगे। जबकि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इससे पहले मंगलवार को नोडल अधिकारियों ने इस महाअभियान की व्यवस्था परखी और वन विभाग के अधिकारियों संग इसे अंतिम रूप भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम 2.0 थीम पर प्रदेश में 9 जुलाई बुधवार को एक दिन में 37 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। मुख्यमंत्री अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण महाभियान-2025 की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस अभियान के लिए नर्सरियों व अन्य स्थानों पर 52.43 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी मंत्री जिलों में रहकर पौधरोपण करेंगे।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मेरठ व ब्रजेश पाठक लखनऊ में पौधरोपण करेंगे। इसके अतिरिक्त सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री जिलों में पहुंचकर एक पेड़ मां के नाम लगाएंगे। इसके अलावा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व राज्यमंत्री भी विभिन्न जिलों में जाकर पौधरोपण कराएंगे।

नोडल अफसरों की हुई तैनाती

अमृत विचार : पौधरोपण महाभियान को सफल बनाने के लिए शासन से नामित नोडल अधिकारियों की सभी 75 जिलों में मंगलवार से ही तैनाती कर दी गई। इस क्रम में पेयजल मिशन ग्रामीण के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर को वाराणसी, प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज को प्रयागराज, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद को जौनपुर, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की सचिव डॉ. पिंकी जोवेल को मीरजापुर और सिंचाई विभाग के सचिव जीएस नवीन को आजमगढ़ को नोडल अफसर बनाया गया है। सचिव बेसिक शिक्षा सारिका मोहन को बाराबंकी, सचिव खेल सुहास एलवाई को गोरखपुर, स्कूल शिक्षा की महानिदेशक कंचन वर्मा को गोंडा, प्रमुख सचिव सिंचाई व जल संसाधन अनिल गर्ग को अयोध्या, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को लखनऊ, आवास आयुक्त बलकार सिंह को मेरठ, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात को गाजियाबाद तथा प्रमुख सचिव पर्यटन-संस्कृति मुकेश मेश्राम को नोएडा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ अन्य सभी जिलों में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

यूपी में नागपुर जैसा केंद्र बना रही आरएसएस : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि आरएसएस उत्तर प्रदेश में नागपुर जैसा केन्द्र बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज में झूठ और नफरत फैलाती है। झूठ फैलाकर विरोधियों को बदनाम करती है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को अखिलेश यादव ने कहा कि हर योजना और काम में भ्रष्टाचार और लूट है।

बच्चों ने सपा प्रमुख को सौंपी गुल्लक की धनराशि

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में मंगलवार को गोरखपुर से आयी कक्षा तीन की 8 वर्षीय बालिका रश्मिका यादव और कक्षा 6 के 11वर्षीय बालक राजेश यादव विक्की ने अपने गुल्लकों की पूरी धनराशि पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भेंट की। अखिलेश यादव ने इन बच्चों की भावनाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इससे पूर्व अखिलेश ने सपा संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव का स्मारक बनाने के लिए जनता से सहयोग की अपील की थी।

शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा आकर्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश में शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर आकर्षण बढ़ रहा है। बीते पांच वर्षों में अभ्यर्थियों की संख्या में चार गुना बढ़ोतरी हुई है। शासन के अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना को नई दिशा दी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां 19,937 अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 84,418 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में यह योजना अब राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) के रूप में ऑनलाइन पोर्टल से संचालित की जा रही है।

परिवहन निगम के चालकों व परिचालकों को मिला बोनस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महाकुंभ ड्यूटी के लिए 24071 कर्मियों के खातों में भेजी गई 24.71 करोड़ की राशि : दयाशंकर

अमृत विचार : महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10 हजार रुपये बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपये (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मचारियों को उनके खातों में भेजी गई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

कांवड़ यात्रा के दौरान 24 घंटे हो बिजली आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में कांवड़ यात्रा की तैयारी की समीक्षा करते नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

- ऊर्जा मंत्री ने नगर विकास व ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए निर्देश

अमृत विचार : नगर विकास व ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्गों, पांडालों व शिविरों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास 24 घंटे बिजली आपूर्ति की सुनिश्चित की जाए। रात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे रात्रि में यात्रा करते हुए श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। ऊर्जा मंत्री मंगलवार को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में नगर विकास व ऊर्जा विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्युत दुर्घटना को रोकने के लिए इन स्थानों पर विद्युत पोल, स्टेवायर व ट्रांसफार्मर में करंट उतरने की समय से जांच कर ली जाए। बीते वर्षों में हुई विद्युत दुर्घटनाओं से सीख लेते हुए लोगों को सजग व जागरूक करें। सड़क को पार कर रही लाइन के नीचे सुरक्षा तार लगाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों पर लगी स्ट्रीट लाइट को ठीक कराया जाए और संपूर्ण मार्ग को गड्ढामुक्त भी किया जाए। श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाये गये पांडालों व शिविरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, मोबाइल ट्वायलेट की व्यवस्था, डस्टबिन और नियमित साफ-सफाई व कूड़ा प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। कांवड़ मार्गों, शिवालयों व मंदिरों के आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था रहे। नियमित रूप से सफाई के लिए कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती की जाए।

आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग कर रहे अखिलेश : स्वतंत्र देव

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। स्वतंत्र देव के मुताबिक, सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई।

वर्ग पहेली-26

बाएं से दाएं

1. जिसका संस्कार हुआ हो।
5. 1. जगमगाने की अवस्था या भाव, दमक 2. प्रकाश में होने वाली चमक, चमचमाहट।
7. 1. वनरक्षक, वनमाली, बागवान, (गार्डनर) 2. माला बनाने वाला व्यक्ति 3. बादल, मेघ 4. बहुत घने जंगलों वाला प्रदेश।

ऊपर से नीचे

1. 1. नाज़ुक 2. जोखिम भरा 3. संकट में फंसा हुआ।
2. विभाजन करने वाला, अलग-अलग हिस्सों में बांटने वाला।
3. 1. धुआं 2. बादल 3. धूमकेतु 4. उल्कापात 5. कोहरा 6. अपच के कारण आने वाली डकार 7. एक ऋषि 8. मकान बनाने के लिए तैयार किया गया स्थान।
4. वह कागज़ जिसपर संपत्ति गिरवी रखने की शर्तें लिखी गई हों।
6. गीदड़ नामक जानवर।

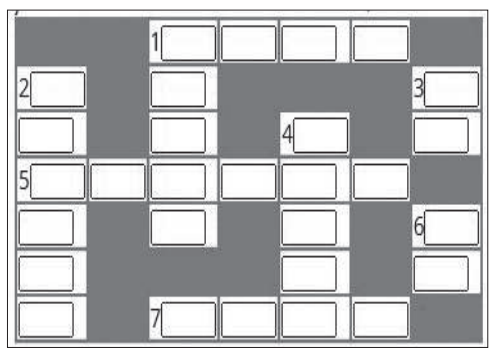

वर्ग पहेली -25 का हल

			1 पु			2 चु		
3 अ	व	स	रा	नु	कू	ल		
व			भि			बु		
पी			ले			ल		
ड़			खा		4 वा			
न		5 ठ	गा	ठ	गी			
	6 दी	ग	र		श			

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी-10 जुलाई 01.36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

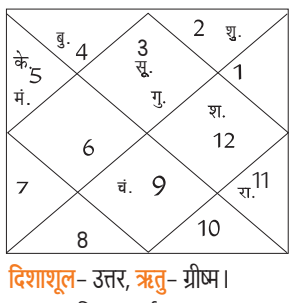

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 10 जुलाई 04.50 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज विवादित मामले उभरने की आशंका है। उधार दिया हुआ धन अटक सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। महिलाओं से अधिक बहसबाजी न करें। जीवनसाथी की सलाह लेना हितकारी होगा।

वृष — आज का दिन कुछ कमजोर हो सकता है। शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। छोटे बच्चों की परेशानियों को हल्के में न लें। पेट में जलन महसूस हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। भाई-बन्धुओं के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। अनावश्यक बातों पर ध्यान न दें। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

सिंह — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। सामाजिक कार्यों में आपका मन लगेगा। तनावों को अपने ऊपर हावी न होने दें। विद्यार्थी आज कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या — आज व्यापार में नया प्रयोग कर सकते हैं। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं। शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। संपत्ति के क्रय-विक्रय से आपको लाभ होगा।

तुला — आज जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनन्द उठायेंगे। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। पिकनिक का विचार बना सकते हैं। सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद मिल सकता है।

वृश्चिक — आज परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। इससे आपके मन का तनाव दूर होगा। जीवन में उन्नति के नये अवसर बनेंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है।

धनु — आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य कम हो सकता है।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिस्थितियों में धीरे-धीरे सुधार आयेगा। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

मीन — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी प्रोजेक्ट्स में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप काफी समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

अमृत विचार
www.amritvichar.com

भावमिच्छति सर्वस्य नाभावे कुरुते मन: ।
सत्यवादी मृदुर्दान्तो य: स उत्तमपूरुष: ॥

जो पुरुष सबका भला चाहता है, किसी को कष्ट में नहीं देखना चाहता, जो सदा सच बोलता है, जो मन का कोमल है और जितेंद्रिय भी, उसे उत्तम पुरुष कहा जाता है।

संपादकीय

डिजिटल इंडिया पहल

किसी सरकारी अभियान की प्रभावशीलता का प्रमाण सार्वजनिक जीवन को बदलने की उसकी क्षमता में निहित है। कहना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हर भारतीय का जीवन आसान बनाना है, ने देश भर में मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया है। मोबाइल कनेक्टिविटी का विस्तार लगभग हर गांव तक हो गया है। अभियान ने एक दशक पूरा कर लिया है। डिजिटल इंडिया न केवल प्रौद्योगिकी को लोगों के करीब लाया है, बल्कि इसने लोगों को अवसर भी प्रदान किए हैं। यह डिजिटल परिदृश्य पर विशाल कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। साथ ही यह समय अभियान की बाधाओं का जायजा लेने का भी है। डिजिटल इंडिया ने एक दशक में शासन को ज्यादा पारदर्शी बनाया है, और विकास व नवाचार के लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल माध्यम से भुगतान करने के आंकड़े का रिकॉर्ड, इंटरनेट के तेज़ी से विस्तार और एआई व सेमीकंडक्टर में अग्रणी पहलों के साथ, भारत ने एक ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम बनाया है जो समावेशी, स्केलेबल और भविष्योन्मुखी है। अप्रैल 2025 में 24.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 1,867.7 करोड़ से अधिक यूपीआई लेन-देन किए गए। यूपीआई अब सात से अधिक देशों में उपयोग किया जा रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है।

इंटरनेट की पहुंच भी बढ़ी है, जो 2014 में 250 मिलियन से बढ़कर दो साल पहले 970 मिलियन से अधिक हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरण - टेलीमेडिसिन-डिजिटल माध्यमों से सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस का विस्तार, अन्य परिवर्तनों के अलावा, भारत के डिजिटल वितरण तंत्र के मूल में बने हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता के मामले में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक ग्रामीण-शहरी विभाजन है। बढ़ती डिजिटल छाप ने साइबर अपराध और अन्य धोखाधड़ी गतिविधियों जैसी चुनौतियों को भी जन्म दिया है। एक अनुमान के अनुसार, भारत वैश्विक साइबर हमलों में दूसरा सबसे अधिक लक्षित देश था, जहां पिछले साल 95 भारतीय संस्थाओं को डेटा चोरी के हमलों का सामना करना पड़ा। ऐसे खतरों के बारे में लोगों की कम जागरूकता चुनौती को और बढ़ा देती है। चिंता का दूसरा क्षेत्र डेटा गोपनीयता है। फिर भी देश विकसित भारत के विजन के तहत आगे बढ़ रहा है। अगला दशक न केवल तीव्र विकास वाला होगा, बल्कि बड़े परिवर्तन वाला भी साबित होने वाला है और प्रौद्योगिकी एक मज़बूत, स्मार्ट और अधिक आत्मनिर्भर भारत की आधार बनेगी।

शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए।

पिछले एक दशक में 25 हजार करोड़ बस इस बात के लिए खर्च किए गए कि देश के प्रगति के प्रतिमान कहलाने वाले शहर बरसात में दरिया न बन जाएं। लेकिन हालत बदले नहीं। मौसम की बरसात के शुरुआत में ही दरिया बन गए और जो समाज कुछ दिनों पहले तक नालों में पानी की एक एक बंद के त्राहि त्राहि कर रहा था, अपने गली-मुहल्लों में गर्दन तक पानी में डूब गया। कोई भी नाम लें, दिल्ली या खुर्जा, पलवल या चंडीगढ़, नागपूर या भोपाल, कानपुर या पटना, बंगलूरू या हैदराबाद या चेन्नई, जो चौड़ी सड़कें या फ्लाई ओवर यातायात को फर्राटे से निकालने के लिए बने हैं वहां मीलों तक वाहनों का जाम हो जाता है। यह रोग अब महानगरों में ही नहीं जिला स्तर के नगरों में भी आम है। चूंकि बरसात के दिन कम हो रहे हैं, सो लोग इसे अस्थाई दिक्कत मान कर बिसरा देते। लेकिन जान लें कि अब हमारा देश भी शहरीकरण की ओर अग्रसर है उसके चलते जल्द ही जलभराव गंभीर समस्या का रूप ले लेगा।

पिछले साल बजट सत्र के आखिरी दिनों में यह बात संसद में स्वीकार की गई थी कि केंद्र सरकार बारिश के पानी की निकासी के लिए शहरों पर बीते 10 वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। इसके बावजूद हर बारिश के दौरान शहरों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं और पानी उतरने में घंटों लगते हैं। दुखद है कि देश वे 100 शहर जिन्हें स्मार्ट सिटी घोषित कर दिया गया, पहले से अधिक डूब रहे हैं। सरकार कहती है जुलाई 2024 तक, 100 शहरों ने स्मार्ट सिटी मिशन के हिस्से के रूप में 1,44,237 करोड़ रुपये की राशि की 7,188 परियोजनाएं (कुल प्रोजेक्ट का 90 प्रतिशत) पूरी कर ली हैं। 19,926 करोड़ रुपये की राशि की शेष 830 परियोजनाएं भी पूरा होने के अंतिम चरण में हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश के 35 शहरों में बाढ़ की समस्या के निपटने के लिए 1,005 करोड़ रुपए के 87 प्रोजेक्ट बनाए गए। इतना ही नहीं, 100 स्मार्ट सिटी में से 97 शहरों में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज में सुधार के लिए

603 प्रोजेक्ट बनाकर 21,182 करोड़ रुपए खर्च हुए। इनमें सूरत में 200 करोड़ रुपए, लखनऊ में 197 करोड़ रुपए, चेन्नई में 117 करोड़ रुपए, फरीदाबाद में 38 करोड़ रुपए, कोच्चि में 30 करोड़ रुपए, जबलपुर में 58 करोड़ रुपए, चंडीगढ़ में 14 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। खाने की जरूरत नहीं कि ये सभी शहर बरसात में जलभराव के कारण ठप्प हुए।

शहरीकरण आधुनिकता की हकीकत है और पलायन इसका मूल, लेकिन नियोजित शहरीकरण ही विकास का पैमाना है। गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है। विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनाधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक ना तो नालियां बनीं या सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना का एक शोध बताता कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती है। शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है।

शहरों में बाढ़ का सबसे बड़ा कारण तो यहां के प्राकृतिक नदी-नालों, तालाब-जोहड़ों और उन तक पानी लाने वाले मार्ग पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई ना होना है। लेकिन इससे बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े का भंडार व उसके निबटान की माकूल व्यवस्था ना होना। जाहिर है कि बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है। महानगरों में भूमिगत सीवर जल भराव का सबसे बड़ा कारण हैं। जब हम भूमिगत सीवर के लायक संस्कार नहीं सीख पा रहे हैं तो फिर खुले नालों से अपना काम क्यों नहीं चला पा रहे हैं?

एक बात और बंगलूरू या हैदराबाद या दिल्ली में जिन इलाकों में पानी भरता है यदि वहां की कुछ दशक पुरानी जमीनी संरचना का रिकार्ड उठा कर देखें तो पाएंगे कि वहां पर कभी कोई तालाब, जोहड़ या प्राकृतिक नाला था। अब पानी के प्राकृतिक बहाव के स्थान पर सड़क या कालोनी रोपी गई है तो पानी भी तो धरती पर अपने हक की जमीन चाहता है? ना मिलने पर वह अपने पुराने स्थानों की ओर रूख करता है। मुंबई में मीठी नदी के उथले होने और सीवर की 50 साल पुरानी सीवर व्यवस्था के जर्जर होने के कारण बाढ़ के हालात बनना सरकारें स्वीकार करती रही है। बंगलूरू में पारंपरिक तालाबों के मूल स्वरूप में अवांछित छेड़छाड़ को बाढ़ का कारक माना जाता है। शहरों में बाढ़ रोकने के लिए सबसे पहला काम तो वहां के पारंपरिक जल स्रोतों में पानी की आवक और निकासी के पुराने रास्तों में बन गए स्थाई निर्माणों को हटाने का करना होगा । यदि किसी पहाड़ी से पानी नीचे बह कर आ रहा है तो उसका संकलन किसी तालाब में ही होगा। विडंबना है कि ऐसे जोहड़-तालाब कंक्रीट की नदियों में खो गए हैं। परिणामतः थोड़ी ही बारिश में पानी कहीं बहने को बहकने लगता है।

शहरीकरण व वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय जलवायु परिवर्तन की त्रासदी पर भी गौर करना होगा। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है और इसकी की दुखद परिणति है-मौसमों का चरम। गरमी में भयंकर गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी पानी बरस जाना।

महानगरों में बाढ़ का मतलब है परिवहन और लोगों का आवागमन ठप होना। इस जाम के ईंधन की बर्बादी, प्रदूशण स्तर में वृद्धि और मानवीय स्वभाव में उग्रता जैसे कई दीर्घगामी दुष्परिणाम होते हैं। इसका स्थाई निदान तलाशने के विपरीत जब कहीं शहरों में बाढ़ आती है तो सरकार का पहला और अंतिम कदम राहत कार्य लगाना होता है, जोकि तात्कालिक सहानुभूतिदायक तो होता है, लेकिन बाढ़ के कारणों पर स्थाई रूप से रोक लगाने में अक्षम होता है। जल भराव और बाढ़ मानवजन्य समस्याएं हैं और इसका निदान दूरगामी योजनाओं से संभव है, यह बात शहरी नियोजनकर्ताओं को भलींभांति जान लेना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भविष्य की योजनाएं बनाना चाहिए।

शहर को डूबने से बचाना है तो कूड़ा कम करने, पॉलीथिन पर पाबंदी, सीवरों की ईमानदारी से नियमित सफाई जरूरी है। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानि कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। जलभराव वाली जगहों भूजल रिचार्ज के प्रयास हों। प्राकृतिक जलाशयों, नदियों को उनके मूल स्वरूप में रखने तथा उसके जलग्रहण क्षेत्र को किसी भी किस्म में निर्माण ना हों।

प्रसंगवश

सड़क हादसों पर गंभीर चर्चा जरूरी

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस बात को स्वीकार किया है कि देश में हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान चली जाती है। एसोसिएशन ऑफ कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स के कार्यक्रम में उन्होंने ब्लाइंड स्पॉट में सुधार पर जोर देते हुए कहा कि डीपीआर तैयार करने में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। इसके अलावा खराब इंजीनियरिंग पर ध्यान देने की जरूरत है, जिस पर अमूमन ध्यान नहीं दिया जाता या बहुत कम दिया जाता है। गडकरी की यह बात इस ओर इशारा है कि हमें सड़क हादसों पर दुर्घटना के बाद भी बात करने की जरूरत है, जो कि होती नहीं है। हमें इस पर विस्तार से चर्चा करनी होगी।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

असल में जब भी कोई सड़क हादसा होता है, तो हम कितने मरे और कितने घायल की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ लेते हैं। तेज गति और गलत तरीके से वाहन चलाने को सड़क हादसे का जिम्मेदार बताकर बाकी सभी कामों की इतिश्री कर ली जाती है। कभी भी सड़क हादसे के त्वरित कारणों के अलावा विस्तार से चर्चा नहीं होती?

सड़क हादसों पर जहां एक ओर मीडिया की रिपोर्टिंग सीमित है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली भी हादसे के बाद वाहन का चालान काटने और दुर्घटना होने पर उसे सीज करने तक ही काम करती है। हादसे की विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच तक किसी का ध्यान नहीं जाता। हमारे देश में बिचौलियों को पैसे देकर ड्राइविंग लाइसेंस बन जाता है, जबकि विदेशों में लाइसेंस के लिए बहुत कठोर टेस्ट देना पड़ता है। जापान में कार खरीदने से पहले पार्किंग की जगह होने का सर्टिफिकेट देना जरूरी है, लेकिन भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल बड़ी संख्या में होने वाले सड़क हादसों के प्रमुख कारण खराब सड़कें और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरुकता की कमी है। इसके अलावा, सही समय पर घायलों को अस्पताल नहीं पहुंचा पाना भी मौत के आंकड़े में बढ़ोतरी का बड़ा कारण है। विशेषज्ञ कहते हैं कि सरकारी प्रयासों के धरातल पर परिणाम नजर नहीं आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता के प्रयासों में तेजी लाने की दरकार है। हालांकि विशेषज्ञों की सलाह पर बहुत गंभीरता से काम किया गया हो, ऐसा कभी देखने में नहीं आया है। अगर उनकी सलाह पर काम होता, तो सड़क हादसों में निश्चित तौर पर कमी आती। लोगों की लापरवाही पर तो फिर भी चर्चा हो जाती है, लेकिन सड़कों की खराब डीपीआर और खराब इंजीनियरिंग पर तो कभी चर्चा ही नहीं होती। इस पर गंभीरता से बातचीत करना समय की दरकार है।

सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह यह भी है कि ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन न होना और आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस मिलना। वहीं नशे की आदत इतनी बढ़ चुकी है कि कई बार गाड़ियों की भीड़ के कारण नहीं, बल्कि चालक की होश में ना होने की स्थिति के कारण हादसा हो जाता है। कुछ गाड़ी चलाने वालों में अधीरता इतनी होती है कि वे दूसरों से पहले निकलने की जल्दी में टक्कर मारते हुए निकल जाते हैं। कहीं-कहीं पर रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाते हैं, लेकिन उनके बनाने का कोई मानक नहीं होता है। कई बार जहां पर आवश्यकता होती है, वहां पर नहीं बनते और अनावश्यक जगहों पर मानक हीन स्पीड ब्रेकर बना दिए जाते हैं, इसलिए ऐसे स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन जाते हैं। इन सभी वजहों पर चर्चा होना आवश्यक है, लेकिन उम्मीदों के अनुरूप होती नहीं है।

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए उन पर विस्तार से बात करने की जरूरत है। उनके कारणों का हमें गंभीरता से पता लगाना होगा। हादसे में एक व्यक्ति का खत्म होना केवल उस आदमी का जाना नहीं होता, बल्कि एक परिवार का बिखर जाना होता है। हमें इन बिखरे परिवारों को संभालने के लिए और उन तक हर संभव सरकारी और निजी सहायता पहुंचाने के लिए प्रयास करना होगा। यह तभी संभव है, जब सड़क हादसा होने के बाद भी विस्तार से चर्चा की जाए और हमें ऐसा करना ही होगा।

विमानन क्षेत्र में समीक्षा-सुधार की दरकार

हाल ही में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर बोइंग विमान से जुड़ी एक घटना ने वैश्विक विमानन उद्योग, विशेषकर बोइंग की विश्वसनीयता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना न केवल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि तकनीकी दिग्गज बोइंग के विमान लगातार दुर्घटनाओं के घेरे में क्यों आते जा रहे हैं। बोइंग विमान को लेकर उठ रहे प्रश्न केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण विमानन प्रणाली, उसकी निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करते हैं। अहमदाबाद जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि अब केवल ब्रांड पर भरोसा करने का समय नहीं रहा।

हाल ही के वर्षों में बोइंग विमानों से जुड़ी कई गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। अकेले 2018 से 2025 के बीच बोइंग विमानों की दुर्घटनाओं में लगभग 9000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें से कई मामलों में तकनीकी खामियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिका, इंडोनेशिया, इथियोपिया सहित कई देशों में बोइंग 737 मैक्स विमान दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। इन हादसों में सैकड़ों लोगों की जान गई और इन विमानों को कई देशों में अस्थाई रूप से उड़ानों से हटा दिया गया। 2024-2025 में भी बोइंग के विमानों में दरवाजे उखड़ने, फ्यूल लीक, एयर प्रेशर फेल होने जैसी घटनाएं सामने आईं।

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है। बार-बार की दुर्घटनाएं दर्शाती हैं कि या तो मैन्युफैक्चरिंग में चूक है या गुणवत्ता नियंत्रण में लापरवाही। बोइंग जैसी

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

जब विश्व की अग्रणी विमान निर्माता कंपनी के विमान बार-बार तकनीकी खामियों का शिकार हो रहे हों, तो यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

कंपनी से यह अपेक्षित नहीं है। संघीय विमानन प्रशासन और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विमानन निगरानी संस्थाओं की भूमिका भी सवालों के घेरे में आती है कि उन्होंने ऐसे विमानों को उड़ान की अनुमति कैसे दी? बोइंग पर यह भी आरोप लगे हैं कि उसने प्रतिस्पर्धा में एयरबस से आगे निकलने के प्रयास में सुरक्षा के मानकों की अनदेखी की।

कंपनी के विमानों की छवि हाल के वर्षों में गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिका की विमान निर्माता कंपनी बोइंग विश्व की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में से एक है, लेकिन हाल ही में आधुनिक तकनीक और वैश्विक हवाई यात्रा में क्रांति लाने वाले बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने न केवल यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्न खड़े किए हैं, बल्कि विमानन उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी संदेह उत्पन्न किया है। आज जब हवाई यात्रा आम नागरिक की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है, ऐसे में बोइंग विमानों से जुड़ी दुर्घटनाएं केवल तकनीकी मुद्दा नहीं रह जातीं, बल्कि यह जन-जीवन, वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और यात्रियों के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत प्रासंगिक विषय बन जाता है।

भारत जैसे देश में अहमदाबाद की घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है। यदि ऐसे विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में नियमित रूप से उड़ान भरते हैं, तो यात्रियों की जान के साथ बड़ा जोखिम हो सकता है। भारत सरकार, नागरिक विमानन महानिदेशालय और एयरलाइंस को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। बोइंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड की पहचान केवल उसके विमानों की संख्या या तकनीकी नवाचार से नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की मजबूती से तय होती है। यदि सुरक्षा को मुनाफे की दौड़ में पीछे छोड़ा गया, तो यह पूरे विमानन उद्योग को हिला सकता है। संघीय विमानन प्रशासन, नागरिक विमानन महानिदेशालय जैसी एजेंसियों को सिर्फ सर्टिफिकेशन तक सीमित न रखकर, रियल-टाइम गुणवत्ता ऑडिट्स लागू करने की जरूरत है, ताकि संभावित त्रुटियों का पता पहले से लगाया जा सके।

भारत जैसे देश जो बोइंग के विमानों का व्यापक उपयोग करते हैं, उन्हें भी आंख मूंदकर कंपनियों पर भरोसा करने की बजाय स्थानीय टेस्टिंग, एयरवर्दिनेस रिपोर्ट और इन्वेस्टिगेशन सिस्टम को मजबूत करना होगा। अहमदाबाद जैसे मामलों को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। नागरिक विमानन महानिदेशालय को चाहिए कि वह बोइंग विमानों की संपूर्ण सुरक्षा समीक्षा करवाए, पुराने मॉडलों की तत्काल जांच कराए और एयरलाइंस को यह निर्देश दे कि किसी भी तकनीकी संदिग्ध विमान को उड़ान से पहले दोबारा जांचा जाए। बोइंग को चाहिए कि वह पारदर्शी रूप से अपने उत्पादों में खामी स्वीकार करे, यात्रियों की सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर रिकॉल और सुधार की रणनीति बनाए और यह विश्वास बहाल करे कि उसका हर विमान उड़ान के लिए 100 फीसदी सुरक्षित है।

सोशल फोरम

कैसे बने रिश्ता

जो आज अच्छा लग रहा, वह कल बुरा भी लगेगा। यह इंसानी फ़ितरत है। मुझसे कोई कहता है कि मैं आपका शागिर्द हूं। तो एक सवाल मेरी आंखों में तैरता है, कब तक, तुम्हें जो मुझमें आज अच्छा लग रहा, वह कल नही लगेगा, तब...

जब कोई बहुत ज़िद करता है कि नहीं हम तो शागिर्द हैं आपके, तब मेरा अगला सवाल होता है कि क्या मुझसे मिलने के बाद तुम्हें बुराई बुरी और अच्छाई अच्छी लगने लगी है। क्योंकि यह शऊर ही अगर तुममे न आया, तो काहे के हम उस्ताद और कैसे तुम शागिर्द ।

हालांकि शागिर्द से तो मैं यही कहता हूं कि हर वक्त हालत ए इश्क़ में रहो। इल्म हासिल करने की दौड़ में मत रहो। इल्म ऐसे पैदा करो, जैसे किसी फूल में खुशबू। कोई उस्ताद तुम्हें महका नहीं सकता, महकने का रास्ता बता सकता है। मगर महकना तो तुम्हें है।

सूफ़ियों में तरबियत निबंध लिखकर नहीं दी जाती। ज़िन्दगी के फ़लसफ़े, ज़िन्दगी जीकर समझाए जाते हैं। हम तो उस उस्ताद को बेहतरीन मानते हैं, जो अपने शागिर्द को ग़म का ज़ायक़ा दिला दे। ग़म हमारी रूह की चमक की गवाही है, जबकि खुशी हमारे जिस्म का हिस्सा है।

हफीज किदवई
लेखक

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता। शागिर्द को इश्क़ करना ज़रूरी है तो उस्ताद का आशिक़ होना मगर मतलब की दुनिया में मतलब के उस्ताद भी रोज़ बनते हैं और शागिर्द भी....

-फेसबुक वॉल से

तरस जाते हैं कि कोई आए और कहे, हमें कमाना नहीं है। हमें भीतर झांकना है। हमें हमारे अंदर का सफर करना है। मगर देखिए, हर एक मिलता है कि कैसे बाहर के सफ़र के ऐसे निशान छोड़ें कि दुनिया उन्हें सलाम करे, फिर कैसे बने उस्ताद और शागिर्द का रिश्ता।

शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता से ही होगा अंधविश्वासों का खात्मा

आज विज्ञान और तकनीक का युग है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का प्रयोग किया जा रहा है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में भी भारतीय समाज में कहीं न कहीं अंधविश्वास की जड़ें कम गहरी नहीं हैं। आज जरूरत इस बात की है कि अंधविश्वास की इन जड़ों को समूल नष्ट किया जाए। वास्तव में अंधविश्वास, अज्ञानता, डर, या तर्कहीन विश्वासों पर आधारित एक विश्वास या प्रथा है। यह अक्सर अलौकिक शक्तियों, भाग्य, या कुछ कार्यों या वस्तुओं के शुभ या अशुभ प्रभावों में विश्वास से जुड़ा होता है। अंधविश्वास किसी तर्क या प्रमाण पर आधारित नहीं होते हैं, बल्कि ये अक्सर मान्यताओं, परंपराओं, या व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये अक्सर परंपराओं और रीति-रिवाजों से जुड़े होते हैं, जिनका पालन बिना किसी तर्क या प्रमाण के किया जाता है।

हाल ही में अंधविश्वास के चक्कर में बिहार में परिवार के पांच लोगों की हत्या की खबरें मीडिया की सुर्खियों में आईं थीं। अंधविश्वास के कारण हैवानों ने पति-पत्नी और बच्चों को मार डाला। इसी प्रकार से आजमगढ़ में पुत्र की चाहत में एक महिला अंधिविश्वास की भेंट चढ़ गई। परिजनों का आरोप है कि तांत्रिक ने झांड़फूंक के नाम पर नाले का गंदा पानी पिलाया जिससे उसकी मौत

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं।

हुई। इतना ही नहीं, मध्यप्रदेश के एक गांव में देवस्थान के चबूतरे पर नरबलि देने का मामला भी सामने आया है। इसी प्रकार से कुछ समय पहले महाराष्ट्र के अमरावती जिले में अंधविश्वास की वजह से मासूम बच्चे के साथ दरिंदगी की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। जानकारी के अनुसार यहां एक महिला ने 10 दिन की नवजात बच्ची को पेट दर्द से राहत दिलाने के नाम पर उसे गर्म लोहे की छड़ से दाग दिया। दरअसल अंधविश्वास 'आत्मज्ञान' के अभाव में पनपता है, व्यक्ति को ज्ञान का अभाव होता है।

यह देखा गया है बहुत बार हमारी आस्था ही अंधविश्वास में बदल जाती है। दुखद है कि टोनो टोटको के चक्कर में हम जीवन को दांव पर लगा देते हैं और जीवन में बदलाव की या चमत्कार की उम्मीद करने लगते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि आस्था, ईश्वर की तरह ही असीम है, अनादि है, अनंत है। शिक्षा की कमी, परंपरा और सामाजिक दबाव अंधविश्वास के प्रमुख कारण हैं। वास्तव में आज वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की जरूरत है। अज्ञात, बीमारी, या मृत्यु का भय अंधविश्वास को जन्म दे सकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वासी प्रथाओं और उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना आज के समय में बहुत ही महत्वपूर्ण व जरूरी है। सच तो यह है कि हमें हमेशा सत्य की खोज करनी चाहिए और अंधविश्वासों पर कभी भी आंख मूंदकर विश्वास नहीं करना चाहिए। यह ठीक है कि आज शिक्षा व तकनीक दोनों क्षेत्रों में प्रगति के कारण हमारे समाज के लोग अंधविश्वास की छाया से निकलने लगे हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना बाकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि अंधविश्वास आज भी एक जटिल समस्या है जिसके कई कारण और निवारण हैं। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और जागरूकता बढ़ाकर, हम अंधविश्वासों को दूर करने और एक अधिक तर्कसंगत और वैज्ञानिक समाज बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। हमारे देश में आज अंधविश्वास की रोकथाम के लिए दंडात्मक प्रावधान हैं, लेकिन बावजूद इसके बहुत से पाखंडी लोग, तांत्रिक इस दिशा में सक्रिय हैं। पाखंड व अंधविश्वास का सहारा लेकर ऐसे लोग अपने चूल्हे के नीचे आंच सरकाते हैं और लोगों को बरगलाते हैं। अंधविश्वास समाज को अंदर ही अंदर से खोखला व बर्बाद कर देता है, इसलिए इस पर रोक बहुत आवश्यक है। याद रखिए कि अंधविश्वास हमारी संस्कृति की धरोहर नहीं हैं, जैसा कि अक्सर ऐसा समझा जाता है। अंधविश्वास की असली जड़ भूत-प्रेत का डर, जादू-टोने होने का डर, प्रेम-विवाह, व्यापार-नौकरी में असफलता का डर और दुर्भाग्य घटित होने का डर है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं होता है। तांत्रिक उपायों से न तो सफलता मिलती है, न ही कोई बीमारी ठीक होती है, न ही पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है, न ही कोई काम बनते हैं,यह कटु सत्य है। परेशानियां और दुःख कभी भी टोनो-टोटको से ठीक नहीं होते। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में शिक्षित कहे जाने वाले लोग भी तांत्रिकों, पाखंडियों के चक्कर में आखिर क्यों आने लगे हैं, यह समझ से परे की बात है। अंधविश्वास को खत्म करने के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, और जागरूकता फैलाना ज़रूरी है। याद रखिए कि वैज्ञानिक सोच लोगों को घटनाओं को तर्कसंगत रूप से देखने और उनके पीछे के कारणों को समझने में मदद करती है। इसके अलावा कानून को भी सख्त बनाने की आवश्यकता है। तभी हम वास्तव में हम अपने समाज और देश से अंधविश्वासों का खात्मा कर पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण को मिली हरी झंडी

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की मंजूरी से गांवों में हलचल तेज
- हाईवे निर्माण के चिह्नित किए गए गांवों के किसानों खुशी की लहर

अमृत विचार। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की स्वीकृति मिलने के बाद प्रभावित गांवों के किसानों के मध्य हलचल तेज हो गई है। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाईवे सदर एवं मौदहा तहसील के गांव के मध्य से गुजारा जाएगा। इसके लिए जमीन का चिन्हीकरण करके नंबरिंग का कार्य एनएचएआई पूर्ण कर चुकी है। स्वीकृत के बाद दो माह में किसानों की जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है।

एनएचएआई ने सदर तहसील के गांव रमेडी डांडा, मंझूपुर डांडा एवं दरिया, चंदौली तीर, हेलापुर डांडा, कलौलीतीर, कीरतपुर, बरदहा सहजना दरिया, पारा ओझी, कुछेछा, महमूदपुर, पौथिया, दरियापुर, कुंडौरा, भकौल मौजा, रगौरा मौजा, बांकी, अमिरता, सुमेरपुर ग्रामीण, बबीना मौजा, बिलहडी, बांक, पलरा, इंगोहटा, विदोखर पुरई, विदोखर मेंदनी के मौजे से गुजारने का चिन्हीकरण किया है। इसी तरह मौदहा तहसील के अछरेला, बहरेला, रोहारी, पिपरौंदा, सिलौली, रतवा, भमौरा, नरायच, कुसमेला, गहबरा, भवानी, चमर खन्ना, लरौंद, मकरांव, रतौली, किशनपुर, चकदहा, गडरिया खेड़ा मौजे से गुजरकर यह महोबा जनपद की सीमा में प्रवेश करेगा। इस हाईवे से राठ हमीरपुर मार्ग, सुमेरपुर बांकी मार्ग, इंगोहटा छानी मार्ग, मौदहा पाटनपुर मार्ग, मौदहा बिवांर मार्ग, मौदहा मुस्करा मार्ग को जोड़कर विकास को गति देने का कार्य किया जाएगा। गांवों के मध्य से गुजरने वाले इस ग्रीन फील्ड हाईवे के बनने के बाद सदर एवं मौदहा तहसील के उक्त गांवों के विकास की उम्मीद बढ़ी है। ग्रामीणों का मानना है कि हाईवे के बनने के बाद गांव में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हाईवे बनने से कृषि क्षेत्र में भी व्यापारिक अवसर मिलेंगे। इससे यहां का उत्पादन बढ़ेगा। इसके बनने से सबसे बड़ा फायदा कस्बे की उद्योग नगरी को मिलेगा। लखनऊ से सीधे मुंबई तक आवागमन सुगम होने के कारण यहां के उद्योगों के विकास की गति मिलेगी। इसके अलावा महोबा जनपद के स्टोन उद्योग तथा हमीरपुर के बालू खनन उद्योग को भी गति मिलेगी और सरकार के राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

हत्या और हादसे में उलझा युवक की मौत का मामला

संवाददाता, बिवांर

- बिवांर थाना क्षेत्र के करगांव में खेत पर मिला था शव
- परिजनों ने इस मामले में अभी तक नहीं दी कोई तहरीर

अमृत विचार। संदिग्ध अवस्था में खेत पर मिले शव का मामला हत्या और हादसा में उलझकर रह गया है। शव का मंगलवार को पोस्टमार्टम होने के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। इस मामले में परिजनों ने अभी तक तहरीर नहीं दी है।

थाना क्षेत्र के करगांव गांव निवासी सुरेश (48) पुत्र लल्लू वर्मा सोमवार को मृत अवस्था में कौशलेंद्र पालीवाल के खेत में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। भैंस चराने के लिए लेकर गए बड़े भाई संतोष ने उसको मृत अवस्था में पड़े देखकर परिजनों सहित पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था।

इस मामले में मौदहा सीओ विनीता पहल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत करंट लगने से प्रतीत होती है। वहीं मृतक के भाई ने बताया कि उसके सिर चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे मृतक हादसे का शिकार प्रतीत नहीं होता है। एसआई विजय बहादुर ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। परिजनों ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है।

छात्राओं के साथ छींटाकशी विरोध पर छात्रों की पिटाई

कॉलेज से घर लौटते समय पंधरी गांव में शराबियों की करतूत, छात्रों में बढ़ रहा गुस्सा

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

- दोबारा पीटने की धमकी देने पर छात्र सुमेरपुर थाने पहुंचे
- पुलिस ने गंभीरता से लेने के बजाय छात्रों को ही डपटा

मंगलवार को सुमेरपुर थाने में शिकायत करने पहुंचे पीड़ित छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार। कॉलेज से घर लौट रही छात्राओं को पंधरी गांव में शराबियों ने रोक कर अश्लील टिप्पणी करते हुए शराब पीने का ऑफर दिया। पीछे चल रहे गांव के छात्रों ने विरोध किया तो शराबियों ने उनके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट की। मंगलवार की सुबह कॉलेज जाते समय छात्रों को शराबियों ने रोककर वापसी में मारपीट करने की धमकी दी। इससे सहमे छात्रों ने पुलिस को तहरीर सौंप कर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेने की बजाय छात्रों को डपटकर भगा दिया।

बदनपुर के कुछ छात्र-छात्राएं कस्बे के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के अलावा श्री गायत्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में पढ़ते हैं। छात्र-छात्राएं रोजाना साइकिल से आते-जाते हैं। छात्रों ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद छुट्टी होने पर वे गांव लौट रहे थे, तभी पंधरी गांव के पास कुछ युवक ठेका के पास बैठे शराब पी रहे थे। शराबियों ने छात्राओं को शराब पीने का ऑफर देते हुए छींटाकशी की। पीछे से आ रहे छात्रों ने विरोध किया, तो गालीगलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की।

छात्रों का कहना है कि मंगलवार को जब वे लोग स्कूल आ रहे थे, तब शराबियों ने उन्हें फिर रोका और वापस आने पर मारपीट करने की धमकी दी। इससे सहमे छात्र रवि, रामधुन, अंशु, लवकुश, अंशु कुमार, राजा, पीयूष आदि ने थाने पहुंचकर शराबियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी, लेकिन पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेने के बजाय छात्रों को थाने से डपट कर भगा दिया। इससे छात्रों में भय और रोष व्याप्त है। हालांकि थानाध्यक्ष अनूप सिंह का कहना है कि शिकायत मिली है। जांच के लिए पुलिस को गांव भेजा गया है। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नशेबाज बाइकर्स ने पांच लोगों को मारी टक्कर

मौदहा। कस्बे में नशेबाज बाइकर्स ने पांच युवकों को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। रहमानिया कॉलेज के पास कांशीराम कालोनी छिमौली रोड निवासी सुमित और अजय अनुरागी ने शराब के नशे में बाइक से एक के बाद एक कई बाइकों को टक्कर मारी, जिसमें हैदरिया निवासी जुनैद, काशिफ और कैफ के साथ सुमित और अजय गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पीआरवी और मोहल्ले वालों ने सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है। सभी को गंभीर चोंटे बताई जा रही हैं। नगर पालिका अध्यक्ष रजा मोहम्मद, सभासद वसी अहमद ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। बाइक सवार शराब के नशे में बताए जा रहे हैं। उनकी जेब में शराब के क्वार्टर भी मिले हैं।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

राठ। चिकासी थाने के रहंक बम्बी के पास सड़क किनारे खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे एक अधेड़ किसान को तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। बाइक की टक्कर से किसान की गंभीर रूप से घायल हो गया। उरई में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

रहंक निवासी नाथूराम खंगार (58) मंगलवार की दोपहर 12 बजे रिश्तेदारी में उरई जाने के लिए रहंक बम्बी पर खड़ा था। इसी बीच राठ की ओर से आई तेज रफ्तार बाइक ने नाथूराम को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। वहां मौजूद लोग इलाज के लिए सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। उरई मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान नाथूराम की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि नाथूराम के नाम करीब सात बीघा कृषि भूमि थी, जिसमें खेती कर वह परिवार का भरण पोषण करता था। जो कि अपने पीछे पत्नी शकुंतला देवी के अलावा इकलौते पुत्र नरेश और पुत्री रिंकी और पिंकी सहित अन्य सभी परिजनों को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। चिकासी थानाध्यक्ष ने बताया मामले में कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

ससुराल वालों ने विधवा को पीट कर घर से निकाला

कुरारा। थाना क्षेत्र के भौली गांव निवासी विधवा महिला ने थाने में ससुरालीजनों द्वारा मारपीट कर घर से निकलने का आरोप लगाते चार लोगों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। भौली गांव निवासी नीमा देवी ने थाने में तहरीर देकर बताया पति विजय प्रताप की बीमारी के चलते 13 दिन पूर्व मौत हो गई थी। कोई संतान न होने से ससुर, ननद, जेठानी व जेठ प्रताड़ित करने लगे। रविवार को मारपीट करने के बाद घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने ससुर राजा कारण, ननद सीमा, जेठानी रमा व जेठ रवि प्रताप ऊर्फ टीकू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाइयों ने मिलकर युवक को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

सुमेरपुर। कस्बे की काशीराम कालोनी बांकी मार्ग के निवासी तीन सगे भाइयों ने बसंत नगर निवासी एक युवक को जमकर पीटा और जान से मार देने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने तीनों का मुकदमा दर्ज किया है। बसंत नगर निवासी कालका प्रसाद वर्मा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बीती रात 8:00 बजे काशीराम कालोनी निवासी दीपू सिंह, शीलू सिंह, कुलदीप सिंह अकारण गाली गलौज करने लगे जब गाली देने से मना किया तब तीनों ने जमकर मारा पीटा और जान से मार देने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

गालीगलौज कर जान से मारने की दी धमकी

सुमेरपुर। कुंडौरा निवासी एक युवक ने गाली गलौज करके जान से मार देने की धमकी दी है। कुंडौरा निवासी रामकिशोर ने मुकदमा दर्ज करते हुए बताया कि सोमवार को गांव निवासी सोनेलाल ने गाली गलौज करके डंडा मारकर सिर फोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में काम करते समय सांप ने महिला को डसा

राठ। जरिया थाने के करौंदी गांव में घर में काम करते समय सांप ने महिला को डस लिया। करौंदी निवासी रीना पत्नी जीतेन्द्र मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे घर में घरेलू काम कर रही थी। उसी दौरान वहां बैठे एक सांप ने काट लिया। रीना की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने गांव में ही उसका उपचार कराया लेकिन हालत में सुधार होता ना देख परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा था।

दरवाजे में दौड़ा करंट किशोरी की गई जान

हमीरपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मांझखोर रमेड़ी मोहल्ले में नहाने के बाद दरवाजे खोलते समय दरवाजे में उतरे करंट की चपेट में आने से किशोरी अचेत हो गई। परिजन जिला अस्पताल लाए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शहर के मांझखोर रमेड़ी निवासी तेज प्रताप की 17 वर्षीय पुत्री श्रद्धा मंगलवार को सुबह नहाने के लिए बाथरूम में गई। जहां बाथरूम में लगे लोहे के दरवाजे को बंद करने लगी। तभी दरवाजे में उतर रहे करंट की चपेट में आकर वही अचेत होकर गिर गई। जिसे आनन फानन परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।

सांसद के साथ दुकानदारों ने डीएम को घेरा

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर पटरी दुकानें हटाने से दुकानदारों में भारी आक्रोश
- सांसद के नेतृत्व में डीएम का घेराव कर दुकानें पुनः स्थापित कराने की मांग उठाई

डीएम को ज्ञापन देने जाते सपा सांसद और पटरी दुकानदार। अमृत विचार

अमृत विचार। सीएम के संभावित दौरे को लेकर नगर पालिका द्वारा पटरी दुकानदारों की दुकाने हटाने के बाद तारबाड़ी से आक्रोषित व्यापारियों ने मंगलवार को सपा सांसद के साथ जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान सपाइयों ने उसी स्थान पर दुकाने पुनः स्थापित कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुधवार को जिले में संभावित दौरे को लेकर जहां जिला प्रशासन कड़े इंतजाम किए है। वहीं नगर पालिका ने राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा और वृक्षारोपण को लेकर 40 वर्षों से स्थापित पटरी दुकानदारों को आश्वासन देकर दुकाने सोमवार को उजाड़ दी। वहीं मंगलवार की सुबह उसी स्थान में तार बाड़ी कर बड़े बड़े गड्ढे कर दिए। दुकानदारों ने रोजी रोटी पर खतरा मंडराते देख सपा सांसद से मिलकर न्याय की गुहार लगाई।

वहीं सांसद अजेंद्र सिंह लोधी अपने कार्यकर्ताओं व पटरी दुकानदारों के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट का घेराव किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और डीएम घनश्याम मीना ने मिलकर उजड़ी पटरी दुकानों को पुनः स्थापित कराने की मांग की। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, ओमप्रकाश सोनकर, रिजवान खान, युगांक मिश्रा, विकास कुमार गुप्ता सहित पटरी दुकानदार मौजूद रहे।

मुखालफत तेज | परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों ने विलय आदेश को वापस लेने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

स्कूल विलय के विरोध में शिक्षकों का धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

बीएसए कार्यालय के बाहर धरना देते परिषदीय शिक्षक। अमृत विचार

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने कलेक्ट्रेट पहुंचे शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा परिषद के हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर बंद करने के आदेश को वापस लेने सहित अन्य मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ ने बीएसए कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा।

परिषदीय विद्यालयों में कम संख्या वाले विद्यालयों का मर्जर करने के विरोध में उत्तर प्रादेशीय शिक्षक संघ ने प्रांतीय कार्यसमिति के आह्वान पर बीएसए कार्यालय में मंगलवार को दोपहर बाद एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा, जिसमें बताया गया कि 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय एवं 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया है। वहीं हजारों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जाएगी।

इसके अलावा 01 अप्रैल व उसके पश्चात नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था से आच्छादित करने, मर्जर प्रक्रिया पर रोक लगाने, प्रधानाध्यापकों की पदोन्नति एवं तैनाती की जाए, शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस चिकित्सा सुविधा व छठे वेतन आयोग की संस्तुतियों के अनुसार 10 लाख रुपये की सामूहिक बीमा का लाभ दिए जाने, मा.शिक्षा परिषद के शिक्षकों की भांति चयन वेतनमान के अंतर्गत 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान अनुमन्य किए जाने, राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश, द्वितीय शनिवार अवकाश, प्रतिकर अवकाश एवं अध्ययन अवकाश (स्टडी लीव) अनुमन्य किए जाने सहित अन्य मांगे शामिल है।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चंदेल, गौरव नामदेव, संदीप चंदेल, राकेश त्रिपाठी, कालका शुक्ला, दिलीप सिंह, जितेंद्र श्रीवास, राजू अनुरागी, अनुराग सिंह, विजय गुप्ता, अमित गुप्ता, लक्ष्मी शंकर, राम औतार प्रजापति, पंकज यादव, पवन कुमार गुप्ता आदि शिक्षक मौजूद रहे।

मछली फेंकने पर पति ने दे दी जान

बिवांर। पत्नी ने मछली की बची सब्जी को फेंक दिया तो नाराज पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस रात में ही मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना क्षेत्र के बांधुर बुजुर्ग निवासी ब्रजेश कुमार (38) पुत्र भगवानदास सविता ने गांव के दो साथियों के साथ अपने घर में मछली बनाई थी। साथियों के साथ शराब पीकर मछली खाई। कुछ मछली बच गई तो घर में छिपाकर रख दिया। वापस आकर खाने की बात कहकर घर से चला गया। इधर, पत्नी ने मछली की सब्जी फेंक कर बर्तन साफ कर लिया। इसी बात को लेकर पति नाराज हो गया और कमरे में टीनशेड के एंगल में रस्सी बांधकर रात 10 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी ने उसे फांसी पर लटका देख तो उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रात में ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सार-संक्षेप

वाहनों की जांच करते पीटीओ चंदन पांडेय और आरआई गिरीश चंद्र गौतम।

अधिकारियों ने देखी स्कूली वाहनों की फिटनेस

राठ। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने आधा सैकड़ा से अधिक स्कूली वाहनों की चेकिंग कर फिटनेस जांसी। मंगलवार को पीटीओ चंदन पांडेय, आरआई गिरीश चंद्र गौतम ने कस्बे के स्कूली वाहनों की फिटनेस को परखा। सुबह करीब 10 बजे उरई रोड के पेट्रोल पंप पर आधा सैकड़ा से अधिक वाहनों की जांच की। जिनमें इंडस वैली पब्लिक स्कूल, क्राइस्ट कान्वेंट स्कूल, सेठ छोटे लाल एकेडमी स्कूल, हिंद एंजिल्स स्कूल समेत अन्य स्कूलों में संचालित स्कूली वाहनों को देखा। वाहनों की फिटनेस चेकिंग के दौरान कई वाहनों में जीपीएस कैमरे नहीं मिले। इसके अलावा कुछ गाड़ियों में मैटिंग नही मिली। स्कूल संचालकों को शीघ्र ही वाहनों की फिटनेस पूरी कराने के निर्देश दिए। वाहनों की फिटनेस जांच के दौरान मुन्ना समेत अनेक लोग रहे।

सफाई कर्मियों को कूड़ागाड़ी व रिक्शा वितरित करतीं चेयरमैन आशारानी कबीर।

सफाई कर्मियों को कूड़ागाड़ी और रिक्शा बांटे गए

कुरारा। नगर पंचायत क्षेत्र में साफ सफाई को बेहतर बनाने के लिए चेयरमैन ने सफाई कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत कूड़ा गाड़ी व रिक्शा वितरण किए। नगर में लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंगलवार को नगर पंचायत अध्यक्ष आशारानी कबीर ने सफाई कर्मचारियों को कूड़ा गाड़ी व रिक्शा वितरित किए। जिससे नगर पंचायत क्षेत्र में सफाई कार्यक्रम को और अधिक सुगमता के साथ किया जा सकें। इस मौके नगर पंचायत के कर्मचारी व सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

सांसद का बाल्मीकि समाज के लोगों ने किया स्वागत

कुरारा। पूर्व चेयरमैन व सांसद प्रतिनिधि माया बाल्मीकि के आवास पर सांसद आजेंद्र सिंह लोधी का बाल्मीकि समाज के लोगों ने स्वागत किया। विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बाल्मीकि समाज के लोग एकत्र हुए। लोगों ने सांसद को समस्याओं से अवगत कराया। सांसद ने कहा कि जो प्रार्थना पत्र मिले हैं, उनका निस्तारण कराया जाएगा। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष इदरीश खान, घनश्याम साहू, ओमप्रकाश सोनकर, शिवशरण यादव, शिवशंकर यादव, रहीस अहमद, हबीब खान, रामगोपाल बाल्मीकि, बाबूलाल बाल्मीकि, पुष्पेंद्र, बाल्मीकि, ईश्वरी प्रसाद मधुपिया, राकेश मनकी, अवधेश बाल्मीकि राघवा, संतोष बाल्मीकि पारा ओझी, वर्षा नामदेव आदि रहे।

जीएसटी की छापेमारी से बंद हुआ सुमेरपुर बाजार

सुमेरपुर। राज्य कर विभाग की टीम ने कस्बे में छापेमारी की। टीम के आने की सूचना मिलते ही मुख्य बाजार बंद हो गया। दुकानदार दुकानों में ताला डाल कर निकल गए। बांदा और हमीरपुर से आए राज्य कर विभाग की टीम मंगलवार को दोपहर में कस्बे में दाखिल हुई। टीमों के कस्बे में आने की सूचना आग की तरह फैल गई और कुछ ही समय में कस्बे का 70 फीसदी बाजार बंद हो गया। दुकानदारों ने दुकानों में ताला डालकर इधर उधर हो गए। जिससे टीमें बगैर छापेमारी के वापस लौट गई। चानक बाजार बंद हो जाने से लोगों के जेहन में सवाल कौंधने लगा कि क्या ज्यादातर व्यापारी टैक्स चोरी करते ही कारोबार कर रहे हैं। फिलहाल टीमों ने कस्बे में किसी भी प्रतिष्ठा में छापेमारी नहीं की है। कुछ प्रतिष्ठानों के सामने उन्होंने गाड़ियां खड़ी की और कुछ देर निगरानी करने के बाद आगे के लिए बढ़ गए। इसके बाद दोनों टीमें कस्बे से वापस लौट गई है। जीएसटी टीम आने की चर्चा पूरे दिन बाजार में होती रही।

हाईवे पार करते समय टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

हमीरपुर। मंगलवार की दोपहर को हाईवे पार करते समय राष्ट्रीय पक्षी मोर अज्ञात वाहन से टकरा गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर वन विभाग टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। उसके बाद सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। मंगलवार को दोपहर में कुंडौरा गांव के समीप हाईवे पार कर रहे राष्ट्रीय पक्षी मोर को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर क्षत विक्षत शव को लेकर पशु चिकित्सालय आई। यहां पर पशु चिकित्सक डॉ .अंकुर सचान ने पोस्टमार्टम किया। इसके बाद वन कर्मियों ने राष्ट्रीय पक्षी का ससम्मान अंतिम संस्कार कर दिया।

शराब ठेके में चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार

सुमेरपुर। एक जुलाई को कंपोजिट शराब ठेका नंबर 5 में घुसकर नगदी एवं बीयर चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने नगदी के साथ गिरफ्तार करके जेल भेजा है। थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने बताया कि बीते एक जुलाई को पेट्रोल पंप के बगल में संचालित शराब ठेका संख्या 5 में चोर ने घुसकर नगदी के साथ एक बियर चोरी की थी। यह घटना ठेके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने घटना खुलासा करते हुए वार्ड संख्या एक लखना पुरवा निवासी अजय उर्फ दिलबर को गिरफ्तार करके चोरी की गई नगदी बरामद करके जेल भेजा है।

आषाढ़ के आखिरी मंगलवार को उमड़ी भीड़

सुमेरपुर। इटरा के प्रसिद्ध बजरंगबली मंदिर में आषाढ़ मास के आखिरी मंगलवार को तड़के से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी थानाध्यक्ष ने खुद संभाल रखी। इटरा के बजरंग बली मंदिर में हर मंगलवार को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। आषाढ़ मास के आखिरी मंगलवार को यहां तड़के से ही श्रद्धा का सैलाब उमड़ने लगा। पूरे दिन मेला जैसा नजारा रहा। पिछले मंगलवार को जाम लगने से उत्पन्न समस्या के मद्देनजर इस बार थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था खुद संभाली और मंदिर परिसर में मौजूद रहकर वाहनों को व्यवस्थित ढंग से खड़ा कराया। जिससे लोगों ने राहत महसूस की।

पति व ससुर पर पीटकर निकालने का आरोप

बिवांर। थाना क्षेत्र के भरसवां गांव निवासी करिश्मा पत्नी सुनील कुमार वर्मा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि आठ साल पहले मांचा गांव में शादी हुई थी। पति के दिल्ली में मजदूरी करने पर अपने साथ ले गया था। बीमारी होने पर पति ने दिल्ली में उपचार नहीं कराया है। बीमारी के चलते महिला का गर्भपात हो गया है। वहीं पति मायके से बाइक लाने का दबाव बनाते हुए मारपीट कर प्रताड़ित करने लगा है। महिला का ससुर बाबादीन दिल्ली में आया है। जहां पति ससुर दोनों ने मारपीट करते हुए जेवरात छीनकर घर से बाहर निकाल दिया। फोन से जानकारी के देने पर पिता आकर महिला को मायका ले आया है। महिला मायके में शरण लिए हुए है। महिला ने पति व ससुर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रामायण पाठ के समापन पर कन्या भोज

बिवांर। कस्बे के शुक्लाना मोहल्ला स्थित बड़े बजरंगी मंदिर परिसर में रामकुमार सविता कुट्टू पाठक मनोज कुमार की देखरेख में अखंड रामायण का पाठ कराया गया था। मंगलवार को समापन के बाद कन्या भोज का आयोजन किया गया। जिसमें गांव की कन्याओं ने भोजन किया। कन्याओं ने भोजन कर गांव में सुख समृद्धि खुशहाली के बने रहने का आशीर्वाद दिया है।

केस से नाराज देवर-ससुर ने धमकाया

सुमेरपुर। कस्बे की एक विवाहिता ने ससुर और देवर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के मुकदमे की पैरवी न करने और न मानने पर पुत्री को उठा ले जाने की धमकी दी है। पीड़िता का आरोप है कि देवर सोशल मीडिया में गालीगलौज के ऑडियो अपलोड कर परेशान कर रहा है। लखना पुरवा निवासी मंजू ने बताया कि उसकी शादी सुरौली बुजुर्ग में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे। इसके विरुद्ध कोर्ट में मुकदमा किया था। मुकदमे की पैरवी से नाराज देवर रामू वर्मा, ससुर रामअवतार गालीगलौज कर मारने की धमकी दे रहे हैं। देवर रामू ने पुत्री को घर से उठा ले जाने की धमकी दी है। सोशल मीडिया में गंदी-गंदी गालियों का ऑडियो वीडियो अपलोड करके लगातार धमका रहा है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करते हुए विवेचना शुरू की है।

73.06 लाख पौधे लगाने की तैयारी

जनपद में 16 जगह विशेष वन क्षेत्र होंगे विकसित, 147 स्थलों पर तैयार हो रही नर्सरी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। इस साल जिले में पौधरोपण महाअभियान के लिए शासन की ओर से नामित नोडल अधिकारी/वित्त सचिव शाहिद मंजर अब्बास रिजवी ने जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वन विभाग सहित सभी 26 विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में नोडल अधिकारी ने 9 जुलाई को पौधरोपण महाअभियान के तहत जिले में 73 लाख 6 हजार 18 पौधे लगाने की तैयारी की विभागवार समीक्षा की।

बैठक में निर्देश देते नोडल अधिकारी शाहिद मंजर अब्बास रिजवी। अमृत विचार

- जनपद की बड़ी ग्राम पंचायतों के 22 स्थलों पर 2000 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे
- नोडल अधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की

नोडल अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 में वन विभाग की ओर से कुल 147 स्थलों, पैचों में गड्ढ़ा खुदान एवं बोना नालियों पर बीज बुआन से रोपण किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा सुरक्षा के लिए वन ब्लाक के किनारे सुरक्षा खाई का खुदान किया गया है और उस पर जंगली कॉटेदार प्रजाति के बीज बोये जा रहे है। बैठक में नोडल अधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें और पौधों को सुरक्षित रखने का संकल्प भी दिलाया जाए।

प्रभागीय वनाधिकारी डा. नरेन्द्र सिंह ने बताया कि वन क्षेत्र में प्रत्येक गड्ढ़ों में गोबर की खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट का मिश्रण कर डाला गया है। वन विभाग के साथ ही ग्राम्य विकास विभाग की ओर से जनपद के बड़ी ग्राम पंचायतों के 22 स्थलों पर 2000 से लेकर 5000 हजार पौधे एक साथ लगाए जा रहे हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए तारवाड़ी एवं जाली लगाई गई है। जिलाधिकारी की ओर से इन 22 स्थलों के लिए एक-एक रोपण प्रभारी और एक-एक नोडल अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है।

समीक्षा के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि वन विभाग की ओर से वृहद पौधरोपण के साथ जनपद में विशिष्ट वनों की स्थापना की जा रही है, जिसके अन्तर्गत बिलबई वन क्षेत्र में अटल वन, मझोल वन क्षेत्र चरखारी में एकता वन, भण्डरा वन क्षेत्र में शौर्य वन, कान्हा गौशाला अजनर में गोपाल वन सहित कुल 16 विशेष वनों की स्थापना की जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि डीएम के निर्देश पर जनपद में 6 विलुप्त प्राय नदियों चन्द्रावल, विरमा, गौची, अर्जुन, सिहू, क्योलारी को पुर्नजीवित किये जाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। जिसकी नोडल अधिकारी ने सराहना की।

पौधरोपण महाअभियान में व्यापार मण्डल की ओर से जनपद में 5000 पौधे लगवाए जा रहे हैं। 2000 पौधों में ट्रीगार्ड एवं शेष 3000 पौधे बाउण्ड्री के अन्दर लगवाए जा रहे है। ग्रामोदय संस्थान द्वारा जनपद में कुल 7000 महिला किसानों के माध्यम से पौध लगवाई जा रही है। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिए कि किसानों को फलदार पौधे दिए जाएं, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। पौधरोपण महाअभियान में बच्चों, युवाओं और किसानों को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें।

बारिश में कच्चे घर की दीवार गिरने से 3 लोग हुए घायल

उरई। डकोर कोतवाली क्षेत्र के मुहाना में बारिश के चलते कच्चे घर की दीवार धराशाई हो गई। बताया गया कि जिस समय घर की दीवार गिरी उस समय घर के सभी सदस्य सो रहे थे। इससे दीवार गिरने से चंद्रभान पाल की बड़ी पुत्री 20 वर्षीय सुगवंती, छोटी पुत्री 16 वर्षीय पूजा देवी, पुत्र 11 वर्षीय वेवांश अटारी की दीवार के मलबे से दबकर घायल हो गए, जबकि घर का सामान दब गया।

हादसे के बाद मची चीख पुकार सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर दौड़ पड़े और दीवार के मलवे से दबे सभी लोगों को बाहर निकाल कर इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पर उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। किसान चंद्रभान पाल का कहना है कि वह 6 बीघा जमीन से बच्चों का भरण पोषण करता है, दीवार गिरने से काफी नुकसान हुआ है। इस संबंध में क्षेत्रीय तहसीलदार का कहना कि मौका मुआयना के लिए लेखपाल को गांव भेजा जाएगा। लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की जाएगी।

पौधरोपण महाअभियान में शामिल लोग। अमृत विचार

पौधरोपण कर धरती को हरा भरा करने का लिया संकल्प

संवाददाता, कालपी जालौन

- कालपी के ऐतिहासिक किले के मैदान पर किया गया पौधरोपण
- महिलाओं और जवानों ने रैली से पौधरोपण का दिया संदेश

अमृत विचार। मंगलवार को वन रेंज कालपी में समाजसेवी संस्था के स्वंयसेवियों, महिलाओं, वन विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी में व वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार की अगुवाई में एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर में विशाल रैली निकाल कर पौधरोपण महाअभियान -2025 को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

मंगलवार को समाजसेवी संस्था हैल्पिंग हैंडस सेवा संस्थान के स्वयं सेवक, महिलाएं व वन विभाग के जवान आलमपुर पौधशाला में एकत्रित हुए। सभी लोगों ने रैली निकाल कर जनता को पौधारोपण कर शुद्ध पर्यावरण बनाने का संदेश देते हुए धरती को हरा भरा करने को कहा। क्रांतिकारियों तथा वीर सपूतों की यादगार को संजोए कालपी के प्राचीन किले के परिसर में आयोजित पौधरोपण महा अभियान - 2025 के कार्यक्रम वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार ने सम्बोधित करते हुये कहा कि वृक्षों के बिना हम लोगों का जीवन अधूरा है। इसलिए सभी लोग शासन की नीतियों के अनुरूप एक पेड़ - मां के नाम अवश्य लगाकर धरती को हरा भरा करने में अपना योगदान दें।

वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार ने कहा कि वन विभाग के कर्मचारी पूरी शिद्दत से पौधरोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। वन दरोगा महेंद्र सिंह, मन्ना सिंह, हरिओम आदि के अलावा स्वयंसेवकों, महिलाओं ने सहभागिता कर धरती को हराभरा करने का संकल्प लिया है। घूम घूमकर लोगों को धरती को हरा भरा रखने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

इंजेक्शन से बच्चों की हालत बिगड़ी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- भरकर रखा गया इंजेक्शन लगाने पर सीएमएस ने नर्स से मांगा स्पष्टीकरण

अमृत विचार। जिला अस्पताल के बच्चा वार्ड में सोमवार की रात वार्ड में भर्ती 8 बच्चों को इंजेक्शन लगाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को तेज बुखार, कंपकंपी और उल्टी की शिकायत हुई। सीएमएस डॉक्टर पवन अग्रवाल ने मामले की जांच की। जांच में पता चला की स्टाफ ने सेफ्ट्रिक्सोन 1 जीएम इंजेक्शन पहले से सिरिंज में भर कर रखा था। इससे दवा में रिएक्शन हुआ और बच्चों की हालत बिगड़ी।

निरीक्षण दौरान इमरजेंसी और बच्चा वार्ड में कुछ और पहले से भरे इंजेक्शन भी मिले। सीएमएस ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने आदेश दिया है कि अब कोई भी इंजेक्शन पहले से भरकर नहीं रखा जाएगा। बच्चा वार्ड में तैनात स्टाफ नर्स संगीता सोनी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। सीएमएस ने स्टाफ को चेतावनी दी है कि मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

अस्पताल में भर्ती बच्चे।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

महोबा। सूपा-श्रीनगर मार्ग पर मुरैनी गांव के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टर ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

श्रीनगर थाना क्षेत्र के मुरैनी गांव निवासी आशारानी (60) पत्नी भुवन राजपूत मंगलवार सुबह हैंडपंप से पानी भरने के बाद सड़क पार कर घर जा रही थी, तभी सूपा की तरफ से आए तेज रफ्तार बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गई। आसपास के लोगों ने बाइक सवार का पीछा किया, लेकिन वह भाग गया। परिजन महिला को जिला अस्पताल लाए, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

एमएलसी ने सड़कों का मुद्दा उठाया

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। विधान भवन याचिका समिति की बैठक सभापति सतपाल सैनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महोबा-बांदा क्षेत्र के एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने नमामि गंगे योजना के तहत खोदी गई सड़कों का मुद्दा उठाते हुए टूटी फूटी सड़कों को अविलंब ठीक कराए जाने की मांग की है।

विधान परिषद सदस्य ने बैठक में कहा कि महोबा जिले में नमामि गंगे योजना के तहत सड़क खोद कर बिछाई गई पाइप लाइनों के बाद सड़कों को ठीक कराए जाने के बजाय छोड़ दिया गया, जिससे गांव गांव में उखड़ी पड़ी सड़कें दुर्घटनाओं को दावत दे रही है। बरसात के मौसम में उखड़ी पड़ी सड़कों के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। आए दिन बाइक चालक उखड़ी सड़कों से गिरकर घायल हो जाते है।

बैठक में अपना पक्ष रखते एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर। अमृत विचार

- विधान भवन याचिका समिति की बैठक में खोदी गई सड़कों की बताई दुर्दशा

समिति के समक्ष विधान परिषद सदस्य द्वारा रखे गए सुझाव में क्षेत्र में पेयजल के लिए बिछाई गई सड़क खोद कर बिछाई हुई पाइप लाइन के बाद कार्यदाई संस्था सड़कों की मरम्मत कराना भूल गई। इतना ही नही संस्था द्वारा गुणवत्तापूर्वक न तो कार्य किया गया है और न ही ग्रामीणों के घरों तक पानी पहुंच रहा है। उल्टा सड़क खोद कर और बर्बाद कर दी गई। बैठक में नमामि गंगे और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सभापति ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिए।

सार-संक्षेप

मारपीट की घटना पर दो नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कालपी (जालौन)। भोगनीपुर निवासी फरमान ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 7 जुलाई की शाम खानकाह मस्जिद में इबादत करने आया था। इसी दौरान अमरौधा निवासी अनुफातुल, भोगनीपुर निवासी रकीम सफीउद्दीन ने धारदार हथियार से सिर तथा चेहरे पर हमला कर घायल कर दिया। लोगों ने ललकारा तो हमलावर धमकी देकर भाग खड़े हुए। पुलिस ने घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उरई रेफर कर दिया गया।

करंट लगने से स्कूल बस चालक की मौत

जालौन। धंतौली में पंखे का प्लग लगाते समय करंट लगने से स्कूल बस चालक की मौत हो गई। धंतौली निवासी कृष्ण कुमार उर्फ कल्लू (46) डीडी मेमोरियल विद्यालय के बच्चों को छोड़कर घर पहुंचा था। पत्नी सीमा देवी, पुत्र प्रद्युम्न, सुमित व पुत्री प्रतीक्षा मामा के यहां झांसी में थे। शाम को वह कमरे में पंखा का प्लग लगा रहा था, तभी उसे करंट लग गया। वह बेसुध होकर गिर गया। उसके ऊपर पंखा भी गिर गया। देर शाम जब भतीजा अजय प्रताप घर पहुंचा तो शरीर झुलसा था और मौत हो चुकी थी। भतीजे ने चाची व अन्य परिजनों को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जोल्हूपुर मोड़ के अतिक्रमण पर गरजा बुलडोजर

कालपी (जालौन)। जोल्हूपुर मोड़ चौराहे के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अवैध कब्जों और अतिक्रमण की समस्या खत्म नहीं हो रही है। अतिक्रमण से यातायात प्रभावित होता है और दुर्घटनाएं भी होती हैं। जोल्हूपुर मोड़ से कदौरा की ओर जाने वाले मार्ग पर चौराहे पर महापुरुषों के नाम से तोरणद्वार निर्माणधीन है। इस वजह से जाम लगता है और वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। हाईवे के किनारे अतिक्रमण फैला है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है। मंगलवार को अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया और चेतावनी भी दी गई।

सांप के डसने से वृद्धा की थम गई सांस

उरई। चुर्खी कोतवाली क्षेत्र के हथनोरा निवासी शिवनारायण सिंह की पत्नी नन्ही देवी सांस की मरीज थी। सोमवार की रात वह खाना खाने के बाद कमरे की दीवार वाली अलमारी से दवा लेने गई थी। जैसे ही उसने अलमारी खोला, अंदर बैठे सांप ने उसे डस लिया। चीखने की आवाज सुनकर परिजन दौड़े। परिजन उसे झाड़-फूंक के लिए नियामतपुर सिमहरा कासिमपुर ले गए, जहां हालत बिगड़ने पर तांत्रिक ने उसे मेडिकल कॉलेज ले जाने का सुझाव दिया। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। नाती रजनीश सिंह व प्रदुम सिंह ने बताया कि वह दादी को बाइक पर बैठाकर उरई जा रहे थे, तभी औता के पास बाइक फिसल गई, जिससे दादी को हल्की चोटें आई थीं। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

चोरी की 15 सोलर प्लेटों के साथ चार गिरफ्तार, एक फरार

उरई। डकोर कोतवाली क्षेत्र के गुढ़ा सिमरिया के पास सोलर प्लेट चोरी होने पर पुलिस ने सोमवार देर रात चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि चार लोगों को 15 सोलर पैनल व एक बाइक और तीन मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोगों में गौरव सिंह पुत्र जगपाल सिंह गांधी नगर कोच, ब्रजकिशोर उर्फ विवेक पुत्र रघुवर सिंह रूरा रेंडर, विवेक राजपूत पुत्र रविन्द्र राजपूत ऐर और समीर खान पुत्र इस्लाम खान निवासी ऐर डकोर हैं। कांशीराम कालोनी का आशीष वर्मा फरार होने में सफल हो गया।

जनता को बताएं भाजपा की नीतियां

संवाददाता, कालपी जालौन

- कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय अध्यक्ष का नगर पालिका अध्यक्ष ने किया स्वागत

अमृत विचार। मंगलवार को प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान व कानपुर – बुंदेलखंड मंडल के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल का बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार कालपी में नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव की अगुवाई में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान तमाम सभासद व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी नीतियों को जनता के बीच पहुंचायें।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, कानपुर देहात की भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान मंगलवार को कानपुर से उरई में जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी द्वारा संचालित भोजनालय के तीन वर्ष पूर्ण होने के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। तभी बुंदेलखंड के प्रवेश द्वार कालपी हाईवे स्थित दुर्गा मंदिर चौराहा में पहले से ही मौजूद पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव के नेतृत्व में सभासदों, भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों के द्वारा माला पहनाकर मंत्री राकेश सचान ,कानपुर देहात भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान का स्वागत किया। स्वागत करने वाले लोगों में अमरदीप पांडेय पूर्व नगर मंत्री, दिग्विजय सिंह पूर्व महासचिव किसान मोर्चा, अरविंद सिंह राठौर, जिला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रविंद्र कोरी,सभासद राकेश यादव, सभासद प्रतिनिधि आशु बाबा, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष अंकितठाकुर, , अवधेश तिवारी, गंगाराम प्रजापति, राजेंद्र पोरवाल,शैलू शरद तिवारी समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान का स्वागत करते पालिकाध्यक्ष व कार्यकर्ता। अमृत विचार

राजस्व निरीक्षक ने ग्रहण किया पदभार

कालपी जालौन। शासन स्तर से नगर पालिका कालपी के राजस्व सेक्शन में हुए फेरबदल के उपरांत मिर्जापुर से स्थानांतरित होकर आए नवागंतुक राजस्व निरीक्षक अजीत सिंह ने पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव के समक्ष पदभार ग्रहण किया।

जनपद झांसी की मऊरानीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम जवन के मूल निवासी अजीत कुमार जनपद मिर्जापुर की चुनार नगर पालिका परिषद में 8 वर्षों तक राजस्व निरीक्षक का पदभार संभाल चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवांगतुक राजस्व निरीक्षक अजीत सिंह ने नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव, अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला तथा निकाय कर्मचारियों से भेंट की। उन्होंने बताया कि शासन की नीतियों तथा पालिकाध्यक्ष के निर्देशन के अनुरूप पालिका के राजस्व में वृद्धि कराने के लिए प्रयत्नशील रहूंगा।

विद्यालय बंद करने के विरोध में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शिक्षकों ने सीएम के नाम सौंपा नायब तहसीलदार को ज्ञापन

अमृत विचार। पेयरिंग के नाम पर प्राथमिक विद्यालयों को बंद किए जाने के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार विकास कुमार को ज्ञापन सौंपा। उधर अभिभावकों ने विद्यालयों को जारी रखने की मांग की।

प्राथमिक शिक्ष संघ के जिलाध्यक्ष रमाकांत मिश्रा, ब्लाक अध्यक्ष भगत सिंह राजपूत, ब्लाक मंत्री दयाराम वर्मा के नेतृत्व में शिक्षकों ने नायब तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन में बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हजारों स्कूलों को पेयरिंग के नाम पर बंद किया जा रहा है और प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय जिनकी संख्या 50 और 100 से कम है उनके तमाम प्रधानाध्यापको को सरप्लस घोषित कर दिया है।

ज्ञापन में बताया गया कि इससे पूर्व एक ही परिसर में स्थित सैकड़ों स्कूलों को संविलियन करके प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त कर दिए। वर्तमान में चल रही राज्य सरकार की इस प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालयों की दूरी अधिक होगी वहीं सैकड़ों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जाएगी। ज्ञापन देने वालों में हरनारायन अनुरागी, नीतेश तिवारी, कुलदीप तिवारी, नवनीत मिश्रा, श्रीमित्र त्रिपाठी, अरुण कुमार अवस्थी, सहित तमाम शिक्षक शामिल रहे।

दही-चावल खाया | मोहर्रम की 12 तारीख को बीवियों के मेले का महिलाओं और बच्चों ने जमकर लुत्फ उठाया, कीरत सागर तट पर तैनात रहा पुलिस बल

महिलाओं ने कुएं में शक्कर की पुड़िया डाल मांगी मन्नत

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शहर के कीरत सागर तट और ईदगाह करियापठवा में मोहर्रम की बारह तारीख को बीबियों का मेला लगाए जाने की परम्परा आज भी कायम है। मंगलवार को इस मेले में शहर की महिलाओं ने बड़े तादाद में पहुंचकर शिरकत की। ईदगाह के पहाड़ पर बने कुएं में महिलाओं ने शक्कर की पुड़िया डालकर मन्नतें मानी और फिर कीरत सागर तट पर मेले का आनंद लेने के साथ महिलाओं ने दही-चावल खाया। सुरक्षा के मद्देनजर ईदगाह और कीरत सागर पर पुलिस बल तैनात रहा।

बीवियों का मेला सुबह दस बजे से नगर की महिलाओं का करिया पठवा की तरफ जाना शुरू हुआ और यहां पहुंच कर महिलाओं द्वारा मन्नत मांगने के खातिर करिया पठवा पहाड़ पर स्थित कुए में शक्कर से भरी पुड़ियां डाली गई। लोगों की मान्यता कि कुए में शक्कर की पुड़ियां डालने पर यदि पुड़िया डूब जाती है तो मन्नत मांगने वालों की मन्नत पूरी हो जाती है। इसलिए मन्नत पूरी होने के लिऐ महिलाओं द्वारा सारा दिन कुए में पुडिया डालने की रस्म अदा की जाती रही।

पुड़ियों के डूब जाने से महिलाओं के चेहरे खुशी नजर आई तो वहीं पुड़िया न डूबने पर महिलाएं मासूस भी रही। महिलाओं द्वारा ईदगाह स्थित हुजरे में दही चावल पर बीबियों की फातिहा दिलायी और दुआ और मन्नते मानी। फातिहा के बाद सभी ने दही चावल खाया और अन्य महिलाओं के तबर्रूख भी वितरित किया गया। करियापठवा के बाद महिलाओं ने कीरत सागर तट पर लगे मेले की तरफ रुख किया और जमकर मेले का आनंद लिया। मेले से महिलाओं ने सबसे ज्यादा घरेलू समान की खरीदारी की तो वहीं छोटे छोटे बच्चो ने खिलौने, गुडिया, गुडडे व अन्य समान खरीदने के बाद झूलो का अन्नद लिया। बीवियों के मेले में दुकानदारों ने दुकानें लगाई। यहां पर सबसे ज्यादा दुकानें खिलौनों, गुब्बारों और खानपान की थी। झूले, पलाकियां भी लगाई थी, जिसका महिलाओं और बच्चों ने खूब आन्नद लिया।

कुएं में शक्कर की पुड़ियां डालतीं महिलाएं। अमृत विचार

कीरत सागर तट पर बीवियों के मेले में जुटी भीड़। अमृत विचार

ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की चांदी रही

बीवियों के मेले मे दूर दराज से लोग पहुचते है। मोहर्रम के मौके पर आसपास के जिलो से महोबा के ताजिये देखने के लिए आने वाले लोग भी बीवियों के मेले में पहुंचे। कीरत सागर मेला स्थल दूर होने कारण लोग रिक्शा और आटो से मेला स्थल पहुंचे। मेले में जुटी हजारों की भीड़ लाने और ले जाने में ई-रिक्शा और टेम्पो चालकों की जमकर कमाई हुई। आटो, ई-रिक्शा चालक सुबह से शाम तक वाहन दौड़ाकर सवारियों को उनके गन्तव्य स्थान पर पहुंचाते रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरा इंडियन बैंक शाखा मल्दा गणेशपुर में एक खाता संख्या 50317660161 है, जिसमें मेरा नाम अजीजुर्रहमान है, जबकि आधार कार्ड में अजीजुर्रहमान सिद्दीकी है, यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। **अजीजुर्रहमान सिद्दीकी पुत्र आशिक अली, निवासी– धवाई, तुलसीपुर, बलरामपुर।**

सूचना

सूचित किया जा रहा है मेरा सेंट मैरी स्कूल का हाईस्कूल का अंकपत्र अलीगंज में कहीं खो गया है, जिसका अनुक्रमांक नं. TV60185947 और विशिष्ट आईडी नं. 7977238 और वर्ष 2023 है। ये जानकारी सार्वजनिक सूचनार्थ प्रेषित है। **हसन खान, पुत्र– आरिफ खान, 543–के/93, हबीबपुर, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मैं **मुश्तर अली पुत्र बदले उर्फ रियायत अली, निवासी– मो. मीर सराय करबा व थाना पिहानी जिला हरदोई,** मेरा पुत्र मोहम्मद रजा अली उर्फ मुन्ना का चाल चलन खराब हो गया है जो मेरी बात नहीं मानता है। मै अपने पुत्र मोहम्मद रजा अली के कार्य व्यवहार व आचरण से तंग आकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज की तिथि से उसके द्वारा किये गये किसी प्रकार के लेन देन से मेरा व मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है। अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2020अनुक्रमांक2726391 एवं इंटरमीडिएट अंकपत्र सहप्रमाणपत्र वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2226952295 वास्तव में खो गया है। **मिथलेश कुमार वर्मा पुत्र श्री मथुरा वर्मा, निवासी– ग्राम सिकही कटघरा कला पोस्ट कटघरा कला थाना रानीपुर जिला बहराइच, पिन कोड 271870**

NOTICE

I am Jitendra Kumar Gupta son of Shri Govind Parshad Gupta resident of 5304 S/11 Rajajipuram, E - Block Lucknow 226017. My name is wrongly spelled JEETENDER KM GUPTA in my son Kaavy Gupta school's document. My correct and full name is JITENDRA KUMAR GUPTA.JEETENDER KM GUPTA and JITENDRA KUMAR GUPTA both are the names of the same person.

सुनील ने ही दूसरे युवक को कार में बैठाकर मारा था

विलासितापूर्ण जिंदगी की चाह ने सुनील- हेमा को पहुंचाया सलाखों के पीछे, मलयालम फिल्म कुरूप देख दंपती ने रची थी साजिश

कार में मिले शव का मामला

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। रीवा निवासी सुनील सिंह की कहानी आज के आधुनिक जीवन की उस अतृप्ति की कहानी है, जिसमें सब कुछ है पर संतोष नहीं। विलासितापूर्ण जीवन जीने की चाह ने उसे और उसकी पत्नी को उस अंधी गली में पहुंचा दिया, जहां से निकलना लगभग नामुमकिन है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने उसके द्वारा रचे गये पूरे षडयंत्र का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मलयालम फिल्म कुरूप और क्राइम सीरियल देखकर सुनील ने अपनी पत्नी हेमा के साथ मिलकर बीमा का रुपया हड़पने के लिये दूसरे युवक को मारने की साजिश रची थी। दंपती को गिरफ्तार कर लिया गया है।

30 जून को राजापुर पुलिस को सूचना मिली थी कि सुबह लालता रोड से राजापुर जाने वाली सड़क पर सिकरी अमान के पास एक कार जल रही है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और फायर ब्रिगेड से आग पर काबू पाया गया था। ड्राइविंग कार के बगल में एक लगभग पूरा जल चुका शव बरामद हुआ था। कार से कुछ दूरी पर फटा छोटा सिलेंडर भी मिला था। डैशबोर्ड और सीट के पास टूटी चूड़ियों से शुरुआत में पुलिस को आशंका हुई थी कि यह शव किसी महिला का होगा। कार का नंबर मप्र का होने के कारण की जांच मध्यप्रदेश तक पहुंचती। इससे पहले उसी दिन कंधवनिया गांव के गिरजाशरण सिंह ने पुलिस को बताया था कि कार उसके साले मप्र निवासी सगमेंद्र सिंह के नाम है और उसका दामाद सुनील सिंह (39) निवासी कनपुरा थाना जवा जिला रीवा (मप्र) चलाता है। उसने यह भी बताया था कि उसके पुत्र सतेंद्र सिंह ने सिकरी अमान जाकर कार को पहचान भी लिया है। उसने आशंका जताई थी कि कार में मिला शव सुनील का ही है। उधर सुनील की पत्नी हेमा (35) ने भी थाने पहुंचकर बताया था कि सुनील कार लेकर 29 जून की रात हार्वेस्टर के लिए ड्राइवर को लेने सुल्तानपुर गया था और उससे रात में लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर बात हुई थी। तब उसने यह बताया कि वह रामबाग (बरगढ़) में है। इसके बाद उसका मोबाइल स्विच आफ हो गया था। उसने भी शव सुनील का होने की बात कही थी। इन लोगों ने आशंका जताई थी कि सुनील की वाहन में अचानक आग लगने से मौत हो सकती है या फिर किसी ने हत्या कर वाहन में आग लगा दी होगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस मामले के खुलासे के लिए उन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ सीओ फहद अली को जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने बताया कि सीओ ने आशंका जताई थी कि मलयालम की फिल्म कुरूप में भी ऐसा ही कुछ दिखाया गया है। एसपी ने बताया कि बाद में सुनील ने भी यह बात मानी कि उसने फिल्म, क्राइम सीरियल और यू ट्यूब के कई केसों को देखकर यह साजिश रची थी। एसपी ने बताया कि इन्होंने ब्यूटी पार्लर की एक प्रतिष्ठित कंपनी की फ्रेंचाइजी ले रखी है, जिससे उन्हें सारे खर्चे निकालने के बाद लगभग लाख-डेढ़ लाख की आमदनी होती थी। इसके बाद हार्वेस्टर का बिजनेस भी शुरू कर दिया। हाल में ही कार खरीदी थी, रीवा में बढ़िया घर भी है। लगभग 15-20 बीघे की खेती भी बताई जाती है। एसपी ने बताया कि सुनील ने पहले एक बैंक से बीमा के लिए आवेदन किया तो वहां से एक करोड़ की बात कही गई। इस पर वह दूसरे बैंक गया और वहां से दो करोड़ का बीमा कराया। अक्टूबर 2024 में इंश्योरेंस कराया और फिर बीमे की रकम हड़पने के लिए उसने यह सारी साजिश रच डाली।

खुलासे की जानकारी देते पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह।

इस तरह जली मिली थी कार।

थाने पहुंचकर सुनील की पत्नी हेमा ने बताई थी झूठी कहानी। अमृत विचार

- बीमे के दो करोड़ हड़पने के लिए युवक को जला दिया जिंदा

आरोपी सुनील सिंह।

शराब की लत ने ले ली निर्दोष युवक की जान

इस पूरे मामले का सबसे अभागा किरदार वह युवक है, जिसकी निर्दोष होते हुए भी जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुनील ने कबूला है कि कार में जिस युवक को उसने जलाया है, वह विनय चौहान पुत्र शंभू चौहान निवासी नेहरू नगर वार्ड 14 थाना सामान नाका रीवा (मप्र) था। वह ऐसे युवक की तलाश में था, जो उसकी कद काठी का हो। होली के दौरान शराब के ठेके पर उसकी मुलाकात विनय से हुई थी। बातचीत में उसने यह भी बता दिया था कि उसकी शादी नहीं हुई। इसका फायदा उठाकर उसने उसे दोस्त बनाया और साजिश को अंजाम दे दिया। एसपी ने बताया कि विनय चौहान के घर पर मिले उसके भाई विकास चौहान ने बताया कि विनय 29 जून से गायब है। उसका सैंपल ले लिया गया है और डीएनए टेस्ट के लिए भेजा जा रहा है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पूरी तरह से सिद्ध हो पाएगा कि कार में मिला शव विनय का ही है।

पैसे को लेकर बरती गई होशियारी

आरोपी दंपती बहुत ज्यादा होशियारी बरत रहे थे। ताकि पुलिस को शक न हो। एसपी ने बताया कि सुनील के पास पैसे खत्म हो रहे थे तो हेमा ने उसके खाते में पांच हजार रुपये ट्रांसफर किए थे। इसके बाद यह सोचकर कि पुलिस यह न सोचे कि मृत युवक के खाते में पैसे कैसे आ रहे हैं यही सोच कर पैसा नहीं डाला। एसपी ने बताया कि खर्च के लिए पैसे लेने और इस आशंका से कि डीएनए सैंपल से यह राज न खुल जाए कि वह जिंदा है। इन्ही गतिविधियों को जानने के लिए वह अपने साढ़ू से मिलने पहुंचा था तभी किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। उस समय उसकी पत्नी भी वहां पर मौजूद थी। इस पर पुलिस ने उसके साढ़ू से संपर्क किया और साढ़ू ने इसे कमरे में बंद कर दिया। पुलिस ने सुनील को वहीं से गिरफ्तार कर लिया।

डीएनए सैंपलिंग को लेकर भी रहे चौकन्ने

एसपी ने बताया कि डीएनए के लिए सुनील के बारह वर्षीय बेटे रिशु का सैंपल लिया गया। इसके बाद कुछ पुलिस अधिकारियों ने सलाह दी कि सुनील के पिता का भी सैंपल लेना ठीक रहेगा। जब डीएनए सैंपलिंग को लेकर पुलिस सक्रिय हुई, सुनील के रिश्तेदारों का पता लगाया जाने लगा तो इन लोगों में हलचल हुई।

बुआ ने किया था शक

पुलिस की जानकारी में सुनील ने बताया कि उसकी बुआ ने यह देख लिया था कि कार में वह एक अन्य युवक के साथ है। इस पर उसने पत्नी हेमा से कहा भी था कि तुम तो कह रही थी कि सुनील अकेला है, जबकि मैंने कार में किसी और को भी देखा है। इस पर हेमा ने सुनील से यह बात कही थी कि तुम तो कह रहे थे कि किसी ने देखा नहीं पर बुआ तो बता रही है कि कार में कोई और भी है। सुनील ने हेमा को ताकीद की थी कि बुआ से कह देना कि यह बात किसी से बताए नहीं।

सीसीटीवी की भूमिका रही महत्वपूर्ण

एसपी ने बताया कि पूरे मामले के खुलासे में सीसीटीवी फुटेज ने महत्वपूर्ण रोल निभाया। बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो पाया गया कि उस रात रीवा की ओर से बड़ी तेजी से चलती कार निकली है। बरगढ़ के पास लगे कैमरों में भी यही कार तेजी से निकलती दिखी। बताया कि सबसे चौंकाने वाली बात यह दिखी कि बरगढ़ मोड़ से शुभ ढाबा पहुंचने में इसी कार को डेढ़ घंटे लगे। जबकि यह रास्ता महज पांच मिनट का है। बताया कि इसी बिंदु पर आगे बढ़ा गया। बाद में सुनील ने भी पूछताछ में यह बताया कि वह शंकरगढ़ की ओर मुड़ा था। इसका घर वहां से दस किमी दूरी पर है।

कार से बरामद शव रीवा के सुनील का था ही नहीं

अशोक नामदेव/राजकुमार चित्रकूट

अमृत विचार। वही हुआ, जिसकी आशंका थी। जलती कार से बरामद लगभग जल चुका शव उस युवक का था ही नहीं, जिसकी पुष्टि उसके घरवालों ने, पत्नी ने की थी और अंतिम संस्कार कर दिया था। युवक को पुलिस ने जीवित पकड़ा और फिर इस पूरे मामले की गुत्थी भी सुलझने लगी। समाचार भेजे जाने तक गनीवां पुलिस चौकी में पुलिस के आला अफसर युवक और उसके परिवारीजनों से पूछताछ कर रहे थे। पुलिस महकमे से जो जानकारी छनकर आई, उससे पता चलता है कि बीमे की

'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार।

- युवक को पुलिस ने उसके साढ़ू के घर से उठाया

रीवा (मप्र) निवासी सुनील सिंह (40) पुत्र अवध बिहारी का बताया। कंधवनिया सुनील की ससुराल है। इन्होंने बताया था कि सुनील शराब और सिगरेट का लती था और आशंका जताई थी कि

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि जिस युवक को कार में जिंदा जला मान लिया गया था, उसे जीवित बरामद किया गया है। उसके साथ उसकी पत्नी को भी साजिश कर्ता के रूप में पकड़ा गया है। बाकी खुलासा बाद में किया जाएगा। तभी सारी बातें सभी को खुलकर बताई जाएंगी।

पुलिस अधीक्षक, चित्रकूट

भाभा से उसके साढ़ू राजू पटेल के यहां से जीवित बरामद किया। समाचार भेजे जाने तक पुलिस चौकी में युवक, उसकी पत्नी और अन्य परिवारीजनों से पूछताछ कर रही थी। माना जा रहा है कि इस साजिश में सुनील के साथ उसके परिवार के लोगों का भी हाथ है।

शक तो पहले से ही था

पुलिस ने बताया कि जिस तरह से युवक के परिवारीजनों ने शव को युवक का मान लिया था, उससे ही इन पर संदेह गहरा गया था। तब भी पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा था कि अंतिम निष्कर्ष पर तभी पहुंचा जा सकेगा, जब डीएनए रिपोर्ट आ जाएगी। बताया जाता है कि कार में सिलेंडर होना, चालक के बगल वाली सीट से लगभग पूरी तरह से जला शव मिलने से पुलिस को शक था। सर्विलांस की मदद से आखिरकार साजिश का भंडाफोड़ हो गया।

...तो बीमे की रकम के लिए हुआ खेला

'अमृत विचार' में मंगलवार को प्रकाशित समाचार। अमृत विचार

शराब पिलाकर युवक को किया था बेसुध

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। एसपी ने बताया कि रास्ते में सुनील ने विनय को कई जगह शराब पिलाई थी, जिससे वह बेसुध हो गया था। सुनियोजित तरीके से कार में सिलेंडर और कपूर भी रखा गया। दो डिब्बी डियो, जो ज्वलनशील होता है, भी रख दिया था। टायर भी रख दिया। पहले ये लोग शंकरगढ़ की ओर गये, वहां लोगों की भीड़ देखकर और बारिश की वजह से हत्या का इरादा बदल दिया। बाद में ये लालता रोड से मऊ जाने वाली सड़क पर पहुंचे और सुनसान इलाका देखकर विनय पर कपूर मसलकर डाला, कुछ देर के लिए सिलेंडर खोल दिया। तीन शीशे बंद कर दिए और एक शीशे को थोड़ा खोलकर उसके अंदर जलता कपूर डाल दिया। इससे अंदर आग लग गई और सिलेंडर में विस्फोट हो गया। एसपी के अनुसार, आरोपी ने बताया कि इसके बाद वह वहां से भाग कर प्रयागराज चला गया।

पत्नी से कहा, यही बनाएगा हमें अमीर

पुलिस के अनुसार, सुनील ने बताया कि वह विनय चौहान की आवभगत करने लगा और उसे अपने घर ले गया। वहां उसने उसे कुछ रुपये भी दिए। इस पर पत्नी ने पूछा कि यह कौन है। इस पर उसने उसे बताया कि यही व्यक्ति है जो मेरा सारा कर्ज उतारेगा व मुझे अमीर बनाएगा। उसने उसे फिर पूरी साजिश बताई थी। इसी चलते हेमा ने कार के शव को अपने पति का बताया था और फिर उसका अंतिम संस्कार भी कराया था।

बेटे के भविष्य को भी नहीं सोचा

उधर, पूरे जिले में इस बात को लेकर चर्चा रही कि अपने ऐशो आराम में सुनील और हेमा ने अपने बेटे रिशु के बारे में एक पल भी न सोचा। ग्यारह साल के रिशु को अब मां-पिता के बिना रहना पड़ेगा।

पुलिस की भूमिका रही सराहनीय

इस पूरे घटनाक्रम को महज एक दुर्घटना मानकर अगर पुलिस ने एफआर लगा दी होती तो इतनी बड़ी साजिश का खुलासा न होता। ऐसे में पुलिस की भूमिका की सराहना की जानी चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुनील के ससुरालीजनों की शव के सुनील के होने की पुष्टि के बाद परिजनों के नंबरों को सर्विलांस में लगाने के बाद भी कोई संदेहास्पद बात सामने नहीं आ रही थी। पर पुलिस इस मामले में चुप नहीं बैठी।

एसपी ने दिया इनाम

पुलिस की एसओजी/सर्विलांस टीम की अगुवाई एमपी त्रिपाठी ने की। इसमें मुख्य आरक्षी जितेंद्र कुमार, नितेश, आरक्षी रोहित सिंह, ज्ञानेश मिश्रा, रोशन, राघवेंद्र, गोलू भार्गव, आशीष यादव शामिल रहे। एसओ राजापुर प्रवीण सिंह की अगुवाई वाली टीम में एसआई कन्हैयाबक्श सिंह, आरक्षी प्रकाश मिश्रा, लवकुश यादव, दीक्षा और दीपा हीं। एसपी ने टीम को 10 हजार का इनाम दिया।

क्राइम थ्रिलर है फिल्म कुरूप

फिल्में अपराधी के लिए भी अपराध के तरीके बताती हैं। इस मामले से यह एक बार फिर साबित हो गया। गौरतलब है कि सन 1984 में रिलीज फिल्म कुरूप अभिनेता दुलकर सलमान की एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें हीरो सुकुमार अपनी मौत की झूठी कहानी रचकर एक युवक की हत्या कर देता है और बीमा की रकम को हड़पना चाहता है। बाद में वह पुलिस की जांच में पकड़ा जाता है।

हेमा के तानों से भी था परेशान

एसपी ने बताया कि सुनील ने बताया कि उसने लोन पर हार्वेस्टर खरीदा था, पत्नी हेमा को ब्यूटी पार्लर का काम शुरू कराया था लेकिन कर्ज इतना बढ़ गया था कि वह बहुत परेशान रहता था। पत्नी बार-बार ताना मारती थी कि तुम किसी काम के नहीं हो, सारा काम लोन पर ही करते हो, कमाई धमाई नहीं करते हो।

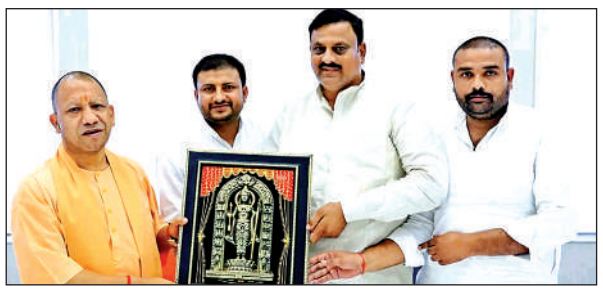

सीएम योगी आदित्यनाथ को प्रतीक चिह्न भेंट करते ब्लाक प्रमुख मानिकपुर अरविंद मिश्रा।

ब्लॉक प्रमुख ने सीएम से मिलकर कर बताई समस्याएं

संवाददाता,मानिकपुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। ब्लाक प्रमुख अरविंद मिश्रा ने बीते दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उनको क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दिया।

इस दौरान उनके साथ क्षेत्र पंचायत सदस्य भौंरी गौरव मिश्रा भी रहे। ब्लाक प्रमुख ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि शीतलपुर से निकलने वाली पांडवी नदी, जो बकटा के पास पिपरावल नदी में मिलती है, का दायरा लगभग 30 किलोमीटर का है। नदी अतिक्रमण व सिल्ट जम जाने से बरसात के बाद सूखी पड़ी रहती है। इसकी सफाई की आवश्यकता है। इसके अलावा सीएम से वाल्मीकि नदी की सफाई, इटवा ग्राम पंचायत में मारकुंडी में नया विद्युत उपकेंद्र खोलकर वहां से आपूर्ति किए जाने का भी अनुरोध किया।

बरसात के मद्देनजर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं : जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार को श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के मद्देनजर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें।

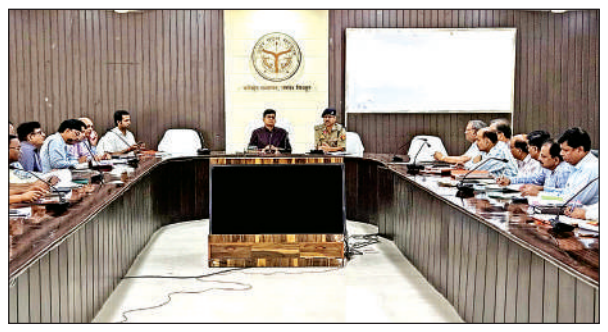

डीएम ने कहा कि बरसात में सिंचाई विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। घंटों में जलस्तर घटता बढ़ता है, व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लालजी को निर्देशित किया कि रामघाट पर पुनर्निर्माण को देखते हुए कार्यदायी संस्थाओं से वार्ता कर वहां पर पड़ी सामग्री को हटवाएं। रामघाट, परिक्रमा मार्ग व प्रमुख मार्गों पर सफाई बनी रहे, चेंजिंग रूम की व्यवस्था भी रहे। अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि बिजली सुचारु रहनी चाहिए। जिलाधिकारी ने बैठक में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग स्थल, पानी के टैंकर आदि के संबंध में भी निर्देश दिए। डीपीआरओ इंद्रनारायण सिंह से कहा कि भरतकूप से लेकर रामशैया तक सड़क के किनारे बढ़ी झाड़ियों की कटाई की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी समन्वय बनाकर कर्तव्य निर्वहन करें। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कटिहार, उप जिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम, मऊ सौरभ यादव, उप कृषि निदेशक राजकुमार, डीसी एनआरएलएम ओपी मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह।

- श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की हुई समीक्षा बैठक

केंद्र बंद मिले तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को बर्खास्त करें

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने मंगलवार को जिला पोषण समिति की बैठक की और संभव अभियान 5.0 पोषण संवर्धन की ओर एक कदम जून से सितंबर का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीडीओ ने निर्देश दिए कि जिन आंगनबाड़ी केंद्रों की प्रगति ठीक नहीं है, उनसे संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की जाए। जिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर सैम बच्चों का चिह्नांकन शून्य है, उन सभी संबंधित सुपरवाइजरों का वेतन रोकने की कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान अगर कोई आंगनबाड़ी केंद्र बंद पाया जाता है तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा समाप्ति की जाए। सीडीओ ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि ई -कवच एप में सैम मैम बच्चों की फीडिंग सही नहीं है, इसमें एएनएम के माध्यम से फीडिंग कराई जाए। सैम मैम बच्चों की सूची का परीक्षण कराकर रिपोर्ट दें।

सार-संक्षेप

पेयरिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते परिषदीय शिक्षक। अमृत विचार

स्कूलों की पेयरिंग के खिलाफ शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

चित्रकूट। परिषदीय स्कूलों की पेयरिंग के खिलाफ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला इकाई ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर जुलूस निकाला। बाद में इन्होंने प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। शिक्षकों का कहना था कि पेयरिंग-मर्जर की प्रक्रिया रोकी जाए और किसी भी विद्यालय को बंद न किया जाए।

12 को लगेगा रोजगार मेला

चित्रकूट। जिला समन्वयक उप्र कौशल विकास मिशन जितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि 12 जुलाई प्रात: 10 बजे से नवीन गल्ला मंडी परिसर, सेवायोजन कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार मेला लगेगा। इसमें देश की प्रतिष्ठित कंपनियां आएंगी। इनके द्वारा 1000 से अधिक पदों के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। बताया कि अधिक जानकारी के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चित्रकूट अथवा उप्र कौशल विकास मिशन कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं।

मानिकपुर और मऊ तहसीलों को मिली पहली रैंक

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के मार्गदर्शन में तहसील मऊ के उप जिलाधिकारी सौरभ यादव, मानिकपुर उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम की अगुवाई में आईजीआरएस प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। इन दोनों तहसीलों ने प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त किया है। दोनों उप जिलाधिकारियों ने स्वयं के स्तर पर आवेदक और संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्याओं का निस्तारण कराया। डीएम ने अन्य अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि आईजीआरएस एवं जनसुनवाई के दौरान आने वाली जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप समयसीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण करें और संबंधित समस्याग्रस्त व्यक्ति को अवगत भी कराएं।

खोये मोबाइल पाकर चेहरों पर लौटी मुस्कान

चित्रकूट। एसओजी/सर्विलांस टीम ने 51 मोबाइल फोन, उनके मालिकों के सुपुर्द किए। इनकी अनुमानित कीमत छह लाख 40 हजार रुपये है। इन लोगों ने मोबाइल खोने के संबंध में विभिन्न तिथियों में प्रार्थना पत्र दिए थे। एसपी अरुण कुमार सिंह ने एसओजी/सर्विलांस टीम को इनकी बरामदगी के लिए निर्देश दिए थे। प्रभारी एमपी त्रिपाठी की अगुवाई में टीम ने इनको बरामद किया। पुलिस टीम में मुख्य आरक्षी जितेंद्र कुमार, नितेश समाधिया, आरक्षी रोहित सिंह, आशीष यादव, ज्ञानेश मिश्रा, पवन राजपूत, राघवेंद्र, रोशन सिंह और गोलू भार्गव शामिल रहे।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में काउंसिलिंग शुरू

सीतापुर (चित्रकूट)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने एविएशन, हॉस्पिटालिटी और ड्रोन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें प्रवेश के लिए काउंसिलिंग शुरू हो गई। हिंदी भवन में काउंसिलिंग गैलरी में इस मौके पर कुलपति प्रो. भरत मिश्रा, एयर डिविट उड़ान एकेडमी के आनंद मिश्रा, पाठ्यक्रमों के निदेशक डा. आंजनेय पांडेय, उप निदेशक डा धर्मेंद्र सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष डा. ललित कुमार सिंह और एयर डिविट उड़ान एकेडमी के पदाधिकारी, काउंसलर्स और इंस्ट्रक्टर मौजूद रहे।

मंडलायुक्त ने पार्क में किया पौधरोपण

चित्रकूट। मंडलायुक्त अजीत कुमार ने मंगलवार को एसडीएम कॉलोनी पार्क में नीम का पौधा रोपा। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, प्रभागीय वनाधिकारी प्रत्यूष कुमार कटियार, एसडीओ राजीव रंजन, उप जिलाधिकारी पूजा साहू, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लालजी, नगर पंचायत राजापुर अध्यक्ष संजीव मिश्रा, सभासद शंकर यादव ने भी पौधरोपण किया। मंडलायुक्त ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण की अपील की। इस मौके पर सभासद शंकर यादव ने मंडलायुक्त को पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने पार्क के सर्वांगीण विकास और सुंदरीकरण की मांग है।

आक्रोश समाजसेवियों ने उप जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

अतिक्रमण की वजह से हो रहे हादसे

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार। कस्बे के तुलसी चौक में आयेदिन दुर्घटनाओं को देखते हुए समाजसेवियों ने मंगलवार को उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन को ज्ञापन दिया। इनका कहना था कि अतिक्रमण के चलते दुर्घटनाएं हो रही हैं और एक माह के अंदर तीन लोगों की जान जा चुकी है

समाजसेवी सुनील मिश्रा ने बताया कि बीते दिनों दुर्घटना से पति-पत्नी की मौत बहुत दुखद और दर्दनाक घटना थी। ऐसी घटनाएं न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ा आघात होती है। सड़क दुर्घटनाएं वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन और वाहन चलाने में अवरोध आने पर होती हैं। तुलसी चौक में भयंकर अतिक्रमण है। तुलसीतीर्थ होने से यहां भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। अतिक्रमण से इनको मानस पीठ तक पहुंचने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण वाहन निकलते हैं, जिनसे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे में अतिक्रमण हटाना अति आवश्यक है।

उप जिलाधिकारी रामऋषि को ज्ञापन देते समाजसेवी। अमृत विचार

जल्द होंगे अधूरे काम पूरे : एसडीएम

उप जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग प्रयागराज के अधिशासी अभियंता रविंद्र पाल व अवर अभियंता संदीप मौर्या के साथ बैठक कर ली गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग 731ए जी और राष्ट्रीय राजमार्ग 731ए का काम मानक के अनुसार जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। तुलसी चौक से तुलसी सेतु तक लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को तुरंत हटाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मानक का चिह्नांकन पर हटा नहीं अतिक्रमण

भारतीय जनता पार्टी के मंडल रामनगर उपाध्यक्ष शंकर दयाल जायसवाल ने बताया कि देवी तिराहे से लेकर 18 किलोमीटर दूर स्थित बोड़ी पोखरी तक और कर्वी बाईपास से लेकर यमुना पुल तक राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग प्रयागराज ने मानक निर्धारित किया था। सड़क के मध्य से 90 फुट दोनों तरफ चिह्नांकित करके छोड़ दिए जाने से अतिक्रमण पर रोक नहीं लगी। उन्होंने सीमांकन के अनुसार अतिक्रमण जल्द से जल्द हटाने की आवश्यकता बताई। साथ ही कहा कि अगर सही से अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो जल्द ही आंदोलन किया जायेगा।

स्टॉप डैम बना आकर्षण का केंद्र

सीतापुर (चित्रकूट)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कैंपस में स्टॉप डैम व अन्य संरचनाएं आकर्षण का केंद्र बनी हैं। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा की पहल पर स्थायी जल संरक्षण के लिए स्फटिक शिला स्थित मुख्य कैंपस में निर्माण इकाई ने कई आकर्षक और नयनाभिराम निर्माण किए हैं। इनको देखने के लिए चित्रकूट आने वाले श्रद्धालु कैंपस पहुंच रहे हैं। यह जल संरचनाएं ग्राम दर्शन, विवेकानंद सभागार प्रक्षेत्र में निर्मित की गई हैं, जो जल संरक्षण कार्यों के लिए एक प्रेरणास्रोत भी हैं। निदेशक निर्माण सीपी बस्तानी ने बताया कि वर्षा जल नाले के रास्ते मंदाकिनी नदी में बह जाता था। इस जल को रोकने के लिए स्टॉप डैम का निर्माण कराया गया है। ● अमृत विचार

व्यापार समझौते पर सावधानी बरते भारत

जीटीआरआई ने कहा- जवाबी शुल्क के सामने झुकाने का है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल

● समयसीमा बढ़ाए जाने से भारत को मिला तीन सप्ताह का समय

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का मॉडल मुक्त व्यापार समझौते का नहीं बल्कि अमेरिकी जवाबी शुल्क के सामने झुकने का है।

शोध संस्थान ने कहा कि अमेरिका ने बढ़ाए शुल्क लागू करने की समय-सीमा को नौ जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त कर दिया है, जिससे देश-विशिष्ट शुल्क लागू होने से पहले अंतिम तीन सप्ताह का समय मिल जाएगा। ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में कई देशों पर बढ़ाए शुल्क को टालने की अवधि 1 अगस्त तक बढ़ा दी है। शुल्क पर यह 90 दिवसीय निलंबन नौ जुलाई को समाप्त होना था। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को कई देशों को पत्र भेजे, जिसमें उनके उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। इन देशों में हालांकि भारत को शामिल नहीं किया गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अब ट्रंप दबाव बढ़ा रहे हैं। 7 जुलाई को उन्होंने 14 देशों को भेजे पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें बताया गया कि यदि वे समझौता करने में विफल रहे तो 1 अगस्त से उन्हें कितने शुल्क का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन ने जापान, दक्षिण कोरिया, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया पर सोमवार को 25% शुल्क लगाने की घोषणा की। श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका के अंतिम नोटिस में दी चेतावनियों में देशों के पास दो विकल्प हैं कि वे अमेरिकी शर्तों पर हस्ताक्षर करें या जवाबी शुल्क का सामना करें। चीन से अमेरिका का आयात मई 2025 में सालाना आधार पर 35% कम था। समयसीमा के खत्म होने की ओर बढ़ते हुए.. आगामी दिनों में समझौते की घोषणा करने वालों की सूची में भारत सबसे आगे नजर आ रहा है लेकिन उसे सावधानी से आगे बढ़ना होगा। श्रीवास्तव ने आगाह किया कि समझौतों को दरकिनार करने तथा ब्रिक्स सदस्यों पर एकतरफा शर्तें थोपने की अमेरिका की इच्छा जाहिर करने के मद्देनजर भारत को असंतुलित समझौते के जोखिमों और संबंधों के महत्व पर गौर करना चाहिए।

भारत को कपड़ा, फुटिवयर क्षेत्रों में होगा लाभः निर्यातक

नई दिल्ली। बांग्लादेश और थाइलैंड सहित एक दर्जन से अधिक देशों पर उच्च शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले के बाद भारत के परिधान और फुटवियर जैसे निर्यात क्षेत्रों को वहां के बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्यातकों ने यह बात कही। बांग्लादेश 2024 में 13.15% बाजार हिस्सेदारी के साथ अमेरिका को परिधान (बिना बुना हुआ) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। इस क्षेत्र में भारत का अमेरिका को निर्यात 2.5 अरब डॉलर था। लेकिन भारत शीर्ष तीन देशों में नहीं है। बुने हुए परिधानों में कम्बोडिया की हिस्सेदारी 6% है और वह भारत (5.09%) से आगे है। एक निर्यातक ने कहा, अमेरिकी परिधान बाजार में भारत को बांग्लादेश और वियतनाम से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश पर उच्च शुल्क से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि चमड़ा और परिधान जैसे क्षेत्रों को भारत के प्रतिस्पर्धी देशों से प्रतिस्पर्धी लाभ मिल सकता है। मुंबई के एक निर्यातक ने कहा कि थाइलैंड पर बढ़े हुए शुल्क से रबड़ और उसके उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है।

टमाटर महंगे, शाकाहारी-मांसाहारी थाली के बढ़े दाम

बारिश के मौसम में आवक कम होने से टमाटर के दाम बढ़ने के साथ ही रसोई पर भी भार बढ़ गया है, जिसने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। क्रिसिल के अनुसार शाकाहारी थाली की कीमत में तीन तो मांसाहारी थाली की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। वहीं आवक में 8% की गिरावट से टमाटर के दाम बढ़ गए है और आलू के दाम में भी 4% की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेबों पर पड़ता दिखाई दे रहा है।

ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की हुई वृद्धि

शाकाहारी थाली की कीमत मई में 26.2 रुपये की तुलना में जून में 3% बढ़कर 27.1 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत मई में 52.6 रुपये थी जो जून में 4% बढ़कर 54.8 रुपये हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक 'रोटी, चावल, दर' रिपोर्ट के अनुसार आवक में 8% की गिरावट से जून में टमाटर की कीमत में 36% की वृद्धि हुई, जिससे थाली की कीमत बढ़ गई। वहीं आलू की कीमत में 4% की वृद्धि हुई है। वहीं मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर की कीमतों में 5% की वृद्धि हुई है। क्रिसिल के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा कि मौसमी बदलावों से सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी से थाली की लागत बढ़ेगी। प्याज के आवक में अभाव और रबी स्टॉक को नियंत्रित ढंग से जारी किये जाने से और टमाटर की गर्मियों में कमजोर बुवाई से कीमते बढ़ेगी। सालाना आधार पर शाकाहारी भोजन में 8% और मांसाहारी भोजन में 6% की गिरावट आई है।

शाकाहारी थाली की लागत

● **शाकाहारी थाली** = (चावल/रोटी) + (दाल की लागत) + (सब्जियों की लागत) + (तेल की लागत) + (मसालों की लागत) + (अन्य जैसे अचार/सलाद)

मांसाहारी थाली की लागत

● **मांसाहारी थाली** = शाकाहारी थाली + (मांस/ब्रॉयलर की लागत) + (अतिरिक्त तेल व मसालों की लागत)

मई-जून में थालियों के मूल्य

थाली	मई	जून	बदलाव (%)
शाकाहारी थाली	26.2	27.1	3% वृद्धि
मांसाहारी थाली	52.6	54.8	4% वृद्धि

जेन स्ट्रीट की जांच 2024 में शुरू हुई : बुच

मुंबई, एजेंसी

● सेबी की पूर्व चेयरपर्सन ने नियामकीय विफलता का आरोप लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण बताया

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक अप्रैल, 2024 से जेन स्ट्रीट मामले पर नजर रखे हुए है। उन्होंने नियामकीय विफलता का आरोप लगाने के प्रयासों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

लिखित बयान में बुच ने जेन स्ट्रीट के खिलाफ सेबी के अंतरिम आदेश के घटनाक्रम का उल्लेख किया। सेबी ने विदेशी हेज कोष जेन स्ट्रीट पर हेराफेरी के जरिये वायदा एवं विकल्प सौदों से अर्जित 4,800 करोड़ से अधिक राशि को जब्त करने और उसकी बाजार पहुंच रोकने का पिछले सप्ताह आदेश जारी किया था। बुच ने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक वर्ग स्पष्ट तथ्यों को नजरअंदाज कर यह कहकर गलत कहानी गढ़ने का प्रयास कर रहा है कि सेबी की ओर से नियामकीय विफलता हुई है। घटनाक्रम से पता चलता है कि सेबी ने मामले की जांच अप्रैल, 2024 में ही शुरू कर दी थी। नियामक ने कई कदम उठाए हैं, जिनमें सूचकांक में हेरफेर की पहचान, परिपत्र जारी करना और जेन स्ट्रीट को अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच कुछ खास ट्रेडिंग पैटर्न को बंद करने और रोकने के लिए चेतावनी पत्र जारी करना शामिल है। अक्टूबर, 2024 में सेबी द्वारा भी नीतिगत हस्तक्षेप शुरू किए और अंततः फरवरी, 2025 में सेबी ने एनएसई को जेन स्ट्रीट को बंद करें एवं रोकें पत्र जारी करने का निर्देश दिया।

फास्टैग से टोल संग्रह 19.6% बढ़कर 20,682 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईसीटी) के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में फास्टैग के जरिये राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह 19.6 प्रतिशत बढ़कर 20,681.87 करोड़ रुपये हो गया।

एनईटीसी के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में टोल उपयोगकर्ताओं की संख्या भी 16.2 प्रतिशत बढ़कर 117.3 करोड़ हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 100.98 करोड़ थी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक अप्रैल, 2025 से देशभर के राजमार्ग खंडों पर टोल शुल्क में औसतन 4-5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में कहा था कि सरकार 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3,000 रुपये की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश करेगी।

बैंक और आईटी ने शेयर बाजार को दिया बल

मुंबई, एजेंसी

● सेंसेक्स 270 अंक चढ़ा तो निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर हुआ बंद

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 270 अंक के लाभ में रहा। वहीं एनएसई का निफ्टी 25,500 अंक के ऊपर बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में मजबूत रुख के साथ बैंक तथा चुनिंदा आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

बीएसई का सेंसेक्स 270.01 अंक की तेजी के साथ 83,712.51 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। एनएसई का निफ्टी 61.20 अंक की बढ़त के साथ 25,522.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने से पहले कुछ शेयरों में लिवाली हुई। निवेशकों को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में ठोस प्रगति का इंतजार है। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि, टाइटन में 6% से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा ट्रेंट, एक्सिस बैंक, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर नुकसान में रहे।

एशियाई बाजारों में भी बढ़त

बीएसई स्मॉलकैप 0.17% नीचे आया, जबकि मिडकैप 0.01% की मामूली बढ़त के साथ स्थिर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में बंद हुए। यूरोप में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59% टूटकर 69.17 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 321.16 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 1,853.39 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

राष्ट्रीय

एक नजर

इंडिगो के विमान में बम की अफवाह पर प्राथमिकी

चंडीगढ़। हैदराबाद से गत सप्ताह शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे इंडिगो के विमान में बम की अफवाह के संबंध में पंजाब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि 5 जुलाई को हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सफाई के दौरान उसके शौचालय में अंदर बम है लिखा एक टिशू पेपर मिला था। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमरप्रीत सिंहने बताया कि ये सूचना लिखी मिलने के बाद विमान की गहन तलाशी ली गई, लेकिन इस दौरान कोई विस्फोटक नहीं मिला।

एमबीबीएस छात्र की याचिका पर सुनवाई से शीर्ष इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एमबीबीएस छात्र की उस याचिका पर सुनवाई करने से मंगलवार को इनकार कर दिया, जिसमें उसने ओडिशा स्थित मेडिकल कॉलेज में उसका दाखिला कोई पूर्व सूचना दिए बिना रद्द किए जाने को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और आर महादेवन की आंशिक कार्य दिवस (पीडब्ल्यूडी) पीठ ने छात्र के वकील हर्षित अग्रवाल से कहा कि वह अपनी शिकायतें लेकर हाईकोर्ट जाएं। याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज किया जाता है।

हिरासत में भेजे गए विधि छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी

कोलकाता। अलीपुर अदालत ने मंगलवार को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म में आरोपी तीन लोगों को 22 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस अभियोजकों ने अनुरोध किया कि मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा, जैब अहमद तथा प्रमित मुखर्जी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाए, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

वन भूमि पर बना सकते हैं स्कूल-सड़क

पर्यावरण मंत्रालय को लिखे पत्र में एमओटीए ने कहा- सार्वजनिक निर्माण के लिए मंजूरी जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● अधिनियम बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की देती है अनुमति

जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमओटीए) ने पर्यावरण मंत्रालय को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)-2006 के तहत वन भूमि पर स्कूल, आंगनवाड़ी और सड़क जैसी सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए वन्यजीव मंजूरी जरूरी नहीं है, बशर्ते कि इनकी सिफारिश ग्राम सभा द्वारा की गई हो। मंत्रालय ने दो जुलाई को जारी ज्ञापन में एफआरए की धारा 3(2) को लेकर यह स्पष्टता दी है।

यह धारा वन क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों व अन्य पारंपरिक वनवासियों (ओटीएफडी) के लिए बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए वन भूमि के सीमित उपयोग की अनुमति देती है। इसमें स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़कें और सिंचाई परियोजनाएं हैं। ज्ञापन अनुसार, एफआरए की धारा 3(2) कहती है कि वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 में जो भी नियम हैं, उसके बावजूद केंद्र सरकार वन भूमि को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क जैसी जरूरी सुविधाएं बनाने को इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ग्राम सभा इसे मंजूरी दे। अक्टूबर 2020 में जारी पत्र में, पर्यावरण मंत्रालय ने कहा था कि एफआरए की धारा 13 जो कहती है कि कानून फिलहाल लागू किसी अन्य कानून के अतिरिक्त है और उसका खंडन नहीं करता है, का तात्पर्य है कि धारा 3(2) को लागू करने के लिए वन्यजीव मंजूरी की जरूरत होगी। जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अब यह स्पष्ट किया है कि एफआरए की धारा 3(2) संवैधानिक अधिकारों और सुरक्षा उपायों में निहित है, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(ई) और 21, साथ ही पांचवीं और छठी अनुसूचियां शामिल हैं, जो जनजातीय अधिकारों की रक्षा करती हैं। पत्र अनुसार, धारा 3(2) के तहत वन भूमि के उपयोग में बदलाव के अधिकार को धारा 2(ई), 4(1), 4(2) और 4(7) के साथ पढ़ाना चाहिए। ये प्रावधान पुष्टि करते हैं कि वन अधिकार आदिवासी और वनवासी समुदायों में ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने के लिए निहित हैं। शोधकर्ता सीआर बिजॉय ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय के 2020 के पत्र का वन अधिकारियों द्वारा एफआरए की धारा 3(2) के तहत वन गांवों में बुनियादी सुविधाओं को अवरुद्ध करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जबकि राज्यों को कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है।

कक्षा छह में 53% विद्यार्थी ही जानते है 10 तक का पहाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

● शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में कर सकते हैं व्यवस्थित

शिक्षा मंत्रालय के सर्वेक्षण अनुसार कक्षा 3 के 55% छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि कक्षा 6 के 53% छात्र 10 तक का पहाड़ा जानते हैं। समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) राष्ट्रीय सर्वेक्षण, जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) के रूप में जाना जाता था, पिछले साल चार दिसंबर को आयोजित किया गया था।

इस सर्वेक्षण में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 781 जिलों के 74,229 स्कूलों में कक्षा 3, 6 और 9 के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के 21,15,022 छात्रों को शामिल किया गया था। तीनों कक्षाओं के 1,15,022 बच्चों का मूल्यांकन हुआ और 2,70,424 शिक्षकों और स्कूल का नेतृत्व करने वालों ने प्रश्नावली के माध्यम से जवाब दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कक्षा 3 के 55% विद्यार्थी ही 99 तक की संख्याओं को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित कर सकते हैं, जबकि 58% विद्यार्थी दो अंकों की संख्याओं का जोड़ और घटाव कर सकते हैं। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर गणित में सबसे कम अंक (46%) प्राप्त किए, जबकि भाषा में औसतन 57% और हमारे आस-पास की दुनिया में 49% अंक प्राप्त किए। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, ऐसे उदाहरण जहां 50% से कम छात्र सही उत्तर देने में सक्षम थे। कक्षा नौ में केंद्र सरकार के स्कूलों के छात्रों ने सभी विषयों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, भाषा में स्पष्ट बढ़त हासिल की।

खरगे ने किया मूर्मू-कोविंद के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

● भाजपा ने आरोप लगाते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा

भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया और उनसे तथा उनकी पार्टी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा।

एक दिन पहले खरगे ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नामों का गलत उच्चारण किया था, लेकिन तुरंत ही गलती सुधार ली। खरगे ने सोमवार को रायपुर की जनसभा में कहा था, भाजपा हमेशा द्रौपदी मुर्मू और (रामनाथ) कोविंद को राष्ट्रपति बनाने की बात करती है, लेकिन क्या पार्टी ने ये सब हमारी संपत्ति, जंगल, जल और जमीन छीनने के लिए किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि खरगे ने राष्ट्रपति मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। भाटिया ने कहा खरगे ने रामनाथ कोविंद को कोविड और राष्ट्रपति को मुरमा कहा और राष्ट्रपति मुर्मू को भू-माफिया कहते हैं और आरोप लगाते हैं कि वह संपत्ति, जंगल छीनने के लिए राष्ट्रपति बनी हैं।

आंबेडकर चाहते थे कि न्यायपालिका कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त हो

मुंबई। प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने मंगलवार को यहां कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने संविधान की सर्वोच्चता की बात की थी और उनका मानना था कि न्यायपालिका को कार्यपालिका के हस्तक्षेप से मुक्त होना चाहिए। वह शीर्ष न्यायिक पद पर पदोन्नत होने पर महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा अपना अभिनंदन किए जाने के बाद बोल रहे थे। न्यायमूर्ति गवई ने विधानमंडल में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने कहा था, हम सभी संविधान की सर्वोच्चता में विश्वास करते हैं, जो शांति और युद्ध के दौरान देश को एकजुट रखेगा। सीजेआई ने कहा कि संविधान तीनों अंगों - कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को अधिकार देता है तथा आंबेडकर के अनुसार न्यायपालिका को नागरिकों के अधिकारों की प्रहरी और संरक्षक के रूप में काम करना है।

● सीजेआई गवई ने महाराष्ट्र विधानमंडल को किया संबोधित

परेशानी की बारिश

दक्षिणी पश्चिम बंगाल में मूसलाधार बारिश के कारण मंगलवार सुबह कोलकाता और उसके पड़ोसी इलाकों के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। एजेंसी

तमिलनाडु में स्कूल वैन ट्रेन की चपेट में आई, तीन छात्रों की मौत

कडलूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में कडलूर जिले के सेम्मनगुप्पम में मंगलवार सुबह स्कूल वैन के ट्रेन की चपेट में आने से तीन छात्रों की मौत हो गई। दक्षिण रेलवे ने इस घटना के लिए माफी मांगी है और उसने बताया कि रेलवे फाटक पर तैनात गेटकीपर को निलंबित कर गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि सुबह पौने आठ बजे छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन ने कडलूर और अलप्पक्कम के बीच रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 170 को पार करने का प्रयास किया और इस दौरान वह ट्रेन संख्या 56813 विल्लुपुरम-मयिलादुथुराई यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूली वैन टक्कर लगने से रेलवे क्रॉसिंग से कुछ दूर उछलकर गिरी। लोको पायलट ने कुछ दूर जाकर ट्रेन को रोक लिया। रेलवे ने कहा कि वैन चालक ने देर से बचने के लिए फाटक खोलने पर जोर दिया, जबकि वैन चालक और घायलों में एक छात्र ने दावा किया कि फाटक खुला हुआ था।

रोजगार देने के लिए नीतीश बनाएंगे बिहार युवा आयोग

पटना, एजेंसी

● मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर देने के उद्देश्य से बिहार युवा आयोग गठित करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आयोग के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

विपक्ष के राज्य में रोजगार के अवसरों की कमी के आरोपों के बीच, विस चुनाव से कुछ महीनों पहले यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, उन्हें प्रशिक्षित करने तथा उन्हें सशक्त एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय लिया है। यह आयोग युवाओं की स्थिति में सुधार और उत्थान से संबंधित मामलों पर सरकार को सलाह देने में भूमिका निभाएगा। यह बेहतर शिक्षा और रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सरकारी विभागों के साथ समन्वय भी करेगा।

दिल्ली दंगे के आरोपियों को कब तक जेल में रख सकते हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस से सवाल किया कि फरवरी 2020 के दंगों से संबंधित आतंकी मामले में आरोपियों को कितने समय तक जेल में रखा जा सकता है, क्योंकि मामले के पांच साल बीत गए हैं और आरोपों पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने दंगों में बड़ी साजिश से संबंधित मामले में आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस से यह सवाल किया।

चार नदियों में भीषण बाढ़ 11 नदियां खतरे से ऊपर

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को बताया कि असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चार नदियों में भीषण बाढ़ आ गई है, जबकि 11 अन्य नदियां खतरे से ऊपर बह रही हैं। किसी भी नदी ने पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर को पार नहीं किया है, जबकि असम के गोलाघाट जिले में धनसिरी (दक्षिण) और नुमालीगढ़ में नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी मंडला में खतरे के निशान से थी, हालांकि जल स्तर में कमी देखी गयी है। वहीं, महाराष्ट्र के भंडारा में वैनगंगा नदी ने खतरे के निशान को पार कर लिया है। इनके अलावा, असम, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में 11 नदियां सामान्य से ऊपर हैं। उत्तर प्रदेश में एल्गिनब्रिज पर घाघरा नदी, बिहार के डुमरिया घाट पर गंडक नदी, और ओडिशा में बैतरणी तथा जलका नदियां भी चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही हैं, हालांकि इनके जल बहाव में भिन्नता देखी गई है।

गोपाल खेमका की हत्या का मुख्य संदिग्ध मुठभेड़ में ढेर

पटना, एजेंसी

● पुलिस ने मामले में पहले ही दो लोगों को किया है गिरफ्तार

उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले का प्रमुख संदिग्ध पटना के दमरिया घाट इलाके में सोमवार देर रात को पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया। संदिग्ध विकास उर्फ राजा (29) कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था।

अधिकारी ने बताया कि हत्या मामले की जांच कर रहे अधिकारियों की टीम विकास की तलाश में देर रात 2.25 बजे दमरिया घाट पहुंची। पुलिस को देखते ही उसने भागने की कोशिश की और गोलियां चलाईं। ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें वह मारा गया। इस घटना में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है। मौके से एक पिस्तौल एवं कारतूस बरामद किए गए हैं। आशंका है कि पटना में मालसलामी निवासी विकास ने ही खेमका की हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार मुहैया कराया था। पुलिस ने पहले ही उमेश राय को गिरफ्तार किया है और एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लिया है, जिस पर सुपारी देने का संदेह है।

भारत को लॉर्ड्स में तेजी व उछाल से मात देना चाहता है इंग्लैंड

तीसरे टेस्ट के लिए अंग्रेज टीम अपनी रणनीति में कर रही कई बदलाव

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड ने इस सप्ताह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इस मैच में जॉफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की वापसी हो सकती है। इसके साथ ही वे भारत से एजबस्टन में मिली 336 रन की बुरी हार से भी उबरना चाहते हैं।

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। पिछले महीने लॉर्ड्स में हुए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान तेज गेंदबाजों का दबदबा दिखा था, जहां पैट कमिंस और कैगिसो रबाडा को अच्छी सीम मूवमेंट मिली थी। मैकुलम ने भी ऐसी ही पिच की मांग की है, जिसमें थोड़ी रफ्तार, उछाल और मूवमेंट हो।

उन्होंने कहा यह मैच शानदार होगा, लेकिन अगर पिच में जान रही तो यह और भी जबरदस्त होगा। 2018 में लॉर्ड्स की हरियाली भरी पिच पर भारत बुरी तरह फंस गया था, लेकिन चार साल पहले टीम ने यहां पर एक रोमांचक टेस्ट मैच भी जीता था। भारत बर्मिंघम में आराम

इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम व कप्तान बेन स्टोक्स। ● एजेंसी

दिए गए जसप्रीत बुमराह की वापसी का इंतजार कर रहा है। वह भी एक अलग तरह की पिच की उम्मीद कर रहा है। उनके कप्तान शुभमन गिल ने कहा देखते हैं लॉर्ड्स में हमें कैसी पिच मिलती है। मेरा अंदाजा है कि यह सपाट नहीं होगी। आर्चर ने दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के साथ अभ्यास किया था और पूरी तरह से गेंदबाजी भी की थी। वह पिछले महीने ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे और धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। कोहनी और पीठ की चोटों के चलते वह फरवरी 2021 से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं।

मैकुलम ने इशारा दिया है कि वह वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा वह (आर्चर) चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमारे तेज गेंदबाज लगातार दो टेस्ट खेल चुके हैं और अब हमें मुख्य मैदान पर जाना है। हम इस मैच के बाद हम स्थिति का आकलन करेंगे। वहीं जोफ्रा फिट हैं, मज़बूत हैं, खेलने के लिए तैयार हैं और वह चयन के दायरे में होंगे। यह हमारे लिए एक उत्साहजनक खबर है। वह टीम के साथ रहकर काफी खुश हैं और उनका टीम के साथ होना शानदार है। उन्होंने काफी चोटें झेली हैं और लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। लेकिन हम सभी जानते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्या हासिल कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि उन्हें जो भी अवसर मिलेगा, वह उसमें बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। इंग्लैंड के पास गुरुवार से पहले सिर्फ एक पूर्ण अभ्यास सत्र होगा क्योंकि पहले दो टेस्ट में उन्हें कुल 443 ओवर फील्डिंग करनी पड़ी है। उन्होंने मंगलवार का वैकल्पिक अभ्यास सत्र रद्द कर दिया है और ब्राइडन कार्स, जॉश टंग और क्रिस वोक्स के लिए पहली प्राथमिकता उनकी रिकवरी होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है और उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा लंबी रही है। लेकिन उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय दल में शामिल किया गया है, , जिसमें आर्चर, सैम कुक और जैमी ओवर्टन भी अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में हैं। एटकिंसन का लॉर्ड्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है।

मैकुलम ने कहा हमें गस को अच्छी तरह देखना होगा। हम देखेंगे इस टेस्ट के बाद उनकी स्थिति क्या रहती है। तेज गेंदबाजों का वर्कलोड बहुत अधिक रहा है।

स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में गिरावट आई : आर्थटन

लंदन : पूर्व कप्तान माइकल आर्थटन ने एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम की भारत के हाथों शर्मनाक हार के बाद कहा कि बेन स्टोक्स की बल्लेबाजी फॉर्म में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आई है, विशेषकर ऐसे समय में जब उन्हें आलोचनाओं का सामना कर रही इंग्लैंड टीम की आगे बढ़कर अगुवाई करनी चाहिए।

लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी। ● एजेंसी

जसप्रीत बुमराह। ● एजेंसी

बुमराह ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया

लंदन, एजेंसी

जसप्रीत बुमराह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं क्योंकि भारत के इस स्टार तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले नेट सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। उन्होंने लगभग 45 मिनट तक गेंदबाजी करने के बाद बाएं हाथ की स्पिन और थ्रोडाउन के खिलाफ बल्लेबाजी का भी अभ्यास किया।

कप्तान शुभमन गिल ने एजबेस्टन में यह स्पष्ट कर दिया था कि गेंदबाजी के बोझ के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहने वाले बुमराह फिर से मैदान पर उतरेंगे। तीसरे टेस्ट से पहले टीम के पहले सत्र में बुमराह काफी जोश में नजर आए। उन्होंने लगातार अपने साथी खिलाड़ियों और कई बार भारतीय मीडिया से भी बातचीत की। पूरी संभावना है कि एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह बुमराह को मौका दिया जाएगा। बुमराह ने सत्र में धीरे-धीरे पूरी ताकत से गेंदबाजी की लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने और भी कड़ी मेहनत की और करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह देखना होगा कि भारत एजबेस्टन की तरह दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरता है या नहीं। नितीश रेड्डी चौथे तेज गेंदबाज के विकल्प थे। गिल, लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज ने अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया। पहले दो टेस्ट मैच में सिराज ने भारतीय तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक ओवर फेंके हैं। सिराज हमेशा मैदान पर अपना शत प्रतिशत देते हैं पर भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उनके काम के बोझ का प्रबंधन किया जाएगा।

एक नजर

अर्जुन एरिगैसी और गुकेश को फिडे ग्रैंड स्विस में शीर्ष वरीयता

नई दिल्ली : भारतीय स्टार अर्जुन एरिगैसी और विश्व चैंपियन डी गुकेश को उज्बेकिस्तान के समरकंद में तीन से 16 सितंबर तक होने वाले चौथे फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट में क्रमशः पहली और दूसरी वरीयता दी गई है। इस प्रतियोगिता में बढ़ी हुई पुरस्कार राशि और प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के टिकट दांव पर होंगे। नियमों के अनुसार, ओपन और महिला प्रतियोगिता दोनों में शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी अगले साल होने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाएंगे। इस प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिन्होंने जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच 30 से अधिक क्लासिकल मैच खेल हो। पूर्व विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन और विश्वनाथन आनंद जैसे खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे।

हॉकी कोच फुल्टन ने प्रो लीग में हार की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली : भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की मंगलवार को पूरी जिम्मेदारी ली। इस हार के साथ ही अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। फुल्टन ने चीजों को 'सुधारने' के साथ एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर विश्व कप में जगह बनाने का वादा किया। भारतीय टीम भुवनेश्वर में प्रो लीग के आठ घरेलू मैचों के बाद 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थी, लेकिन यूरोपीय दौरे पर वह सिर्फ तीन अंक ही जोड़ पाई।

मैराज, गनेमत और भवतेग फाइनल में जगह बनाने के करीब

लोनाटो (इटली) : भारतीय निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने दूसरे दिन 25 के दो परफेक्ट राउंड बनाकर खुद को मैराज अहमद खान के साथ यहां आईएसएसएफ विश्व कप (शॉटगन) में पुरुषों की स्कीट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। पहले चार क्वालीफाइंग राउंड के बाद इन दोनों का स्कोर 98 है। महिलाओं की स्कीट में गनेमत सेखों भी 24-24 राउंड के साथ फाइनल में पहुंचने की मजबूत दावेदार बनी हुई है। पुरुषों की स्कीट में भवतेग ने अब तक चार में से तीन राउंड में 25 का परफेक्ट स्कोर बनाया।

चोटिल रऊफ और शादाब पाकिस्तान की टी20 टीम से बाहर

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और आलराउंडर शादाब खान चोटिल होने के कारण इस महीने बांग्लादेश में होने वाली टी-20 शृंखला में नहीं खेल पाएंगे। रऊफ को पिछले सप्ताह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जबकि शादाब ने हाल ही में कंधे की सर्जरी करवाई है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के दौरे के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें अभी तक कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलने वाले तेज गेंदबाज अहमद दानियाल और सलमान मिर्जा को भी शामिल किया गया है।

हरमनप्रीत और शेफाली को सीरीज जीतने के लिए दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर, एजेंसी

● पांच मैचों की शृंखला में भारत 2-1 से आगे चल रहा, चौथा मैच रात 11 बजे से

भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत पांच मैचों की शृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही।

स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे। हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी।

कप्तान हरमनप्रीत कौर। ● एजेंसी

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड : टैमी ब्यूमोंट (कप्तान), एम अर्लट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फिलर, एमी जोन्स (विकेट कीपर), पैगे स्कोल्फील्ड, लिंसी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज, इसी वोंग, माइया बाउचियर।

दीप्ति शर्मा टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं

दुबई : भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी 20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से अपने करियर में पहली बार नंबर एक गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले छह वर्षों में अधिकतर समय टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 10 में रही हैं, लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद वह कभी नंबर एक गेंदबाज नहीं बन पाई।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के नवीनतम अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है और उन्होंने आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। दाएं हाथ की यह गेंदबाज अब रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे है। दीप्ति ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी-20 शृंखला के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी नवीनतम रैंकिंग में सुधार किया है।

मेरा लक्ष्य 90 किग्रा वजन उठाना

मोदीनगर, एजेंसी

● अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के मौके पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू में बताया लक्ष्य

मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में लगभग हर उपलब्धि हासिल की है लेकिन टोक्यो ओलंपिक की यह रजत पदक विजेता अब भी स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने के अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाई है। चोटों ने उनके पिछले ओलंपिक चक्र को बाधित किया था और इस पूर्व विश्व चैंपियन ने पेरिस ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहने के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है। हालांकि तकनीक में हाल ही में किए गए बदलाव ने लक्ष्य को हासिल करने के उनके भरोसे को फिर जगा दिया है।

अस्मिता भारोत्तोलन लीग के उद्घाटन के इतर पीटीआई द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में चानू ने कहा मेरा लक्ष्य अब भी 90 किग्रा है। मैं (2026) एशियाई खेलों में पूरी ताकत से प्रतिस्पर्धा करूंगी।मणिपुर की इस खिलाड़ी ने 2019 से 90 किग्रा को लक्ष्य बनाया है लेकिन ट्रेनिंग के दौरान इस बाधा को पार करने के बावजूद वह प्रतियोगिता में उस सफलता को दोहराने में नाकाम रहीं हैं। चानू ने

मीराबाई चानू। ● एजेंसी

कहा 2026 एशियाई खेलों से पहले मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी, जहां हम यह भी आकलन करेंगे कि 48 किग्रा वर्ग में बेहतर होने के लिए मुझे क्या करना है। उन्होंने कहा यह सब हमें विश्व चैंपियनशिप में पता चलेगा लेकिन स्नैच में 90 किग्रा को पार करने की योजना है। यहां तक कि जूनियर भी अब 90 किग्रा को पार कर चुके हैं। हाल ही में चीन के एक जूनियर खिलाड़ी ने यह वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क चानू का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पेरिस ओलंपिक में उन्हें इसमें निराशा हाथ लगी। वह अपने पहले प्रयास में 111 किग्रा और अपने अंतिम प्रयास में 114 किग्रा उठाने में विफल रहीं जिससे वह ओलंपिक में दूसरे पदक से केवल एक किग्रा से चूक गईं। क्लीन एवं जर्क में चानू ने 119 किग्रा उठाकर एक बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन चानू को पेरिस में अपने स्नैच प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है जहां उन्होंने 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की।

चानू ने कहा मेरे स्नैच में प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पहले मैं 88-89 किग्रा नहीं उठा पाती थी लेकिन ओ लंपिक में मैंने 88 किग्रा उठाया।'' चानू भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर स्नैच में अपने प्रदर्शन में सुधार पर काम कर रही हैं। उनका मानना है कि यह हमेशा से उनकी कमजोरी रहा है।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को पिछले 20 साल में पारी और 236 रन से सबसे बड़ी शिकस्त दी

बुलावायो : दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे की दूसरी पारी को 220 रन पर समेट कर उसे पिछले 20 साल में पारी से सबसे बड़ी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने महज तीन दिन के अंदर पारी और 236 रन की शानदार जीत दर्ज की।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 2-0 से सूपड़ा साफ किया। दक्षिण अफ्रीका ने कार्यवाहक कप्तान वियान मुल्डर के नाबाद 367 रन के दम पर पांच विकेट पर 626 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जिम्बाब्वे की टीम सोमवार को अपनी पहली पारी में 43 ओवर में 170 रन पर आउट हो गयी थी जिसके बाद उसे फॉलोऑन दिया गया। टीम मंगलवार को अपनी दूसरी पारी में 220 रन पर आउट हो गयी। जिम्बाब्वे की टीम ने इस मैच में कुल 390 रन बनाये जो मुल्डर के स्कोर से सिर्फ 23 रन अधिक था। मुल्डर का चोटिल टेम्बा बावुमा और केशव महाराज की अनुपस्थिति में कप्तान के तौर पर यह पहला टेस्ट मैच था। उन्होंने बल्ले से योगदान देने के साथ तीन विकेट भी चटकाए और तीन कैच लपके। वह मैच और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये। जिम्बाब्वे ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में एक विकेट पर 51 रन से की थी।

सिनर कोहनी की चोट के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

लंदन, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया।

यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी

यानिक सिनर। ● एजेंसी

कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। पुरुष वर्ग में मारिन सिलिच को स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू हुए चौथे दौर के मैच में फ्लेवियो कोबोली से 6-4, 6-4, 6-7 (4), 7-6 (3) से हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल में मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को हराया

लंदन : महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। एंड्रीवा का अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिक से होगा, जो ऑल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करने के 11 साल बाद पहली बार विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं। बेनसिक ने 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा को 7-6 (4), 6-4 से हराया। इसके अलावा लियुडमिला सैमसोनोवा नंबर दो कोर्ट पर जेसिका बौजास मानेरो को 7-5, 7-5 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंची। सैमसोनोवा ने इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना इगा स्वियाटेक से होगा।

विश्व कप जैसे दबाव में खेलते हैं टेनिस खिलाड़ी : कोहली

लंदन : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टेनिस खिलाड़ी हर सप्ताह जिस तरह की दबाव का का सामना करते हैं, उसकी तुलना क्रिकेट में केवल विश्व कप के नॉकआउट और भारत बनाम पाकिस्तान के मैच से की जा सकती है। टी-20 अंतर्राष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली ने सोमवार को अपनी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ विंबलडन का मैच देखने के बाद यह तुलना की। वह दिन के कार्यक्रम के दौरान टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज के साथ बातचीत कर रहे थे। कोहली पिछले कुछ समय से क्रिकेट से दूर रहने के दौरान लंदन में ही रहते हैं। उन्होंने 'स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित साक्षात्कार में कहा मुझे लगता दोनों खेलों में यह अनुभवी (दबाव की स्थितियों में) एक जैसा हो सकता है। हम इस तरह के दबाव (टेनिस खिलाड़ियों के जैसा) का सामना भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच में या विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल में महसूस करते है।

बिना वीजा चीन की यात्रा कर सकेंगे 74 देशों के नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी

- अर्थव्यवस्था के लिए चीन ने वीजा नियमों में दी ऐतिहासिक छूट

चीन ने अपने वीजा नियमों में ऐतिहासिक रूप से ढील दी है, जिससे 74 देशों के नागरिक अब बिना वीजा के 30 दिनों तक इस एशियाई देश की यात्रा कर सकते हैं। इस नीति का उद्देश्य पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

पिछले वर्ष दो करोड़ से अधिक लोग बिना वीजा के चीन गए थे, जो 2023 के मुकाबले दोगुनी संख्या है। वीजा नियमों में ढील दिए जाने के बाद अब विदेशी पर्यटक चीन जा रहे हैं। ऑस्ट्रिया में रह रहे जॉर्जिया के एक नागरिक जॉर्जी शावाद्जे ने बीजिंग में 'टेम्पल ऑफ हेवन' की अपनी हालिया यात्रा के बारे में कहा, यह वास्तव में यात्रा को आसान बनाता है क्योंकि वीजा के लिए आवेदन करना और उसकी पूरी प्रक्रिया से गुजरना एक झंझट होता था।

कोविड-19 के कारण लगे कड़े प्रतिबंधों को हटाने के बाद चीन ने 2023 की शुरुआत में पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं फिर खोल दी थीं, लेकिन उस वर्ष 1.38 करोड़ लोग ही चीन गए थे, जो पहले 2019 के 3.19 करोड़ के आधे से भी कम है। दिसंबर 2023 में चीन ने फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्पेन और मलेशिया के लिए बिना वीजा के यात्रा की घोषणा की थी। तब से अधिकतर यूरोपीय देशों को यह सुविधा मिल चुकी है तथा 16 जुलाई को अजरबैजान के जुड़ने से इन देशों की संख्या 75 हो जाएगी।

नेपाल को चीन से जोड़ने वाला पुल बाढ़ में ध्वस्त, 18 लापता

काठमांडू। नेपाल में मानसून की बारिश की वजह से आई बाढ़ में हिमालयी देश को चीन से जोड़ने वाला मुख्य पुल सोमवार देर रात ध्वस्त हो गया और 18 लोग लापता हो गए हैं।

चीन में लगातार मानसूनी बारिश के कारण सोमवार रात नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई, जिसके बाद से 18 लोग लापता हैं। काठमांडू से 120 किलोमीटर उत्तर पूर्व में रसुवा जिले में स्थित मितेरी पुल सोमवार देर रात सवा तीन बजे बाढ़ में पानी के तेज बहाव की वजह से ध्वस्त हो गया। छह चीनी नागरिकों सहित 18 लोग लापता हो गए। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की संयुक्त टीम ने दो पुलिसकर्मियों सहित 11 लोगों को बचाया।

धार्मिक आस्था से राजनीति तक

कांवड़ यात्रा में 'पहचान के विवाद'

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस-प्रशासन और सरकारों के सामने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था जैसी कई चुनौतियां पहले से रही हैं लेकिन हाल के कुछ वर्षों में कांवड़ मार्गों पर मुस्लिमों की हिंदू नामों से खाने-पीने की चीजों की दुकानों को लेकर होने वाले विवाद सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। इस तरह के विवाद सामाजिक और धार्मिक ही नहीं, राजनीतिक स्तर पर काफी चर्चा में रहे हैं। दरअसल, इस विवाद के कई अलग-अलग पहलू हैं जिनमें धार्मिक आस्था, सुरक्षा, प्रशासनिक निर्णय और राजनीतिक ध्रुवीकरण प्रमुख हैं। कुछ साल पहले ही शुरुआत के बाद इन विवादों ने इस कदर तूल पकड़ा है कि राज्य सरकारों को इस पर कड़े नियम-कायदे बनाने के लिए विवश होना पड़ा है। हालांकि, इसके बाद भी ये विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं।

विवादों का मूल कारण- नाम छिपाना

नाम छिपाना इन विवादों का मूल कारण हैं। कुछ हिंदू संगठनों और यात्रियों का आरोप है कि कांवड़ यात्रा जैसे पवित्र हिंदू धार्मिक आयोजन में मुस्लिम दुकानदारों की उपस्थिति धार्मिक भावना को ठेस पहुंचा सकती है। उनका दावा है कि ये लोग जानबूझकर दूषित वस्तुएं या अशुद्ध जल का इस्तेमाल कर कांवड़ियों की धार्मिक आस्था को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ संगठन ये आशंका भी जताते रहे हैं कि इस माध्यम से धर्म का प्रचार या धर्मांतरण का प्रयास हो सकता है, हालांकि इसका कभी कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है।

पिछले वर्षों में प्रमुख विवाद

- हरिद्वार में वर्ष 2022 में हरकी पौड़ी के पास मुस्लिम दुकानों को बंद कराने की मांग की गई थी। कुछ दुकानों में तोड़फोड़ भी की गई।
- मेरठ में वर्ष 2023 में कांवड़ मार्ग पर एक फूड स्टॉल को नाम छुपाकर व्यापार करने के आरोप में हटाया गया। प्रशासन ने उसका लाइसेंस निरस्त किया।
- मुजफ्फरनगर में वर्ष 2024 में बजरंग दल ने मुस्लिम दुकानदारों की सूची बनाकर प्रशासन को सौंपी जिसके बाद कई दुकानों को जबरन हटाया गया।
- सहारनपुर में पिछले साल कांवड़ यात्रा से पहले प्रशासन ने सर्कुलर जारी किया कि सभी दुकान लगाने वालों को धार्मिक पहचान के साथ थाने में पंजीकरण कराना होगा। कुछ मुस्लिमों को जांच के बाद अनुमति भी नहीं दी गई। इस पर एआईएमआईएम ने मुस्लिम दुकानदारों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

प्रतिक्रियाएं भी हैं...

विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों ने इसे संविधान और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया है। कुछ संगठनों का कहना है कि यह आर्थिक बहिष्कार और धार्मिक भेदभाव है, जो अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाता है।

सरकारों को बनाने पड़े नियम

- **उत्तर प्रदेश में** इन विवादों की वजह से वर्ष 2022 से इस तरह के मामलों पर प्रशासनिक निगरानी बढ़ाई गई। अब नए दुकानदार को अनुमति देने से पहले जांच की जाती है। एफएसडीए ने नया नियम लागू किया है, इसके तहत हर दुकानदार को अपनी दुकान पर क्यूआर कोड युक्त प्रपत्र प्रदर्शित करना होगा।
- **उत्तराखंड में** हरिद्वार और ऋषिकेश में यात्रा मार्गों पर प्रशासन की पूर्व अनुमति से ही दुकान लगाई जा सकती है। धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाने की चेतावनी दी गई है। धार्मिक पहचान छुपाकर व्यापार करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान जोड़ा गया है।

- कुछ सामाजिक संगठनों का सवाल है कि क्या धर्म के आधार पर व्यापार का अधिकार छीना जा सकता है।
- प्रशासन का पक्ष है कि ये सुरक्षा के मद्देनजर है। यात्रा में लाखों लोग आते हैं, संदिग्ध नामों की जांच जरूरी है।

एक नजर

केन्या : विरोध प्रदर्शनों में 10 की मौत, 28 घायल

नैरोबी। केन्या में प्रदर्शन के दौरान सोमवार को सुरक्षा अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 10 लोगों की गोली लगने से मौत हो गयी, जबकि अन्य 29 घायल हो गए। इस घटना में देशभर में अशांति फैल गई है। केन्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने देश के 17 काउंटियों में 37 लोगों की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी दी है। केएनसीएचआर ने कहा कि लूटपाट और नुकसान के मद्देजर प्रमुख शहरों में व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। छह काउंटियों में लूटपाट की घटनाएं हुईं, मध्य केन्या में आपराधिक तत्वों द्वारा कुछ सरकारी कार्यालयों में आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं।

पेशावर में आग की घटना में पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के पेशावर शहर में आग लगने की एक भीषण घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दो दमकल कर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को खैबर पख्तूख्वा प्रांत में भीड़भाड़ वाले जन इमामबाड़गाह इलाके में स्थित एक मकान में आग लग गई। आपातकालीन सेवा ने बताया कि उन्होंने घर से छह लोगों को बाहर निकाला, जिनमें से पांच की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जान बचाने की कोशिश में दो दमकलकर्मी भी घायल हो गए।

स्विट्जरलैंड: बच्चों के लिए मलेरिया की नई दवा मंजूर

बर्न। स्विट्जरलैंड ने दावा निर्माता कंपनी नोवार्टिस की बच्चों के लिए मलेरिया की नयी दवा 'कॉर्टेम बेबी' को मंजूरी प्रदान कर दी है। कॉर्टेम नवजात बच्चों और शिशुओं पर इस्तेमाल के लिए उपयुक्त दुनिया की पहली मलेरिया दवा है। मलेरिया से संबंधित मौतों में से अधिकांश पांच साल से कम आयु वर्ग होती हैं। उम्मीद की जा रही है कि अफ्रीका में अगले कुछ हफ्तों में इस दवा का उत्पादन और वितरण शुरू हो जायेगा। मलेरिया से संबंधित अधिकांश मौतें अफ्रीकी महाद्वीप में दर्ज की जाती हैं। वर्ष 2023 में दुनिया भर में मलेरिया से पांच लाख से अधिक मौतें हुईं।

हूती विद्रोहियों का लाल सागर में जहाज पर हमला

दुबई। लाल सागर में लाइबेरियाई ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज पर यमन के हूती विद्रोहियों के हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स ने बताया कि यूनान के स्वामित्व वाली इटरनिटी सी पर हुए हमले में एक घायल व्यक्ति को अपना पैर भी गंवाना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि हमला सोमवार रात से शुरू हुआ और मंगलवार सुबह तक जारी रहा।

अफगानिस्तान पर संरा महासभा में लाए प्रस्ताव से भारत ने बनाई दूरी

नहीं किया मतदान, कहा- सामान्य तौरतरीकों से परिणाम मिलना मुश्किल

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा, सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें होनी चाहिए, जिसमें सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने और हानिकारक कार्यों को हतोत्साहित करने वाले उपाय शामिल हों।

ब्राजील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ।

दंडात्मक उपायों पर एकतरफा रुख नहीं चल सकता

हरीश ने कहा, हमारे दृष्टिकोण में केवल दंडात्मक उपायों पर केंद्रित एकतरफा रुख नहीं चल सकता। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने अन्य युद्धोत्तर परिप्रेक्ष्य में अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने समन्वित प्रयास करने चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा नामित संस्थाएं और व्यक्ति आतंकी संगठनों और उनके क्षेत्रीय प्रायोजक जो उनकी गतिविधियों में सहायता करते हैं, वे अब आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल न कर सकें। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के संदर्भ में कही।

संरा महासचिव गुटेरेस से मिले पीएम मोदी

रियो डी जेनेरियो। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील यात्रा के दौरान रियो डी जेनेरियो में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और कुछ अन्य नेताओं से मुलाकात की। ब्रिक्स सम्मेलन से इतर सोमवार रात मोदी ने गुटेरेस के अलावा चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट और न्यू डेवलेपमेंट बैंक की अध्यक्ष तथा ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ के साथ मुलाकात की तथा विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। मोदी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , कल रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से बातचीत की।

मसौदा प्रस्ताव में क्षेत्रीय सहयोग का उल्लेख करते हुए अफगानों की भलाई के लिए पड़ोसी, क्षेत्रीय साझेदारों तथा क्षेत्रीय संगठनों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इसमें भारत, ईरान और तुर्किये जैसे देशों द्वारा दिए जाने वाले शैक्षिक अवसरों के साथ कजाखस्तान, किर्गिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में अफगानों की उच्चशिक्षा तक पहुंच में मदद करने के कार्यक्रम भी शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान में भारत की तात्कालिक प्राथमिकताओं में मानवीय सहायता का प्रावधान शामिल है।

भारत की आकाश वायु रक्षाप्रणाली खरीदने से पीछे हटा ब्राजील

ब्राजीलिया। ब्राजील के एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील सरकार भारत से आकाश वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने की योजना से पीछे हट गई है और एक अधिक उन्नत प्रणाली के लिए इटली के साथ सौदेबाजी कर रही है।

- ज्यादा उन्नत वायु रक्षा प्रणाली खरीदने को इटली से शुरू किया सौदा

यह रिपोर्ट ऐसे समय प्रकाशित हुई है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील की यात्रा पर हैं। 'रियो टाइम्स' ने सरकारी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में लिखा है कि ब्राजील का आकाश रक्षा प्रणाली खरीदने की योजना को छोड़ने का कदम दिखाता है कि ब्राज़ील अपने फायदे के लिए भारत जैसे ब्रिक्स के साथियों से मुंह मोड़ कर पश्चिमी देशों के आपूर्तिकर्ताओं के साथ हाथ मिलाने में परहेज नहीं करेगा।

गौरतलब है कि इस समय ब्राज़ील की सेना अपनी पुरानी वायु रक्षा की जगह कोई उन्नत प्रणाली हासिल करना चाह रही है। उसकी वर्तमान प्रणाली केवल 3,000 मीटर की ऊंचाई तक ही लक्ष्य साध सकती है। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि भारतीय कंपनियों ने ब्राजील के लिए आकाश मिसाइल प्रणाली की पेशकश की थी।

विमान पर लेजर हमले के बाद जर्मनी ने चीनी राजदूत को किया तलब

बर्लिन, एजेंसी

- यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स के तहत लाल सागर के ऊपर उड़ान भर रहा था विमान

जर्मनी के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीनी युद्धपोत द्वारा लाल सागर में एक जर्मन विमान पर लेजर का इस्तेमाल करने के विरोध में चीन के राजदूत को तलब किया है। जर्मन रक्षा मंत्रालय ने कहा कि निगरानी विमान यूरोपीय संघ के मिशन एस्पाइड्स का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य यमन स्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से नागरिक जहाजों की बेहतर सुरक्षा करना है।

जर्मन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में एक चीनी युद्धपोत द्वारा बिना किसी कारण या पूर्व संपर्क के इस पर लेजर से हमला किया गया। ऐसा इस क्षेत्र में कई बार हुआ था। रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, लेजर का उपयोग करके युद्धपोत ने लोगों और सामग्री को खतरे में डालने का जोखिम स्वीकार किया है। एहतियात के तौर पर विमान का मिशन रद्द कर दिया गया। विमान जिबूती में बेस पर सुरक्षित उतरा और चालक दल के सदस्य स्वस्थ हैं।

मंत्रालय ने कहा कि विमान का संचालन एक असैन्य वाणिज्यिक सेवा प्रदाता द्वारा किया जा रहा था, लेकिन इसमें जर्मन सेना के जवान भी शामिल थे, तथा इसने लाल सागर में यूरोपीय संघ मिशन के साथ अपना परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। जर्मन विदेश कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जर्मन कर्मियों को खतरे में डालना और ऑपरेशन को बाधित करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

फिलीपीन ने भी चीन के राजदूत को तलब किया

मनीला। चीन ने फिलीपीन के एक पूर्व सांसद पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसके बाद मनीला में चीन के राजदूत को तलब किया गया है। सांसद विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों की आलोचना करते रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह फिलीपीन के पूर्व सांसद फ्रांसिस टॉलेंटिनो के चीन तथा उसके क्षेत्रों हांगकांग और मकाऊ में प्रवेश पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा रहा है।

एक्स खातों पर रोक लगाने का आग्रह करने से भारत का इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक्स ने किया था दावा, भारत सरकार ने की थी 2300 से ज्यादा खाते अवरुद्ध करने की मांग

सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने देश में कुछ 'एक्स' खातों तक पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए कोई नया अनुरोध नहीं किया है और उसने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय 'वायर' एजेंसी पर लगी रोक को सफलतापूर्वक हटवा दिया है। यह बयान तब आया जब एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच ने दावा किया कि भारत सरकार ने तीन जुलाई को देश में 2,300 से ज़्यादा 'एक्स' हैंडल को अवरुद्ध करने की मांग की थी। दावा किया गया कि इस सूची में भारत में रॉयटर्स एजेंसी का हैंडल भी शामिल था।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, सरकार ने तीन जुलाई 2025 को कोई नया आदेश जारी नहीं किया है और रॉयटर्स तथा रॉयटर्सवर्ल्ड सहित किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार चैनल को अवरुद्ध करने का कोई इरादा नहीं है।

एक्स ने कही थी कानूनी विकल्पों पर गौर करने की बात

'एक्स' ने कहा, हम इन अवरुद्ध आदेशों के कारण भारत में जारी 'प्रेस सेंसरशिप' को लेकर बहुत चिंतित हैं। एक्स सभी उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन कार्यकारी आदेशों के खिलाफ कानूनी चुनौती पेश करने की 'एक्स' की क्षमता भारतीय कानून द्वारा प्रतिबंधित है... हम प्रभावित उपयोगकर्ताओं से न्यायालयों के माध्यम से कानूनी उपाय करने का आग्रह करते हैं। सरकारी प्रवक्ता ने 'एक्स' के दावों का खंडन किया। रॉयटर्स के 'एक्स' अकाउंट को भारत में कुछ घंटों के लिए बंद कर दिया गया था।

महिलाओं पर जुल्म के लिए तालिबान नेताओं के खिलाफ वारंट

हेग। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने चार साल पहले सत्ता पर काबिज होने के बाद से महिलाओं और लड़कियों पर अत्याचार करने के आरोप में तालिबान के सर्वोच्च नेता और अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

वारंट में नेताओं पर लिंग, लिंग पहचान या अभिव्यक्ति पर तालिबान की नीति का पालन न करने वाले व्यक्तियों को प्रताड़ित करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें लड़कियों और महिलाओं के सहयोगी माने जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध राजनीतिक आधार पर अत्याचार का भी आरोप लगाया गया है। ये वारंट तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुनजादा और अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय के प्रमुख अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ जारी किए गए हैं।

स्पेन में बैलों की दौड़

स्पेन के पैम्प्लोना में सैन फर्मवान उत्सव में बैल दौड़ के दूसरे दिन सेबाडा गागो खेत से बैलों के साथ दौड़ते लोग। स्पेन में यह एक लोकप्रिय उत्सव है जो पैम्प्लोना शहर में होता है। इस उत्सव में लोग बैलों के एक समूह के सामने दौड़ते हैं जो उन्हें बुलरिंग तक ले जाने के लिए शहर की संकरी गलियों से होकर गुजरते हैं। इस खतरनाक खेल में हर साल कई लोग घायल हो जाते हैं, कुछ की जान भी चली जाती है। एजेंसी

आपमें से कई अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर जा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेडियो बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों से बोले शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रेडियो के माध्यम से बातचीत के दौरान स्कूली छात्रों के एक समूह से कहा, आप में से कई भविष्य के अंतरिक्ष यात्री बन सकते हैं, चंद्रमा पर भी जा सकते हैं।

कक्षीय प्रयोगशाला में 12 दिन बिता चुके शुक्ला मेघालय और असम के सात स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत कर रहे थे, जो अंतरिक्ष यात्री से बात करने के दुर्लभ अवसर के लिए शिलांग में उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईसैक) में एकत्र हुए थे। विद्यार्थियों ने शुक्ला को 20 प्रश्न भेजे थे, और उन्होंने 10 मिनट के समय में हैम रेडियो के माध्यम से विद्यार्थियों से संपर्क किया तथा आईएसएस पर अपने अनुभव, अंतरिक्ष यात्री के रूप में प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष में स्वस्थ रहने के बारे में अपने विचार साझा किए।

शुक्ला ने कहा, उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर जीवन सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर सेट घड़ी से संचालित होता है। शुक्ला ने कहा, हम सूर्य का अनुसरण नहीं करते। आईएसएस पर हम हर दिन 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं, क्योंकि हम हर 90 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाते हैं। हमारी गतिविधियां सूर्य के प्रकाश से नहीं, बल्कि जीएमटी से संचालित होती हैं।

प्रसव कराने वाले सैन्य अधिकारी को सेना प्रमुख ने सराहा

नई दिल्ली। झांसी रेलवे स्टेशन पर अत्यंत पीड़ा से जूझ रही महिला का प्रसव कराने वाले मेजर बचवाला रोहित की सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कर्तव्य से परे जाकर दिखाई गई निःस्वार्थ प्रतिबद्धता के लिए सराहना कर उन्हें सम्मानित किया।

सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि पांच जुलाई को झांसी के सैन्य अस्पताल से गृहनगर हैदराबाद छुट्टी पर जाते समय मेजर बचवाला की नजर स्टेशन पर एक महिला पर पड़ी जो तेज प्रसव पीड़ा से जूझ रही थी। सेना ने कहा, असाधारण चिकित्सकीय कौशल से मेजर रोहित ने प्लेटफार्म पर ही एक तौलिया, चाकू और हेयर क्लिप सहित उपलब्ध उपकरणों का उपयोग कर आपातकालीन प्रसव कराया। सेना ने उस महिला की तस्वीर भी साझा की, जिसकी मेजर ने सहायता की।

शोध रिपोर्ट | 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' ने वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे लोगों के बारे में जताया अनुमान

आठ से 17 वर्ष उम्र के डेढ़ करोड़ लोगों को कैंसर का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में वर्ष 2008 से 2017 के बीच जन्मे डेढ़ करोड़ से अधिक लोग जीवन में कभी न कभी पेट के कैंसर से पीड़ित हो सकते हैं और ऐसे लोगों की सर्वाधिक संख्या चीन के बाद भारत में होगी। एक शोध रिपोर्ट में यह अनुमान व्यक्त किया गया है।

शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि इन अनुमानित डेढ़ करोड़ कैंसर मरीजों में से दो-तिहाई लोग एशियाई देशों के हो सकते हैं, जबकि इसके बाद अमेरिका और अफ्रीका का स्थान आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं सहित अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र जनसांख्यिकीय डेटा के आधार पर अनुमानित मृत्यु दर के साथ-साथ 'जीएलओबीओसीएएन' (ग्लोबोकैन)-2022 के डेटाबेस का उपयोग करके 185 देशों में 'गैस्ट्रिक कैंसर' यानी पेट के कैंसर की घटनाओं के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

'नेचर' मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लेखकों ने कहा, विश्व स्तर पर इस अवधि में जन्मे 1.56 करोड़ लोगों को जीवन में कभी न कभी पेट का कैंसर होने की आशंका है, जिनमें से 76 प्रतिशत लोगों में कैंसर का कारण हेलिकोबैक्टर पाइलोरी (बैक्टीरिया) बनेगा। पेट में पाए जाने वाले एक सामान्य बैक्टीरिया 'हेलिकोबैक्टर पाइलोरी' के कारण होने वाला लगातार संक्रमण पेट के कैंसर का मुख्य कारण माना जाता है, जो दुनिया में कैंसर से होने वाली मौतों का पांचवां प्रमुख कारण है। लेखकों ने 'गैस्ट्रिक कैंसर' (पेट का कैंसर) की रोकथाम में और अधिक निवेश करने का आह्वान किया विशेष रूप से जनसंख्या के स्तर पर जांच और जीवाणु संक्रमण का उपचार करने के माध्यम से। इस तरह के कैंसर को प्रभावी उपचार के माध्यम से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं और बुजुर्गों में बढ़ती घटनाएं पेट के कैंसर के मामलों और इससे जुड़ी मृत्यु दर को कम करने के हाल के प्रयासों पर पानी फेर सकती है।

हालांकि, शोधकर्ताओं की ओर से अपनी रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अगर आबादी में पेट के कैंसर को नियंत्रित करने के पर्याप्त उपाय किए जाते हैं, जैसे कि जीवाणु संक्रमण की जांच और उपचार, तो अनुसंधान में पाया कि रोग के प्रत्याशित मामलों को 75 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

एशिया में पेट के कैंसर के आएंगे 1.06 करोड़ नए केस

'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के शोधकर्ताओं के अध्ययन में अनुमान जताया गया है कि एशिया में पेट के कैंसर के 1.06 करोड़ नए मामले सामने आएंगे, जिनमें से 65 लाख मामलों के भारत और चीन में होने की आशंका है। इस अनुमान के मुताबिक, पेट के कैंसर को नियंत्रित करने के मौजूदा उपायों में कोई बदलाव नहीं होने पर भारत में ऐसे मामले 16,57,670 तक पहुंच सकते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि उप-सहारा अफ्रीका (जहां वर्तमान में पेट के कैंसर का बोझ अपेक्षाकृत कम है) भविष्य में 2022 के अनुमानों की तुलना में कम से कम छह गुना अधिक ऐसे मरीजों का बोझ देख सकता है।